গ) আলুর বীজ নিড়ান সঠিক সময় হ'ল অঙ্কুরোদগম আরম্ভ আরম্ভাবস্থা পর্যন্ত অপেক্ষমান আরম্ভ আরম্ভাবস্থায়। 'ফুলবি লিপুটি' জাতের আলুর বীজ নিড়ানের জন্য উইডিংকে কম পাবি।

ঘ) জাতীয়যুক্ত, মজবুত আকারের, সুস্বাস্থ্যবান, পজনি ওলোতা আলুর বীজ ব্যবহার করে নির্বাচন করিব লাগে। এতে বীজের বিশুদ্ধ আকার হ'ল ২-৪ সে:মি: আরের আকার একার ২৪-৪০ গ্রাম। আলুর বীজগুলের আকার হ'লে ২/৩ টি কন্দ কাটি আলুগুলা বীজ,জেরে জাবি টৈ পোকন কাটি হ'ব লাগে। পোকনর আগে পাটি লোয়া বীজগুলের পুরিবিলীন পাটির ৪ গ্রাম মেনকজেব মিশ্রণটি ১০ মিনিট সময় ডুবাই জাবি, শিতর ১৯ ঘণ্টার আগলে বীজ অঙ্কুরাই কম লাগে।

ঙ) পোকন করা বীজগুলের বা পোটা আলুগুলের পাটী পাটীকৈ লোয়াগুলের জন্য লাগে। প্রতিটো লোয়ার ১৫ সে:মি: অন্তরে অন্তরে ১-৪ সে:মি: গভীর বীজগুলের দিব লাগে। আলুর আকার ডাঙর হ'লে বুলি আলুর মাজর অংশখান বাঢ়াব লাগে। প্রতি হেক্টর জমির কারণ বাবে ১-৪ মে:টি: আলুর ১১-৪-১৪ কুইন্টল আলুর বীজ লাগে।

চ) লোয়ার পরাজ পজনিগুলের ৪পরমুহূর্তৈক আগরাতে দিব লাগে তাতে পজনিগুলের পাটী নষ্ট নহয়।

ছ) আলু খেতির লোর জনি পানী নিয়ার ব্যবস্থা জাবি লাগে। পানীবান্ধটোর মুখতে ছিটিয়ার পানী দিব লাগে। প্রথম বুলি পানীর পাছ ২৪-৪০ দিনর পাছত, দ্বিতীয়বার ৮০ দিনর পাছত আরু তৃতীয়বার বুলি পানীর পাছ ৮০ দিনর পাছত।

পানি দিয়ে সম্প্রসারণ মল্ল অধিক মাত্রায় যাতে পুনি বজা নিশ্চয়তার পানীয় দুর্ব বাধায়।

উত্তরাঞ্চল পানের কৃষি সম্প্রদায় পরামর্শাবলী:

ক) ইংরেজীর উন্নতশীল জাতসমূহ ইঃ- 'দুইটি হাজারী', 'রোমিরেজ', 'রেজুলাব' ইত্যাদি। ইংরেজীর অংশবিশেষ মাতৃজন জাতিগুলো জন্য হয় আজ এই মাতৃজনের বোনের নাটক সম্ভব হইল নবেজন।

খ) জমি পানের পুনি উৎপাদনের আগাছির মাধ্যে জন্য, বাঁধবাটি, পানী নোনোরা ইত্যি আজ পাকড়া জন্য পরেজে জমি ঘোরা যখনের মাটিইটিয়া জাতি নির্বাচন অধিক মাধ্যে। নাগাঁটি বোর্ড বা পুনিসম্পদির নিশ্চয়তের পুনু ১ নিচের আজ দৈর্ঘ্য প্রয়োজন অনুযায়ি অধিক মাধ্যে আজ উক্ত নাগাঁটিবোর্ডগুলোর মাটির পাত্র ১০-১৪ ফেরি বন অধিক মাধ্যে।

পাহাড়ীয়ক সমতল মাধ্যে পরামর্শাবলী:

১) পাহাড়ন আজ কুকুরাব পড়ান সমূহ পীর কাল অবাব আগে আগে পীরব প্রয়োগের পাত্র বাজা অধিকাংশ মেরামতি জমি নরক। পোরাটি বা পাহাড়ের মাটিবরাবে পাত্র ছাড়ব পর বিশেষ পাহাড় জমি নিয়ক।

২) পীরবালার পাহাড়নের পুনু উৎপাদন বাহনজন জমি অধিকাংশ মাটিরোজ, মেন, পাহর পাত্র, জাতি মোরা যাদের নাম প্রতিদিনে ৩-৪ ফেরি পুরুরাটো জমি প্রয়োজনীয়।

৩) আবহাওয়ার পীড়ন কমানোর জন্য বাকা জমিতে সুষম প্রয়োজন সাপেক্ষে নালার পাড়ে আল তুলুন। সেচনালীর কৃত্রিম উপায়ে আলো উদ্ভাসিত করি রাখুন।

৪) পশুখাদ্যের সংকটে শীত আসার ২'৩ দিন পূর্ব থেকে আহারে অভ্যস্তকারী সমূহের প্রথম ভাগিনা সুস্থ করি তৈরি সেরার সমূহের টিকা মজুত রাখিব লাগে।

৫) সংক্রমণে সংকটে ব্যবস্থাদীর টিকাকরণ করাইবে।

৬) বাহিরাকাশ যেহেতু শেষে শেষে পশুখাদ্যের (গাজর, ছোলাটি, ঘেড়া, পাইনি) সেদ্ধমাখার খুলাইবে।

৭) পশুখাদ্যের সকলের নিয়মিত ভাবে পরিপূরক খনিজ মিশ্রণ (ডাইকে গাজর ঘেড়ার ৪০/৪০ গ্রাম পুরিমিলে) আকে পাখীকারী পাইনি ৬০ ও গরু ৮০ কিলো: ঘেসেরিয়ার পুরিমিলে পুরাতনের পরাজন, নিয়া হ'য়।

মীন পালন সম্পর্কীয় পরামর্শাবলী:

১) পরবর্তি সময়তে জমিতে, আর ঘেসের আগাতে মীন পালন সম্পর্কীয় বিভিন্ন কারণসমূহ যেমন পুকুরী খনা, পুকুরী ঘেসেরাটি জমি সমাধান করিব লাগে। পুকুরী খনার আগাতে মাটি পরীক্ষা করি নেওয়া আবশ্য জরুরী।

২) পুরি বিলি পাইবার দূরত্ব পুকুরীর ভরার পরার সমূহ আবশ্যই দিব লাগে। এনে করিলে আহার পুরি সুলভ হয়।

৩) অনুমোদিত পরিমাণের মূল প্রয়োগ করি হ'ব লাগে।

৪) নিয়মিত ভাবে আহার আহার,চলন-ফুলন, আহার পুরুলীয়তা মল জমি রাখিব লাগে।

৫) শীতকালের নিচুভিত্তি পানীয় জলপাত মাসলক্ষ পরীক্ষা করি বাড়িতে লাগে দিয়েছু মাইক বাহুরো বোগ এই সময়ের বেশা দিয়ে।

৬) শীত কালের মাইক শাখা পুরন আক বিশাক পুক্রিয়া হ্রাস হয়, সেক্ষেত্রে কম পুক্রিযুক্ত আহার গ্রহণের করুন। অন্যান্যদি, এই সময়ের পুষ্টুটির ঠৈরিক মাব (যেমন শক-পাতাদি, ঘাঁস ঘুমুমাব শোবক) বন্ধটক প্রয়োগ করুন।

দ্রঃ দ্রঃ অধিক তথ্যের জন্য মৃত্তি বিভাগ (কেন্দ্র, জিলা মৃত্তি বিভাগ, জিলা শস্য পালন বিভাগ আক জিলা ঘীর বিভাগ অধিক যোগাযোগ করিয়া পারে।

****

सिक्किम (हिन्दी)
SIKKIM (HINDI)

रबी मौसम के लिए सामान्य सलाह

- रबी फसलों की बुवाई यथाशीघ्र पूरी कर लें, इससे पहले कि मिट्टी की शेष नमी नष्ट हो जाए।
- रबी फसलों के लिए मिट्टी की नमी को संरक्षित करने और खरपतवार वृद्धि को रोकने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध बायोमास के माध्यम से मल्चिंग की जानी चाहिए।
- अप्रत्याशित बारिश से होने वाले नुकसान से बचने के लिए खरीफ मौसम की परिपक्व फसलों की जल्द से जल्द कटाई करें।
- बची हुई मिट्टी की नमी का उपयोग करने के लिए धान की परती में शुन्य जुताई में सब्जीवाली मटर/ तोरिया/ बकविट की खेती की जानी चाहिए।
- बंदागोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, प्याज, रायसाग आदि के लिए नर्सरी को संरक्षित स्थिति में उगाना चाहिए।
- वाष्पीकरण से होने वाली हानियों को रोकने के लिए जलकुंड को छप्पर से ढक देना चाहिए।
- केंचुएँ/कृमी खाद के गड्ढों को बोरियों / खरपतवार बायोमास / सूखे जंगल के कूड़े / घरेलू और खेत के कचरे से ढंकना चाहिए और साप्ताहिक अंतराल पर पानी उपलब्ध कराकर नम रखना चाहिए।
- अप्रत्याशित बारिश के दौरान नुकसान से बचने के लिए नर्सरी बेड को रेन शेल्टर (सिलपॉलाइन:45जीएसएम) से सुरक्षित किया जाना चाहिए।
- कटाई एवं कृषि के अन्य कार्यो में लगे लोगों द्वारा कोविड नियमों का पालन करे ।
- उपज को खेत से संग्रह केन्द्रों तक ले जाने के दौरान 2-3 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- पौधों के लिए पोषक तत्वों की अधिकतम उपलब्धता के लिए बीज बोने से 15-20 दिन पहले 1 टन/हेक्टेयर की दर से चूना डालें।
- पौध संरक्षण उपायों के लिए, नीम आधारित सूत्रीकरण (1500 पीपीएम) 0.3% की दर से जब-जब आवश्यक हो, सभी फसलों पर छिड़काव करें।

कृषि फसलें

राजमा

- अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए राजमा बीज की बुवाई अगस्त के अंतिम सप्ताह तक कर लेनी चाहिए। अनुशंसित किस्में हैं - सिक्किम राजमा -1, ज्वाला, त्रिपुरा राजमा चयन 1 आदि।
- लगातार बारिश से जलजमाव के कारण बीज खराब होने से बचने के लिए राजमाश की बुवाई चोटी (चोटी-खांचे) पर की जानी चाहिए और उचित जल निकासी चैनल बनाया जाना चाहिए।
- गोबर खाद 5 टन/हेक्टेयर + 2.0 टन/हेक्टेयर कृमी खाद + जैव उर्वरक 20 किग्रा/हेक्टेयर डालें।
- राजमा की बीज दर 70-80 किग्रा/हेक्टेयर रखे और बुवाई 30 सेमी x 10 सेमी की दूरी पर करनी चाहिए।

सरसों

- सरसों की खेती के लिए अक्टूबर-नवंबर के महीने में 2-3 बार हल से जुताई कर के खेत तैयार कर लेना चाहिए और अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए अच्छी तरह से विघटित गोबर का खाद @ 5 टन/हेक्टेयर, कृमी खाद 2 टन/हेक्टेयर और 100-120 किग्रा/हेक्टेयर रॉक फॉस्फेट को खेत में डालना चाहिए।

- सरसों की बुवाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर तक करनी चाहिए। बीज दर @ 6-8 किग्रा/ हेक्टेयर रखे। बीजो को पीएसबी @ 20 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित करें। अनुशंसित किस्में हैं - पंत पीली सरसों-1, पंत श्वेता और मौजूदा किस्म जैसे उत्तरा और बेनॉय-9, पीएम-27 और पीएम-28 आदि और तोरिया किस्म टीएस 36, टीएस 38 आदि।

फाफढ़

- फाफढ़ की बुवाई अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े से नवंबर के पहले सप्ताह तक कर लेनी चाहिए।
- फफढ़ की बुवाई 30-40 किग्रा/हेक्टेयर के बीज दर से करनी चाहिए और दूरी 30 x 10 सेमी रखनी चाहिए
- अच्छी उपज के लिए 5 टन/हेक्टेयर की दर से गोबर खाद और 1 टन/हेक्टेयर की दर से कृमी खाद डालें।

बागवानी के लिए सामान्य सलाह

- फलने की अवस्था में जैसे संतरा, कीवी, खेती कार्य के दौरान अत्यधिक सावधानी बरती जानी चाहिए ताकि जड़ों को नुकसान न पहुंचे।
- बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए काटी गई फल-फसल का उचित भंडारण शीत गृह में सुनिश्चित करें।
- कटी हुई सब्जियों और फलों के सीधे विपणन में सावधानियां बरते।
- संतरा के पौधों में गोबर का खाद @ 20 किग्रा/पौधे प्रति वर्ष अप्रैल-मई के महीने में डालना चाहिए।

सब्जी मटर/फ़ील्ड मटर:

- बिना जुताई के सब्जी मटर/फील्ड मटर की खेती का अभ्यास करना चाहिए।
- बुवाई 30-40 सेमी x 10 सेमी और बीज दर 60-70 किग्रा/हेक्टेयर के साथ की जानी चाहिए।
- बेहतर उपज के लिए जीवन रक्षक सिंचाई करें।
- बुवाई के समय गोबर का खाद @ 2 टन/हेक्टेयर + कृमी खाद @ 1 टन/हेक्टेयर की दर से डालें।

कोल कॉप्स (पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और टमाटर)

- बेमौसम बारिश और कम तापमान से बचने के लिए नर्सरी को संरक्षित स्थिति में उगाया जाना चाहिए।
- नर्सरी बेड को अच्छी तरह से विघटित गोबर खाद या कम्पोस्ट @ 4 किग्रा/ मीटर2 में मिलाकर तैयार करना चाहिए।
- नर्सरी की जगह सूखी और पानी ठहराव रहित के साथ-साथ मिट्टी, उच्च नमी से मुक्त होनी चाहिए।
- 25-30 दिन पुराने पौधे को 40-50 सें.मी. पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी के साथ प्रत्यारोपित किया जाना चाहिए।
- पौध की रोपाई शाम को करनी चाहिए और तुरंत सिंचाई करनी चाहिए
- अधिक उपज प्राप्त करने के लिए गोबर खाद @ 7-8 टन/हेक्टेयर + कृमी खाद @ 1-2 टन/हेक्टेयर का प्रयोग करें

मूली, गाजर

- जल्दी अंकुरण के लिए गाजर के बीज को बुवाई से पहले रात भर पानी में भिगो दें।
- बीज को 30-40 सें.मी.चौड़ाई की उठी क्यारी पर बोना चाहिए
- अच्छी फसल उपज के लिए गाजर में दुरी - पंक्ति से पंक्ति: 20-30 सेमी और पौधे से पौधे: 5-10 सेमी और मूली में पंक्ति से पंक्ति: 30-40 सेमी और पौधे से पौधे: 5-10 सेमी की दुरी रखना चाहिए।
- उचित दूरी बनाए रखने के लिए बुवाई के 10-15 दिन बाद पतला किया जाना चाहिए
- अधिक उपज प्राप्त करने के लिए गोबर खाद @ 8-100 टन/हेक्टेयर+कृमी खाद @ 1-2 टन/हेक्टेयर डाले।

आलू

- आलू की बुवाई अक्टूबर के मध्य से नवंबर के मध्य में करनी चाहिए ताकि धान-परती में अधिक उपज मिल सके एवं मिट्टी की बची हुई नमी का उपयोग किया जा सके।
- कंद का आकार 40-50 ग्राम वजन के साथ पंक्ति-पंक्ति: 50-60 सेमी और पौधे-पौधे: 20 सेमी की दूरी के साथ लगाया जाना चाहिए।
- अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद 12-15 टन/हेक्टेयर की दर से और कृमी खाद @ 2-3 टन/हेक्टेयर रोपण के समय लाइन में लगाएं।
- अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए एक सिंचाई आवश्यक है।
- लाल चीटियों के प्रकोप से बचने के लिए खेत में अच्छी नमी बनाए रखनी चाहिए।

पशुधन विशिष्ट सलाह

मवेशी और बकरी

- बीमारियों की घटनाओं को रोकने के लिए फार्म परिसर में सख्त स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता है।
- अधिकतम उत्पादन और उत्पादकता प्राप्त करने और बीमारी से बचने के लिए वयस्क गायों को खनिज मिश्रण @ 50-60 ग्राम/दिन और स्तनपान कराने वाली और गर्भवती गायों को कैल्शियम @ 70-80 मिली/दिन/गाय का नियमित सेवन बहुत आवश्यक है।
- पशुओं को स्वस्थ रखने के लिए भोजन, पानी, आवास (स्वच्छ, सूखा, अच्छी तरह हवादार) और सामान्य स्वच्छता से संबंधित अच्छी प्रबंधन प्रथाओं का पालन करें।
- बछड़ों को 21 दिन की शुरुआत में पिपरजाइन से राउंडवॉर्म के खिलाफ 110-130 मिली ग्रा. /किलो ग्राम शरीर के वजन के साथ कृमि मुक्त करना चाहिए।
- एल्बेंडाजोल @ 7.5 मिलीग्राम/किलोग्राम शरीर के वजन के साथ बकरियों को कृमि मुक्त करने के लिए प्रयोग करें। गर्भवती के मामले में, गर्भावस्था के लिए सुरक्षित एंटीहेल्मेंटिक्स (फेनबेंडाजोल 25 मिलीग्राम/किग्रा शरीर के वजन के अनुसार) को बच्चा देने के तिथि से 15 दिन तक किया जाना चाहिए।
- संभावित कवक विकास (एफ्लाटॉक्सिकोसिस) से बचने के लिए चारा सामग्री को सूखी जगह में संग्रहित किया जाना चाहिए।
- प्रदूषण को कम करने के लिए पशु घर के प्रवेश द्वार पर फुट बाथ बनाना चाहिए।
- अधिकतम उत्पादन और अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित और समय पर भोजन (सूखा चारा, रौगेज, सांद्र, विटामिन, खनिज) का प्रयोग किया जाना चाहिए।
- विशेष रूप से गर्भवती मवेशियों के मामले में फिसलन वाले फर्श से बचें।
- समय पर टीकाकरण और कृमि मुक्ति करना चाहिए।

मुर्गी /कुक्कुट पालन

- कोकिडायोसिस की घटनाओं को रोकने के लिए पोल्ट्री फार्म में कूड़े की सामग्री को सुखाया जाना चाहिए और बार-बार बदला जाना चाहिए।
- पोल्ट्री फार्म में बीमारियों की घटनाओं को रोकने के लिए उचित हवादार और जगह का चयन किया जाना चाहिए।
- कुक्कुट पक्षियों (एक दिन से 25 दिन उम्र) को रात के समय कम तापमान से बचाने के लिए बिजली के बल्ब के माध्यम से कृत्रिम ताप प्रदान करें।
- कुक्कुट घर को दिन के समय अच्छी तरह हवादार रखें।

- कुक्कुट पक्षियों में रानीखेत, आईबीडी, फाउल पॉक्स, मरेक रोग के खिलाफ टीकाकरण करें।
- कुक्कुट पक्षियों का डी-वर्म पिपराज़िन (@ 32 मिलीग्राम/किलोग्राम की दर से लगातार दो बार भोजन या पानी में) से करना चाहिए और राउंडवॉर्म के खिलाफ एल्बेंडाजोल और अन्य कृमि के लिए @ 10 मिलीग्राम/किलोग्राम शरीर के वजन के अनुसार प्राजिक्वेंटेल @ 5 मिलीग्राम/किलोग्राम शरीर के वजन साथ या उसके बिना उम्र के आधार पर किया जाना चाहिए।

सूअर पालन

- सूअरों को कृमि मुक्त करने हेतु एल्बेंडाजोल @ 5 मिलीग्राम/किलोग्राम शरीर वजन के अनुसार के साथ और विशेष रूप से राउंडवॉर्म के खिलाफ पाइपरज़ीन @ 110-200 मिलीग्राम/ किलोग्राम शरीर वजन के अनुसार कृमि मुक्त किया जाना चाहिए।
- सुअर पालक किसानों को सलाह दी जाती है कि गर्भवती मादा शुकरों के लिए खनिज मिश्रण @ 50-60 ग्राम/दिन और स्तनपान कराने वाली मादा शुकरों को कैल्शियम 60-80 मिली/ दिन/मादा को नियमित रूप से देना चाहिए ।
- सूअर घर में आगंतुकों की आवाजाही को प्रतिबंधित करें और सख्त जैव सुरक्षा उपायों का पालन करें। फुट बाथ में अच्छे कीटाणुनाशक का प्रयोग करें।
- सूअरों में स्वाइन ज्वर का टीका लगवाएं। पशुओ के लिए एफएमडी, बीक्यू और एचएस के लिए टीकाकरण करवाए।
- मादा शुकरों द्वारा रौंदना और ठंड के झटके से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के लिए सूअर के बच्चों के लिए हीटिंग स्रोत (बल्ब) के साथ क्रीप बॉक्स का उपयोग किया जाना चाहिए।

सिक्किम (नेपाली)
SIKKIM (NEPALI)

रबि फसल मौसमका लागि साधारण परामर्श :

- माटोको रहल चिसोपन उडेर जानुभन्दा अघि नै रबि फसल रोप्ने-छर्ने काम पूरा गर्नुपर्दछ।
- रबि फसलका लागि माटोको चिसोपन बचाउन र झार-पात उम्रिन नदिन स्थानीय रूपमा पाउने पत्कर/स्याउलाले ड्याङ ढाक-छोप गर्नुपर्दछ।
- खरिफ मौसमको पाकेको बाली अचानक पर्ने पानीले चुटेर नष्ट हुन नदिन सक्दो चाँडो उठाउनु पर्नेछ।
- माटोको रहल चिसोपनको फाइदा उठाउन धानको बाली काटिसकेपछि खन-जोत नगरी कोसे मटर, तोरिया, फापरको खेती गरेको राम्रो।
- बालीको मौसमको शुरु हुनसाथ फसल हुने गरी कोपी (बन्दकोपी, फूलकोपी, ब्रोकोली), प्याज, रायो साग अदिको बियाँड छहारी/छाजन लगाएर बिउ हुर्काउनु पर्दछ।
- बाफ बनेर पानी उडेर जान नदिन जलकुण्डलाई राम्ररी ढाक-छोप गर्नुपर्दछ।
- भर्मी कम्पोस्ट खाडललाई बोरा, सोत्तर, सुक्खा पात-पतिङ्गर र ढोड-नलले छोपेर राख्दै हप्तामा एकपटक जस्तो पानी छर्केर चिसो राख्नु पर्दछ।
- अनापेक्षित वर्षाको कारण बिगार पार्ने कुरालाई ध्यानमा राख्दै बियाँडलाई छहारी लगाएर (सिल्पौलिन – 45 जीएसएम) सुरक्षित राख्नुपर्दछ।
- खेताला र अर्म-पर्ममा खट्न जानेहरूले कोभिड नियम र उपाय पालन गर्नुपर्दछ।
- खेतदेखि सङ्कलन केन्द्रमा बाली-फसल पुऱ्याउँदा अरूसँग 2-3 फीटको दूरी कायम गर्नुपर्दछ।
- अन्न-बालीलाई धेरैभन्दा धेरै पोषण प्रदान गर्न बिउ छर्नुभन्दा 15-20 दिनअघि प्रति हेक्टर एक टनको दरले चुना छर्नुपर्दछ।
- बाली-फसलको सुरक्षाका लागि फसलमा आवश्यक देखिए अनुसार 0.3% को दरले नीम आधारित घोल (1500 पीपीएम) छर्कनु पर्दछ।

कृषि बाली

राजमा

- धेरैभन्दा धेरै उब्जनीका लागि राजमाको बिउ छर्ने/रोप्ने काम अगस्को अन्तिम साताभन्दा अघि नै पूरा गरिसक्नु पर्दछ। बिउका लागि सुझाउमा – सिक्किम राजमा-1, ज्वाला, त्रिपुरा राजमा सेलेक्सन-1 आदिले राम्रो उब्जनी दिँदछ।
- अविराम पानी पर्नुको कारण पानी जमेर बिउ नष्ट हुन नदिन राजमालाई ड्याङ बनाएर रोप्नका साथै पानी बगेर जाने कुलोको व्यवस्था गर्नुपर्दछ।
- एफवाईएम 5 टन/हेक्टर + 2.0 टन/हेक्टर भर्मी कम्पोस्ट + 20 केजी/हेक्टर जैविक मल लगाउनु पर्दछ।
- 30 सेन्टिमिटर x 10 सेन्टिमिटरको दूरी राख्दै राजमाको बिउ रोप्दा उब्जनी 70-80 केजी/हेक्टर हुनुपर्दछ।

रेपसीड तोरी

- रेपसीड र तोरीको खेतीका लागि अक्टोबर-नोभेम्बर महिनामै बारी 2-3 पटक खन-जोत गरी तयार गरिसक्नु पर्दछ र राम्रो उब्जनीका लागि त्यहाँ 5 टन/हेक्टरको दरले राम्ररी पाकेको एफवाईएम, 2 टन/हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट र 100-120 केजी/हेक्टरको दरले रक फोस्फेट छर्नुपर्दछ।
- रेपसीड र तोरीको बिउ छर्ने काम अक्टोबरको अन्तिम सातादेखि दिसम्बरभित्र पूरा गरिसक्नु पर्दछ। 20 केजी/ केजी बिउको दरले बिउलाई पीएसबीले उपचार गरी 6-8 केजी/हेक्टरको दरले बिउ छर्नुपर्दछ। यसको उत्तम प्रजातिमा पन्त पिली सरसों-1, तथा विद्यमान प्रजाति जस्तै उत्तरा, बिनोय-9, पीएम-27 र पीएम-28 तथा तोरियाको प्रजातिमा टीएस 36, टीएस 38 सामेल छन्।

फापर :

- अक्टोबरको तेस्रो हप्ता शुरु भएदेखि नोभेम्बरको पहिलो हप्ताभित्र बिउ छर्ने काम पूरा गर्नुपर्दछ।
- 30/40 केजी/ हेक्टर तथा 30x10 सेन्टिमिटरको दूरीका साथ बिउ छर्नुपर्दछ।
- 5 टन/हेक्टरको दरले एफवाईएम र 1 टन/ हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट छर्नुपर्दछ।

बागवानी फसल

- जरा नष्ट हुन नदिन सुन्तला, किवी फल जस्ता फलको चिचिला लाग्ने समयमा विशेष सावधान अप्नाउनु पर्दछ।
- टिपिसकेका फलहरूको राम्रो दर-भाउ पाउनका लागि शीत भण्डार जस्ता सुविधामा भण्डारण गर्ने सुनिश्चित गर्नुपर्दछ।
- टिपिसकेका फल अनि साग-सब्जीको सक्दो आफै बेच-बिखन गर्ने चाँजो मिलाउनु पर्दछ।
- सुन्तलाको बोटमा प्रत्येक साल अप्रेल-मई महिनामा 20 केजी/बोटको दरले एफवाईएम लगाउनु पर्दछ।

कोसे मटर :

- कोसे मटरका लागि खन-जोत नगरी गरिने खेती विधि अप्नाउनु पर्दछ।
- 60-70 केजी/ हेक्टरको दरले 30-40 सेन्टिमिटरको दूरी कायम गर्दै बिउ छर्नु/रोप्नु पर्दछ।
- राम्रो उब्जनीका लागि जीवनरक्षक सिञ्चाई व्यवस्था अप्नाउनु पर्दछ।
- बिउ छर्ने बेला 2 टन/हेक्टरको दरले एफवाईएमका साथमा 1 टन/हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट छर्नुपर्दछ।

कोपी (बन्द कोपी, फूलकोपी, ब्रोकोली) र रामभेंडा

- असामयिक वर्षा र कम तापमानबाट जोगाउन सुरक्षित रूपमा बियाँड राख्नु पर्दछ।
- बियाँडको ड्याङ 4 केजी/वर्गमिटरको दरले राम्ररी पाकेको एफवाईएम वा कम्पोस्ट छाएर बनाउनु पर्दछ।
- सुक्खा हुनका साथै माटोमा धेरै चिसोपन पानी जम्न नदिने हिसाबले बियाँड बनाउनु पर्दछ।
- 25-30 दिन पुराना बिरुवालाई 40-50 सेन्टिमिटरको दूरीका साथ हार बनाएर रोप्नुपर्दछ।
- बिरुवा सार्ने काम साँझको समय गर्दै तुरुन्तै त्यसमा पानी लगाउनु पर्दछ।
- राम्रो उब्जनीका लागि 1-2 टन/ हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट र 7-8 टन/हेक्टरको दरले एफवाईएम लगाउनु पर्दछ।

कोपी, गाजर

- राम्ररी उम्रिन दिनका लागि गाजरको बिउलाई रातभरी पानीमा भिजाउनु पर्दछ।
- बिउलाई 30-40 सेन्टिमिटरको दूरी बनाएर रोप्नु पर्दछ।
- गाजरका लागि दूरी : हारमा 20-30 र दुई बिरुवाबीच 5-10 सेन्टिमिटरको दूरी कायम गर्नुपर्दछ।

- मूलाका लागि : दुई हारबीच 30-40 सेन्टिमिटरको दूरी र दुई बिरुवाबीच 5-10 सेन्टिमिटरको दूरी कायम गरे राम्रो उब्जनी दिन्छ।
- उचित दूरी कायम गर्न 10-15 दिनपछि छाँट्ने काम गर्नुपर्दछ।
- राम्रो उब्जनीका लागि 8-10 टन/हेक्टरको दरले एफवाई र 1-2 टन/हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट लगाउनु पर्दछ।

आलु

- राम्रो उब्जनीका लागि, आलुको बिउ मध्य अक्टोबरदेखि मध्य नोभेम्बरसम्म धानको बाली उठाइसकेपछिको खेतमा रोप्नु पर्दछ।
- बिउको आकार 40-50 ग्रामको हुनुपर्दछ र 50-60 सेन्टिमिटर दूरी रहेको हारमा दुई बिउबीच 20 सेन्टिमिटरको दूरी राख्दै रोप्नुपर्दछ।
- बिउ रोप्ने बेला राम्ररी पाकेको एफवाईएम 12-15 टन/हेक्टर र 2-3 टन/हेक्टरको दरले भर्मी कम्पोस्ट लगाउनु पर्दछ।
- राम्रो उब्जनीका लागि आलु रोपेको बारी एकपटक पानीले पाट्न आवश्यक छ।
- रातो कमिला लाग्न नदिन आलु बारीमा चिसोपन कायम गर्नुपर्दछ।

गाई-वस्तुबारे परामर्श

गाई-वस्तु र खसी-बाख्रा

- कुनै प्रकारको रोग लाग्न नदिन गोठ-खोरमा राम्रो साफ-सफाई कायम गर्नुपर्दछ।
- गाई वस्तु पाल्ने कृषकहरूलाई दूध उत्पादन कायम राख्न र कुनै प्रकारको रोग लाग्न नदिन @50-60 ग्रामको दरले खनिज मिश्रणको नियमित खुराक र दूध उत्पादन कायम राख्नका लागि गर्भवती साथै दूध दिने गाईलाई @70-80 मिलिलिटर प्रतिदिनको दरले क्याल्सियमको खुराक दिन आवश्यक छ।
- गाई-वस्तुलाई स्वस्थ राख्न दाना-पानी, गोठको साफ-सफाई (सफा, हावादार) सित सम्बन्धित उत्तम विधि अप्नाउनु पर्दछ।
- बाछा-बाछीलाई सक्दो चाँडै 21 दिनभित्र 110-130 मिलिग्राम/केजी ओजनको हिसाबले पाइपेराजिन नामक जुकाको दवाई खुवाउनु पर्दछ।
- खसी-बाख्रालाई 7.5 मिलिग्राम/ केजी ओजनको दरले एल्बेन्डाजोल नामक जुकाको दवाई खुवाउनु पर्दछ। यदि ब्याउने भए, ब्याउनुभन्दा 15 दिनअघि सुरक्षित प्रसवका लागि 25 मिलिग्राम/ केजी ओजनको दरले सुरक्षित एन्थेल्मेन्टिक्स (फेन्बेन्डेजोल) खुवाउनु पर्दछ।
- दाना-पानीमा ढुसी लाग्न नदिन सुक्खा ठाउँमा राख्नु पर्दछ।
- कुनै प्रकारको रोग लाग्न नदिन खोरमा पस्ने दैलोमा खुट्टा धुने व्यवस्था गर्नु पर्दछ।
- राम्रो स्वास्थ्य र राम्रो उत्पादनका लागि सन्तुलित साथै समयमा आहार (सुक्खा घाँस-पराल, खनिज मिश्रण, भिटामिन) दिने गर्नुपर्दछ।
- यदि गाई-बाख्रा गर्भवती भए, चिप्लेर लड्नबाट जोगाउन भूइँ चिप्लो हुन दिनु भएन।
- समयमा खोप लगाउनका साथै जुकाको दवाई खुवाउने गर्नुपर्दछ।

कुखुरा पालन

- ककीडायोसिसबाट जोगाउन कुखुराको खोरमा ओछ्याइएका स्याउला-सोत्तर नियमित रूपमा सुकाउनका साथै फेर्ने गर्नुपर्दछ।
- कुनै प्रकारको रोग लाग्न नदिन खोर हावादार हुनका साथै फराकिलो हुनुपर्दछ।

- रातिको कम तापमानबाट जोगाउन बल्ब बालेर तातो-न्यानो (एकदिनदेखि लिएर 25 दिनसम्मको चिङ्नाका लागि) बनाउनु पर्दछ।
- दिउँसो खोरमा हावा लाग्न दिनुपर्दछ।
- रानीखेत, आइबीडी, कुखुरे ठेउला, मारेकजस्ता रोगबाट जोगाउन कुखुरालाई खोप लगाउनु पर्दछ।
- कुखुराको उमेरको हिसाबले गोलो जुकाका लागि 32 मिलिग्राम/केजी ओझनको दरले दुई खुराक चारो वा पानीमा पाइपेराजिन तथा अन्य जुकाका लागि 10 मिलिग्राम/केजी ओजनको दरले एल्बेन्डाजोल वा 5 मिलिग्राम/केजी ओजनको दरले प्राजिक्वान्टेल खुवाउनु पर्दछ।

सुँगुर पालन

- सुँगुरलाई 5 मिलिग्राम/केजी ओजनको दरले एल्बेन्डाजोल तथा गोलो जुकाका लागि 110-200 मिलिग्राम/केजी ओजनको दरले पाइपेराजिन नामक जुकाको दवाई खुवाउनु पर्दछ।
- ब्याउने भुन्नी सुँगुरलाई 50-60 ग्राम/ प्रदिदिनको दरले नियमित खनिज मिश्रण र ब्याइसकेका सुँगुरलाई 60-80 एमएल/प्रतिदिनको दरले क्याल्सियमको खुराक दिन सुँगुर पाल्ने कृषकहरूलाई सल्लाह दिइन्छ।
- खोरमा अरू धेरै मानिसहरूको आउ-जाउमाथि रोक लगाउनका साथै कडा सुरक्षा उपाय अप्राउनु पर्दछ। खुट्टा धुने राम्रो रोगाणुनाशक उपयोग गर्नुपर्दछ।
- सुँगुरलाई सुँगुर ज्वरोका लागि खोप लगाउनु पर्दछ। गाई-वस्तुलाई एफएमडी, बीक्यु र एचएसको खोप लगाउनु पर्दछ।
- माउ सुँगुरले कुल्चेर बच्चा मार्न र जाडोको कारण बच्चा मर्न नदिन बिजुलीको बल्ब बालेर तातो-न्यानो राख्ने बाकसको व्यवस्था गर्नुपर्दछ।

अरुणाचल प्रदेश
ARUNACHAL PRADESH

रबी मौसम के लिए किसानों को कृषि सलाह

बागवानी फसलें

- रोग और कीट प्रबंधन के लिए खेत या बागवानी फसलों की नियमित जांच करते रहना चाहिए।
- रोग प्रतिरोधक किस्म चुनें।
- खरीफ फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करने से खरपतवार, मिट्टी जनित रोग, कीट लार्वा और प्यूपा का प्रबंधन कि जा सकताहै।
- खेत में बर्ड पर्चिंग (चिडियो के बैढने की जगह) खड़ी की जानी चाहिए।
- रबी मौसम की सब्जी बीजो को ट्राइकोडर्मा एस पी पी से उपचारित करना चाहिए। इसके लिए@ 2 ग्राम/100 ग्राम और ट्राइकोडर्मा एस पी पी का 10-25 ग्राम का प्रयोग करना चाहिए। और धूल प्रति 100 मी^{2} नर्सरी बेड या कार्बेन्डाजिम 50% डब्ल्यू पी @ 2 ग्राम/ 1 किग्रा बीज के साथ उपचारित करें।
- बुआई के लिए प्रमाणित एवं रोग रहित आलू कंद का चयन करें।
- मटर में पाउडर फफूंदी के प्रबंधन के लिए 15 दिनों के अंतराल पर वेटेबल सल्फर 2 ग्राम प्रतिलीटर का वैकल्पिक छिड़काव करने की सिफारिश की जाती है।
- रबी मक्का में फॉल आर्मी वर्म के नियंत्रण के लिए, बीज को सायंट्रानिलिप्रोल 19.8% + थियोमेथोक्सम 19.8% @ 4 मिली प्रति किग्रा बीज से उपचारित करें। अंकुर के चरण में अंडों और नवजात लार्वा को मारने के लिए 5% नीम के बीज की गिरी का अर्क (NSKE) या अजादिराच्टिन 1500 पीपीएम @ 5 मिली प्रतिलीटर पानी में छिङकाव करें। बीच-बीच में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी @ 0.4मिली एल-1या स्पाइनटोरम 11.7% एससी @ 0.5 मिली एल-1पानी का छिड़काव करें। अंतिम चरण में, इमामेकटिन बेंजोएट 5% SG @ 0.4 मिली प्रतिलीटर या थियामेथोक्सम 12.6% + लैम्ब्डासायहलोथ्रिन 9.5% @ 0.25 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें।
- संतरे और नींबू के गमोसिस और कॉलर रॉट रोग को नियंत्रित करने के लिए मानसून के बाद 1 मीटर ऊचाई तक बोर्डो पेस्ट को लगाएं।
- धान की नर्सरी के मुख्य खेत के अवशेषों, ठूंठों, घास और खरपतवारों को हटा दें, क्योंकि वे कवक औरजीवाणु रोगों के संक्रमण के स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।
- चूसने वाले कीट के प्रबंधन के लिए संरक्षित खेती के तहत फसल में नीम सूत्रीकरण कीटनाशक का छिड़काव और विशेष रूप से राजा मिर्च में वायरस के संक्रमण के प्रबंधन के लिए एफिड एंव सफेद मक्खी आदि की निगरानी के लिए पीला और नीला चिपचिपा जाल भी स्थापित करें।

तोरिया / सरसों

- रबी मौसम के दौरान वर्षा सिंचित परिस्थितियों में उगाए जाने पर तोरिया / सरसों की बुवाई के लिए शून्य जुताई या न्यूनतम जुताई की सिफारिश की जाती है। शून्य जुताई को अपनाने से खरीफ धान के बाद खेत में शेष नमी का उपयोग करने में मदद मिलती है, साथ ही समय पर बीज बोने से खेती की लागत भी कम हो जाती है और समय के साथ कार्बनिक पदार्थों के सङने से मिट्टी की स्थिति में सुधार होता है।
- तोरिया / सरसों के लिए खेतों की जुताई अक्टूबर के पहले पखवाड़े तक पूरी कर लें।

- तोरिया / सरसों की बुवाई अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े तक पूरी कर लेनी चाहिए। समय पर बुवाई करने से फसल की उपज मे वृद्धि सुनिश्चित होती है और सरसों एफिड का संक्रमण कम होता है।
- तोरिया/सरसों के लिए ट्राइकोडर्मा विरिडे @ 5 ग्राम / किलोग्राम से बीज उपचार करना चाहिए।
- पापुमपारे जिले के लिए उपयुक्त किस्म TS-36 और TS-38 खेती के लिए अनुशंसित है। यह किस्में पापुमपारे की कृषि-जलवायु स्थिति के तहत अत्यधिक अनुकूलित हैं।
- मिट्टी में नमी होने पर तोरिया की बुवाई 15 नवंबर तक की जा सकती है।
- बुवाई के 30, 60 और 90 दिनों के बाद हाथ से निराई करनी चाहिए।
- सिल्क की कटाई 120-150 दिन बोने बाद के बीच की जानी चाहिए ।
- सरसों के एफिड को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज की गिरी का अर्क (एनएसकेई) या अजादिरेक्टिन 1500 पी पी एम @ 5 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करें।

पौध संरक्षण

- मक्के के तना बेधक को नियंत्रित करने के लिए 5% नीम के बीज की गिरी का अर्क (एन एस के ई) या अज़ादिरेक्टिन 1500 पीपीएम @ 5 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करें।
- लेपिडोप्टरोन डिफोलिएटर जैसे डायमंड ब्लैक मोथ, कैबेज बटरफ्लाई आदि के लिए किसान बीटी उत्पादों का उपयोग कर सकते हैं और मिट्टी में पैदा होने वाले कीड़ों के लिए मेटेरिज़ियम उत्पादों का उपयोग सर्दियों की सब्जियों के लिए किया जा सकता है।
- विशिष्ट कीट और रोग की घटनाओं के लिए किसानों को बार-बार सतर्क रहने और संबंधित विभागों और कृ. वि. के. से परामर्श करने की आवश्यकता है।

आलू

- आलू के लिए खेतों की जुताई अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े से 15 नवंबर तक चोटी और खांये विधि से पूरी कर लें। रोपण से पहले आलू कंद को एज़ोटोबैक्टर और फॉस्फोबैक्टीरिया प्रत्येक @ 2 ग्राम / किग्रा कंद के साथ उपचारित किया जा सकता है।
- उपचारित कंद को आधे घंटे के लिए छाया में सुखाना चाहिए और रोपण नवंबर के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लिया जाना चाहिए । समय पर बुवाई करने से फसल की वृद्धि अच्छी होती है।
- एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण के लिए 22-25 क्विंटल / हेक्टेयर कंदों को 2-3 आंखों और प्रत्येक कंद के 25-45 ग्राम वजन के साथ रोपण की दूरी 60 x 20 सेमी बनाए रखने की आवश्यकता होती है।
- आलू के लिए उपयुक्त किस्म कुफरी पोखराज, कुफरी बहार, कुफरी अलंकार, कुफरी ज्योति, कुफरी कंचन (लालरंग) अरुणाचल प्रदेश में खेती के लिए अनुशंसित है।
- पहली सिंचाई 10-12 दिनों पर या अंकुरण के बाद, दूसरी सिंचाई रोपण के 25 दिन बाद, तीसरी 40 दिन बाद कंद की शुरुआत में और चौथी 50-70 दिन पर कंद के विकास पर की जानी चाहिए।
- आलू में अरली ब्लॉइट होने पर मैनकोजेब 2.5 ग्राम प्रतिलीटर पानीमें 15 दिनों के अंतराल पर 3 बार छिड़काव करें।
- बुवाई के 30, 60 और 90 दिनों के बाद अंत : सर-यन कार्य जैसे हाथ से निराई करनी चाहिए।
- दो बार मिट्टी से, पहली 30-35 दिन आलू लगाने के बाद और दूसरी 25-30 दिनो के बाद हल्की सिंचाई के बाद किया जा सकता है।
- उच्च तापमान के कारण कंदों को सड़ने से बचाने के लिए आलू की कटाई और कटाई से कम से कम 10 दिन पहले सिंचाई को फरवरी के मध्य तक धूप वाले दिन में पूरा कर लेना चाहिए।

- खुदाई से 10-15 दिन पहले डीहॉलमिंग (पर्णऔरतनेकेहिस्सोंकोहटाना) किया जाना चाहिए, जिससे कंद की त्वचा सख्त हो जाएगी। बीज के लिए रखे जाने वाले कंदों के उत्पादन के लिए इस पद्धति की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है।
- लेट ब्लाइट: आलू में भयानक लेट ब्लाइट के प्रबंधन के लिए बीजों की जल्दी बुवाई (मध्यअक्टूबर) कर लेनी चाहिए। जब फसल पूरी तरह से विकसित हो जाए तो मौसम की स्थिति के प्रति सतर्क रहें। यदि बादल छाए हो, को हरे या बरसात के मौसम की भविष्यवाणी की गई है तो रिडोमिल 2.5 ग्राम प्रतिलीटर पानी में 15 दिनों के अंतराल पर 3 बार छिड़काव करना चाहिए।

मृदा प्रबंधन

- सब्जी की खेती के लिए कृमि खाद 2.5 टन और एफवाईएम 5 टन प्रति एकड़ का प्रयोग करें।
- दलहनी फसलों की खेती के लिए बीजोपचार राइजोबियम से 50 ग्राम / किलो ग्राम बुवाई से पहले करना चाहिए।
- गैर-फलियां फसलों के लिए बीज उपचार 50 ग्राम / किलो ग्राम कंसोरटियम के साथ किया जा सकता है।
- त्यधिक अम्लीय मिट्टी के लिए चूना 500 किलो प्रति एकड़ लगाया जा सकता है।
- स्वस्थ जैविक फसल उत्पादन के लिए जीवामृत और बीजामृत के उपयोग के लिए किसान निकटतम कृ. वि. के. से संपर्क कर सकते हैं।

पशुधन के लिए सलाह

- तीन महीने की उम्र में शूकर के बुखार के लिए शूकर का टीकाकरण सुनिश्चित करें और सालाना दोहराएं।
- बरसात के मौसम की शुरुआत से पहले विशेष रूप से बकरियों के छोटे बच्चों को (एल्बेंडाजोल @ 7.5मिलीग्राम/ किलोग्राम शरीर के वजन) को कृमि मुक्त करना सुनिश्चित करें।

मुर्गीपालन

- मुर्गियों को गर्म रखने के लिए सुखा बिछावन प्रदान करें।
- पर्याप्त स्वच्छ पेयजल और इलेक्ट्रोलाइट प्रदान करें।
- पशु चिकित्सक के साथ उचित परामर्श के साथ समय – समय पर टीकाकरण कराए।
- एन्टी कोकसीडियल दवाएं प्रदान करें। कोक्सीनिल प्लसवेट (एम्प्रोलियम एचसीएल, एथोपाबेट, सल्फेटक्विनोक्सालाइनऔरपाइरीमेथामाइन प्रोमिक्सबीपीवेट) के साथ इलाज करके मुर्गियों में कोक्सीडायोसिस का नियंत्रण करें, 30 ग्राम की खुराकदर 50 लीटरपीनेकेपानीमें 7 दिनों के लिए प्रयोग करें।
- कुक्कुट मुर्गियों को 20 मिलीग्राम / किलोग्राम की खुराक पर मौखिक रूप से एल्बेंडाजोल से कृमिमुक्त करना सुनिश्चित करें। पीने के पानी में 30-40 मिली/100 पक्षी 21 दिन बाद दोहराएं।
- गीले बिछावन को हटा दें / कृत्रिम ताप और प्रकाश प्रदान करें।

शूकर पालन

- नवजात शूकरो को ठंड से बचाने के लिए उचित बिछावन उपलब्ध कराएं।
- पशुचिकित्सक के साथ उचित परामर्श के साथ अनुसूची के अनुसार टीकाकरण कराये।
- नियमित अंतराल पर डीवर्म कराये।
- चारे की कमी के दौरान घास / सिलेज / फीडब्लॉक दे।

पशुपालन

- नवजात बच्चो को ठंड से बचाएं।
- एल्बेंडाजोल 5 मिली ग्राम / किलोग्राम शरीर के वजन के अनुसार बछड़ों को कृमि मुक्त करना सुनिश्चित करें 3 - 4 महीने में एक बार और बार-बार 3 - 4 महीने मे डीवर्मिंग करें।
- ताजा कटे हुए धान के भूसे को स्टोर करें (खाली महीनों के दौरान खाने के रूप में उपयोग करने के लिए)।
- नमी से बचें और सभी गौशाला क्षेत्र को सूखा रखें।
- पशु चिकित्सक के साथ उचित परामर्श के साथ अनुसूची के अनुसार टीकाकरण कराये।

मत्स्य पालन

- बहते हुए पानी को तालाब में न जाने दें, इसमें धूल, रोगाणु, रेत, डर्बी होते हैं, जो तलाब के पानी को प्रदूषित करेंगे और बीमारी के प्रकोप का कारण बनेंगे।
- तालाब के तल को सुखाएं और अच्छी तरह से जुताई करें, फिर मिट्टी के पी एच को बनाए रखने और पूर्व भंडारण प्रबंधन के रूप में गैसों को छोड़ने के लिए 60 किलो / एकड़ की दर से चूना पत्थर का पाउडर डालें।
- भारी वर्षा वाले क्षेत्र में मिट्टी के कटाव से बचने के लिए तालाब के बांधों पर सब्जी की खेती करें।
- मछली किसानों को बारिश के मौसम में अपने मछली तालाबों की कुछ विशेष देखभाल करने की आवश्यकता होती है ताकि उन के स्टॉक को पानी की गुणवत्ता में अचानक बदलाव से बचाया जा सके और बांधों के कटाव के कारण तालाब को होने वाली हानि से रोका जा सके।
- यदि बरसात के मौसम में, दिन के समय बादल छाए हो तो मछलियों को खिलाना बंद कर दें और अगले धूप वाले दिन खाना देना शुरू कर दें।
- यदि मानसून के मौसम में EUS (एपिज़ूटिक अल्सरेटिव सिंड्रोम) रोग का प्रकोप होता है तो CIFAX @ 1 लीटर / हेक्टेयर जल क्षेत्र पर लगाए।

मशरूम उत्पादन

- ऑयस्टर मशरूम की खेती अरुणाचल प्रदेश के लगभग सभी चावल उगाने वाले क्षेत्रों में की जा सकती है। इसे धान की फसल की कटाई के तुरंत बाद शुरू किया जा सकता है। आवश्यक स्पॉन (मशरूम के बीज) विश्वसनीय स्रोतों से एकत्र किए जाना चाहिए। मशरूम की खेती के लिए उचित प्रशिक्षण आवश्यक है। इच्छुक किसानों को आॅयस्टर मशरूम की खेती के लिए निकटतम कृ. वि. के. से संपर्क करने का सुझाव दिया जाता है।
- मशरूम घर पूरी तरह से साफ, अंधेरा, हवादार और धूल रहित होना चाहिए।
- मशरूम की खेती के लिए ताजा धान का भूसा या धान की भूसी का उपयोग करें और धान के भूसे को 3 - 5 सेमी टुकड़ों में काटकर 8 -16 घंटे के लिए ताजे पानी में फॉर्मेलिन के घोल में भिगो दें या कम से कम आधे घंटे तक उबालें। पानी पूरी तरह से निथार लें। यह बैगिंग के लिए तैयार है। 14 x 22 इंच पी पी पॉलीबैग का उपयोग किया जा सकता है। बैग के किनारों की ओर प्रत्येक परत पर कुछ स्पॉन रखकर पुआल की 4 से 5 परतें डाली जा सकती हैं। अंत में बैग को कस कर बांध दिया जाता है और एक स्टरलाइज्ड चाकू से 30 - 40 छेदकर दिया जाता है। मशरूम घर में थैलो को एक के बाद एक लटकाकर रखें। प्रतिदिन एक बार थैलियों में पानी डालते रहें। 22 दिनों के बाद सभी बैग सफेद हो जाएंगे और ऐसी स्थिति में पॉलीबैग को हटाने की जरूरत है। दिन में दो बार पानी देते रहें।

सामुदायिक विज्ञान

बची हुई रबी सब्जियों की ब्राइनिंग करना

- एक लीटर पानी में 1/4 कप नमक डालकर उबाल लें और फिर नमकीन पानी को ठंडा होने दें।
- सब्जियों को धोकर तैयार कर लीजिये (यदि आवश्यक हो तो उसी आकार में काट लीजिये).
- सब्जी को 2 मिनिट के लिए ब्लांचकर लीजिये।
- इन्हें एक जार में रखें और नमकीन घोल से ढक दें
- एक कप रिफाइंड तेल डालकर जार को बंदकर दें।
- पत्तेदार सब्जियां ब्राइनिंग के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

रबी की सब्जियों का अचार बनाना

- सब्जियों को धोकर काट लें और भाप दे।
- राई, मेथी दाना, जीरा भूनकर अलग-अलग पीस लें।
- एक बर्तन में तेल गर्म करके आधी मात्रा में तेल निकाल लें।
- फिर सब्जियां, हल्दी पाउडर, कटा हुआ लहसुन और अन्य सभी भुनी हुई सामग्री डालें।
- एक मिनट के बाद आंच से उतार लें और बचा हुआ तेल और 50 मिली सिरका डालें।
- इसे बोतल में भरने के15 - 20 दिन के बाद खाये।

*****समाप्त*****

Zone-VII

मणिपुर (मणिपुरी)
MANIPUR (MANIPURI)

Agronomy

- Lou lok-khraba matungda leihouba eshingi enin bu eshing yamna changdaba pambi haibadi hawai masoori, hawai keshar (lathyrus), hawai tharak (fieldpea), chana (chickpea) amadi hanham thao (rapeseed and mustard) thaduna eninbu fajana sijinnahougadabani.
- Ningthamgi pambi ashi mid October dagi thaba houduna November thagi aoiba numit faobagi manungda thabihougadabani.
- Loubuk ki hawaitharak variety Aman, Prakash, Rachna and Aparna ashi pari amada 60-80 kg gi chaangda thabiduna arao akung haibadi pambiga- pambiga gi marakta 10 cm amadi parenga-pareng gi marakta 30 cm thambigadabani.
- Chana gi variety JG-14 amadi JG-16 ashi pari amada 60-80 kg thabiduna arao-akung gi chaang 30cm×10cm thambigadabani.
- Hawai masoori variety HUL-57 ashi eshing enin da haibadi lou lokamdaida hunjinba (utera cultivation or relay cropping) nattraga lou lokhraba matungda khoidoktuna eshing chanduna pari amada 40-50 kg gi chaangda arao akung 30cm×10cm thaduna thabiba yai.
- Asinba leibakta (acidic soil) tadi ningthamgi mana mashing tharamdaida Shunu (liming) ado parida 500kg $CaCO_3$ sijinnaduna thagadouriba kaangkhun (furrow) da chaithokpiyu. Ningthamgi hawai khudingmak pari da NPK gi chaang 20:40:20 leibaakta haappiyu.
- Hangam thao pambi (Rapeseed and Mustard)
  - As relay crop: Eshing gi enindo chang chana leiba (loubuk tuda khongpaakna netpada khongi mami taba uraba) amadi lou loklamdaida eshing kangdaba oirabadi, lou loktringeigi numit 4-7 watli ngeida hangam hunjin hourabadi loubukta leiriba enindu hangam marudu maton fajana thokhanbada mateng pang-ngi amadi enin adu fajana sijinnahouwi.
  - Sowing seeds and mulching: Hangam maru adu loubukta direct hullaba matungda ugumba pot amana thajinduna maru adu aringba charukhokta namsinlaga charuna pana loubuktu chaithoktuna maru adu kupsinbigadabani.
  - Manipurda chanaba hangam gi variety:
    - Toria var. M-27, TS-36 and TS-38
    - Yellow sarson- Ragini
    - Mustard- NRCHB-101
- Parida maru changbagi chaang (Seed rate): Hangam maru ashi pari da 12-14 kg chang-ngi. Sangam ama hunnabagidamak 3 to 3.5 kg hangam maru + 2kg leingoi ashi mixed touraga loubukta hunbiyu.
- Haar gi chaang parida 88 kg urea + 130 kg SSP+33 kg MOP ni. SSP gi full dose (130kg) + MOP chang gadaba tangkhai (16 kg) ashi hangam maru hullamdaida chaibiyu. Urea gi ahaanba dose (44kg)

ashi mana ama- ani surakpada chaibiyu amadi lemhouriba urea 44 kg + 17 kg MOP ashina numit 25-30 gi matungda chaibiyu.

- Ningtham gi chujak variety HQPM-1, HQPM-5, RCM-76 ashi mid October dagi November thagi aroiba faobagi manungda thabiyu. Changadaba maru gi chaangdi parida 20kg ashi arao akung haibadi pambi ani gi marakta 20 cm amadi pareng anigi marakta 60 cm thambigadabani. Thadringeigi numit 10-15 ni watlingaida 10 kg santhi sanyungi haar (FYM) nattraga mana mashingdagi puthorakpa haar (compost) thagadaba pari amagi mafamda chaibiyu. 150-180 N, 70-80kg P_2O_5, 70-80 kg K_2O and 25 kg $ZnSO_4$ happiyu.

Horticulture

- Loubuk Ingkholda da thabak subiriba singna feet 3 dagi 4 faobagi arappa ngakpibaga loinana nongmada meeyam punna thabaksuba toubidana changdraba yadaba meeoi khakta subigadabani.
- Rabi matamgi enshang napi (kobi thamchetmanbi, kobi, broccoli, morok, khamen ashinba, tilhou, chanam, mulli, gajar, beat root na chingba.) gi chara hunpham leimaidagi wangkhatna churi sembiduna September-October thada maru hunbigani aduga chara singna numit 30-45 gi matungda lingthokani hairiba numit si pambi makhal khetnabagi makha pongani.
- Yaribamakhei masak khangba makhal Kobi (Greenhero, Rareball), kobi thamchetmanbi (White Excel, Sweta, Pusa snowball na chingba.), broccoli (Green magic, Harumi 188, Puspa na chingba.), khamen ashinba (Arka Rakshak, Arka Samrat), Tilhou (Arka Lalima, Bhima Shakti, Bhima Kiran, Prema) sijinabigani. Marusingdu sak khanglaba mafamdagi loubigani.
- Loumisingna hidak kannaba mana mashing sing thabigani.
- Loumisingna damping off haiba leinasidagi ngakthoknaba hundringeida maru sing eshing litre amada *Trichoderma viride* natraga *Pseudomonas fluorescens*gram 5-10 g happa mahida matam khara tinglaga urum da kanghangani. Mana masing gi chara hunpham adu leimaidagi cm 15-25 wangna chingkhat piraga leina sandokpa thingnaba paring naina hunbigani. Chara hunpham samba matamda FYM 4 m^2 amada 4kg gi changdahaplaga totpigani. Eshing tungsanduna charasing pat tanaba iram nalla ningthina thambigani. Pareng amaga pareng amaga cm 10-12 ki arappa sembiraga maru hunbi gani.
- Dec- Jan thada U-morok chara hunba channei. Chara hunpham du Vermi-compost, leipak amasung leingoi folli gi chang asi chap managadabani haibadi 1:1:1. Maru hunba asi takhatlaba chara hunpham metre ama pakpa aduga mayungna mapham adugi khudongchaba yenglaga hunbigani nattra gana plastic trays, u-gi box na chingbada hunbigani. Chara singduna numit 30-45 suba matamda Feb-March ta nganna loknabagidamak lingthokpigani.
- Ningtham thagi enshang napi thagadouba loupham adu ningthina pat tha pumtharaba Farm Yard Manure tonnes 15-20 haplaga ningthina totkhaibigani. FYM ashi thadringeigi mamangda cheiyon ahum gi mamang nattraga aroiba khoibada happigani (aphaba leibak- leihao henggatnaba amasung eshing lengdana fajinba ngamnaba). FYM ga Trichoderma amashung Pseudomonas sp. ga totkhaibibashu yai.
- Pot-thok yamna fangnabagidamak tomato gi makhal leina ahumdagi ngakthokpa ngamba adugumba Arka Rakshak, Arka Samrat thabigani. Chara lingthokpagi arap-akum gi chang ashi 60 x 60 cm natraga 45 x 45 cm thambigani. NPK gi chang pari amada 120:80:80 kg happigani. Pari ama thabagi chara puthoknabagidamak maru gram 400 na yagani. Wangkhatpi ma ong gi khamen-ashinba makhal adugumba Arka Rakshak amashung Arka Samrat ashi tongkhatpa churi aduda wagi

sagai saraga thabigani. Pambishing adu napi na chingba houhalloidabani amasung eshing tungduna leihalloidabani. Polyfilms sijinnaraga pambigi akoibada kupshillaga leipak-leihao gi inil lengdana thambiba yai amasung napi na chingba hougatlakpada ngakthokpa ngamgani.

- Khullakta phangba charu-wai na chingba sijinnaduna pambi gi makhong bu kupshinbiduna napi shing adubu houhanloidabani asidanattana leipak-leihao amashumg enil bu lengdana phajillaga thambiduna napi na chingba hourak padagi ngakthok pa ngamgani. Atoppa thabk haibadi makhong shombiba, takhatpiba, eshing chaibibana chingba matam chana toubigani.
- Enshang napi tharingei matamda darker gi matunga inna eshing chaibiba amashung atoppa thabak thouramshing matam chana-chana toubigani.
- Enshang napi thariba loupham adu leina-tinna dagi ngakthok nabagidamak matam chana yengshinbigani amashung leina-tinna chenba pambishing adu khandokpashu toubigani. Solanaceae dhara gi pambishingda mahei hutpa tinshingdagi ngakthoknabagi damak pari amada Pheromone traps 10-15 thambigani.
- Labukta fungicides amashung insecticides chaiba matamda hand gloves amashung masks matam-pumnamakta uppigani amashung khuchu-khutlai shing adu sijin-nadringei gi mamang amashung matungda ningthina chamthok pigani.
- Kobi, Kobi thamchetmanbi, broccoli, Hawai, Khamen ashinba, Alu amashung Tilhou na chingbagi pothok shing ashi State Government na khandok aba agency/sellers/vendors, middle men nattraga FPOs amashung SHGs shingda makhoigi demand gi matung inna pibigani.
- Alu, Kobi, Hawai tharak shing ashi lokpa kanda ningthina chekshin thourangshing loubiraga thambigani amashung market ta thadokpigani. Loupham dagi puthoklakpa potlam shing adu darkar oiba meeoi sijinnaduna thangdok-thangjin toubigani. Khamen ashinba, Kobi thamchetmanbi, Ashangba managee enshang napi, Hawai tharak, Kobi gi pot thok shing ashi loupham dagi khudakta yonba matamda ningthina chekshing-thourang loubigani.
- Mahoushadagi chatnarakpa ma-ong cool ventilated bamboo structure, zero energy coolchamber sida Khamen ashinbi, Alu, amashung tilhou shing gi pothok shing adu thambiraga makhoigi masha gi magun shing adu mahan dabida thengthana yonbashu yai. Alu si a-ingba ningthina nungshit changthok-changshin ningthijana yaoba wana saba shang da akangba leingoi inchi 3-4 gi maronda thamba yai.
- Tilhou shing phuktok laba matungda numit humni urumda kanghanbigani amashung tilhou shing adugi makhok adu cm 1.5 - 2 khak-piram- maga kakthat pigani masina tilhou yamna peiba gi khudongchaba pi. Chanam lokpa matamda mana amashung makhok yaohanbigani.
- Loumi shingna thaina gi oiba U-morok, Hawai tharak, Alu (aberchaibi), Hawai mubi ashina chingbagi maru shing ashi ningthijana mathang chahi sijin nabagi damakta liraga thambigani.
- Thainagi oiba mana-mashing adugumba Maroi-yenam, Maroi napakpi, Awa phadigom, Tuningkhok na chingba thabigani.

Fisheries

- Ngamee singna eshing gi aruba yamdrabada foot 6 thambigadabani maramdi eshing emai mathak na henna leikhadagi engba maramna nga sing na leikha da leiba henna pammi.
- Pukhri singda anouba eshing hapchinbiba natraga oxygen pishinnaba maongda maru oina ayukta toubigani maramdi ningthamthada photosynthetic touba yamna tappi.

- Protein yamdaba machinchak (feed) amasung darker leitrabadi mahousagi (organic) har happiroidabani. Leibak makhadu matam matam gi tara gumba sijinnaduna chingba yamna kanagani.
- Temperature gi makha ponna pipham thokpa machinjak yamdrabada 50-70% hanthana piba darker oi.
- Ningthamthada fungal, bacterial amadi parasitic leina yamna tagalli. CIFAX pari-da litre ama gi changda ningthamtha lakpa hourakpada pirabadi leina taba hanthahalli. Potassium permanganate parida kg 2-5 doge piba nattraga sunu (lime) parida kg 125-300 pibasu yamna kannei. Acha-thum (Salt) parida kg 250 gi changda pibasu leina ngakthokpa yamna kannei.

Agricultural Engg.

- Mahei-marong lokpa nattraga hekpa matamda mi amaga-amaga foot4-5 dagi tadana lapna leibiyu.
- Thabak subiriba mioi khudingmakna mask uppa amadi sapon (soap) sijinnaduna toina khut-sa hamdokpa kaobiroidabani.
- Pothaba, chaba-thakpa, mahei-marong hondok-honjin touba, thangatpana chingba matamda foot 3-4dagi tadana lapna leibiyu.
- Loubuk ki thabak suba matamda yaribamakhei mashing yamdaba shinmising shijinnaduna mi yamna tinhanbiganu.
- Anaba nattraga naramgani khanba mioising loubukta kumhanbiganu. Masha faba leina-tinna chendaba mitamak nekpiyu.
- Yaribamakhei machine shijinnabiyu amasung darkar leiba mitamak machine ga loinana loubukta thabak subigadabani.
- Farm machinery sing Custom Hiring Centre khaktadagi waibigadabani amasung shijinnaba loiraga sanitize touba kaoroidabani.
- Farm machinery khudingmak marak-marakta chang naina amasung Entry Point da soidana Sanitize toubigadabani. Pot-chei pumnamak gari, bora khao khudingmak sanitize toubigabani.
- Mahei-marong gi mapeising foot 3-4 lapnana peibigani amasung mi yamna punba thingnaba mapei amada mioi 1-2 dagi henna thabak suhalloidabani.
- Mahei-marong amasung mana-masing sing Zero Energy Cool Chamber gumbada thambiba. Keithel da hathu-hathu chattuna mi yamna thomjinba toubiganu.
- Tilhou marunachingba pat-pumba amadi kokphai-suja kaduna mangbadagi kannaba peisa echang changdaba Low Cost Pusa Concentric Onion Storage Structure singda liduna thambiyu.

Plant Protection

- Lockdown na maram oira kanda pambi da taba leine tilna dagi ngakthoknaba rasayan gi hidak (Chemicals) phangdaba yai.
- Maram aduna locally phangba pambei sing sijanaraga leina tilna sing tadringeida ngakthok hounaba hotnabigani.

- Sarkar na piriba Covid-19gi chatna kanglon ngakpaga loinana pambi singda tariba leina tilna ngakthoknabagi pambei haibadi- Cultural, Physical & mechanical amasung kwaidagi phaba ITK sijingagani.

Cultural Methods

- Leina amasung tilna na sokhallaba pambi gi una, wana, masha na chingba yariba makhei louthokpirabadi tungda leina tilna tabagi chang hantahgani.
- Maru hundringeida aphaba makhalgi maru natraga certified touraba maru sing khanbigani loinana bio-pesticides amasung leina hidak sing totpigani.
- Crop rotation gi pambei na leibak (soil) da gi pokthok rakpa pambi gi leina sing hanthahanba da mateng pangi.
- Kobi row taramanga (15) gi matungda hangam pambi row ama thabirabadi kobi da taba diamond back moth tagi ngakthokpa ngamgani.
- Sanarei pambi sing khamen asinba row taramanga (15) gi matung da thaba kanda khamen da hutlaga chaba til (fruit borer) sing dagi ngakthokpa ngamgani.

Mechanical Methods

- Phou maru nungsa da ningthijana phoupakanda rice weevil, pulse beetle asinachingba amadi kokphai suja tabadagi hanthahanba ngami
- Lang (Traps) gi pambei sijinaraga loupham/hinhkhol da til tabagi monitored toubada natana mass trapping touba yai.
- Yariba makhei kobi amasung kobi thamchetmanbi da taba tilkhak til mapi, kobi til singi marum, khutna phadokpigadabani.
- Heinou pambi makhong amasung oosa da grease teiba natragana polyethene yetpirabadi mealybugs tagi ngakthokpa ngamgani.
- Yensang napi singda da taba wahiki til gi oinadi localda phangba machaksingna shaba hangamapal machugi lang da anappa jelly natraga thao teiraga sijanaba yai amasung pambida til tahande.
- Amunba awathabi metkhairaba matung, makhul hultlaba kouta (container) gumba amagi manungda hapigani loinana mairen, khamen, heinou amasung tarboos ta taba fruit flies ki laba amasung amom sing phaba gi lang oina shijinaba yai.
- Loubuk ta Ucek tongpham (bird perchers) thamlabadi til amadi marum na chingba ucek na chathokhanbada mateng pangi.

Indigenous Technical Knowledge (ITKs)

For disease management

Crop	Disease (leina)	ITKs
Morok	Damping off and Die Back	Anouba santhi moroki collar region da chaibigani.
	Bunchy top	Ud(ash) chaithokpigani.
Phou	Phou da taba brown spot leina	Awathabi anouba mana 2-3kgs muk sugairaga esing litres3-4 da ahing ama tingbigani, mathangi numitta chumthoklaba matung esing litre 50-60 amasung sapon pawa ama yansillaba matung da mahi adu kapthokpigani.

For instect-pest management

Crop	Disease (leina)	ITKs
Tilhou, balendri, khamen baramasica amasung khamen asinba	Beetles, mana chathokpi til, leaf miner, egenlaichubi amasung wahik	Pambi da amasung pambigi akoibada Ud (ash) chaithokpigani.
Pambi ayamba	Leipak (soil) ta seidangba til sing	Leipak (soil) ta neem natragana seizarak pambi gi maru natragana mana sing chaithokpa/hapiba yai.
Yensang napi sing	Wahik amasung Jassids	Morok ashangba amasung chanam da gi sungba mahi sing chaithokpigani.
Phou	Rice weevil, rice moth (Phoujum) etc	Chananaba leeraga thamba maru sing neem mana ga leeminaba kanda tilna tabagi chang hanthei.
Chana amasung hawai	Leeraga thamba maru da taba til sing	Hangam thao da totpigani.
Chana	Leeraga thamba maru da taba til sing	Maru leeramdaida chada ama gi changda yaoba (1%) neem managi powder da totpigani.

Labuk ta Thabak Suba Nupisinggi Advisory Note

- Khut fajana sapon na 20 second noiraga hambigadabani adu nttraga hand sanitizer sijanabiyu karigumba chanaba pot paidringeida.
- Rabi season da henna pothok puthok rakpa haibadi tomato nattraga uhei sing bu value added product semlaga thamnaba hotnagadabani.
- Supplementary amadi weaving foods singadi local da fangba ayambana haibadi soybean, dal, mana mashing, uhei singns semla chabiyu.
- Fruits, vegetable sing patlaga mangdanaba sun dry nattraga pickles amadi candy semlaga thambihou.
- Labukta thabak suba chatpa matamda tongalna water bottle paibiyu.
- Yaiba makhei mit naton amadi chil khutna paibiganu, aduga masl louthokpiganu.

Animal Science

- Sha-Sansing masagi arumba kg 1 da Albendazole or Fenbendazole milligram 10 gi changda pijabiduna sha-san singbu tinjang-kaijang daba masha-mau faba oihansi.
- Sha-Sansing matam chana tika thadokpiduna laina-tinna kayadagi ngakthoksi.
- Nganu machasing maru oina ayingba ningtham-thagi ahingda ningthijana lumna thambiyu.
- Sha-San gi machinjak oinanaba October/November gi matam da oats (Avena saliva) thabiyu.
- Coccidiosis tagi ngakthoknaba cordinal/furasol powder thaknaba eshing litre 1 da gram 1 gi changda happiduna poultry bird singda pithakpiyu.
- Makhom pithakliba ok mapi-gi makhomda ferrous sulphate amadi soudokhallaba chini angangba matum (gur) ga thitlaga nungtigi teibiduna piglet singbu piglet anaemia dagi ngakthoksi.

मेघालय (ख़ासी एवं गारो)
MEGHALAYA (KHASI AND GARO)

ख़ासी
KHASI

Boro Paddy (Kba Tlang)

- Na ka bynta u kbatlang, dei ban jiedda kijaidsymbaikum u Navin, Bisnuprasad, Joymati, KRH 2, DRRH 1, Swarna Ganga Red.
- Sara ia u symbai ha u bnai November haduh December.
- Luriakapynthor/lyngkhalaihaduh saw sienkabapynbud da kabapynmadaniakajaka. Pynmadanbhaiakajakakhnang ban pynnnehiaka um.
- Ai kumba 50 kwintalkasboheitmasi ha kashihektar bad pdemiakityнraikba ha kasbohbiofertilizer*Azospirillum*kumba 200 kram ha kajakakabashiakar.
- Dei ban rai tynraiiaki sara, 2-3 tyllikityнrai ha kaweikathliew ha u bnai December haduh January.
- Ka jingjngaiuwei u lain sha uwei pat kadei ban long 15-25 cm bad uwei u jingthungsha uwei pat 10-20 cm.
- Ki tynraikibaiapdei ban kylliang da kibathymmaihapoh 7-10 sngihadienbalahdepthung.
- Dei ban pynshong um iakalyngkhakumba 3-5 cm kajingjylliewnaduh 2-3 sngibalah rah tynraihaduh 10-15 sngishwa ban ot.

Maize (Riewhadem)

- Luriakakhyndew 2 haduh 3 sien ban iohiakakhyndewkabaninakabyntakajingspehbha bad ryntihjong u jingthung.
- Ki jaidsymbaibaiahapbha ban thungportlangki long: Hybrid 4558, Hero 22, DA61, RCM 76, Vivek Hybrid, bad kumta terter.
- Dei ban thung ha u bnai August haduh September.
- Ai 400-500 kilo ka shun ha kashihektar ha kinur ban iohiakajingmihkabakhambiangnamarkajingdon acid ne jinglongjewjongkakhyndew.
- Kajingdonkamsymbai ka long 25-30 kilo ha kajakakabashihektar bad dei ban pynjngai 60 cm uwei u lain shauwei pat bad 30 cmuwei u jingthungshauwei pat ha kaporbathung.
- Kabathiewkynbat shisien bad ai khyndew hadien 40-45sngi hadienbalahdepthungkaiarap ban pyndunaia u kynbat bad pynbuniakajingmihjong u jingthung
- Kaba tap da u skumkba bad kiniut ruh kaiarap ban pyndunaiakikynbat bad pynnehiaka um nakabyntakajingmihkabakham bun.
- Dei ban kheit ne otia u jingthunghaba u syntiewkyntiew (silk) u lahkyllarong ktieh.
- Thung kham kloi naduh u bnai October.

Rapeseed and Mustard (Tyrso)

- Thung kham kloi naduh u bnaiOctober haduh November bad sakheitshwa ban sdang don thah.
- Thungiakijaidsymbaitoriakum u M-27, TS-36, TS-46 bad tyrsokum u PM 27, PM 28, NRCHB 101.
- Kleh 2.5 kilo ka Trichoderma bad 50 kilo kaeitmasinakabynta ban ai ha kajakakabashihektar ka jingheh.
- Pdemiakisymbai ha ka um rynsun 2 % lane Trichoderma 10 kram ha kashi kilo u symbainabynta ban iadanakikhniangjingpangkiba don ha u symbai.
- Kiarnakathungkhah khah ne bun u symbai.
- Pyndonkamiaki yellow sticky traps nabynta u niangdpei.
- Ka Neem Oil 2% lane NSKE 5% la shembakaiarap ban pynduna bad iadaiakikhniang kum u niang dpei bad thapbalong (Diamond back moth).
- Kaba rep khlemluria u tyrso/motor hadienbalahdep rep kbakapynkiewiakajingrepkham bun iakijingthung.
- Kaba rep khlemluria u tyrsohadienjong u kba bad riewhademkaiarap ban pyndunaiakapor, kabor bad iakajinglut ha kaporbathung.
- Ha kijakalumkibaryngkiang, lah ban rep pynbud kumne: riewhadem-tyrso, riewhadem+phresbin-tyrso, kba-tyrso bad shanabadam-tyrso.
- Ha kijaka them kibasngem (nurba la pynkynjang), lah ban rep pynbud kumne: riewhadem-tyrso, kba-tyrso, kba-tyrso-sohsaw, kba-tyrso-phan.
- Kaba rep langhajuh ha kinurba la pynkynjang: Kubi+tyrso, Brocolli+tyrso, Dhania+ tyrso.
- Dei ban ot ne kheitiaune u jingthungyndakisoh/symbohkikylla lam stem-ktieh.

Rabi Vegetables (Kijhurtlang)

- Iakijakasarajongkijhur (kubi, phulkubi, broccoli, sohsaw, sohbaingoniongsohmynken) dei ban kumba 15 cm ka lynter, shi meter kapynkiang bad kajingjrongkatkumkajingsngew bit bad sa tap da ka plastic najrongkhnang ban iarap ban pynnehiakajingsngem bad laitnakajingtyrkhongkakhyndew.
- Pyndonkam da kisymbaikibabha ha u kubi (Golden Acre ,Pusa Drum Head , Pride of India Rocket, Blue Jays), phulkubi (Pusa Snow Ball, K-1, KSP 1173, Swati), Sohsaw (Rocky, PusaRohini, Nayak, Romeo, Megha 2, Megha 3, Arka Alok, Arka Rakshak, ArkaAbhed) bhendi (ArkaNiketan), muli (Arka Nishant), kajor (KSP 135), broccoli (KSP 5412, Indame Pirate), phan kubi (White Vienna , Purple Vienna, Taj, Green Globe),presbin (Phalguni, Arka Arjun, Naga local),sohbaingoniong (US 28, KSP 1072, Signath, Bholanath).
- Pdemiakisymbai ha kidawaiphngitjingimkumka*Trichodermasp*kumbashi shamoit (5g) bad ka*Pseudomonas sp*arshamoitnakabyntashi kilo u symbai ban laitnakijingpangkiba don hapohkhyndew ha kaporba dang saraiakijhur bad ha kaporbalah rah tynraiiakishakalyngkhathung.
- Iakitynraidei ban wieh ha kadawaiphngitjingim*Trichodermaviridae*lane *T.harzianum*balahkhleh lang bad ka um, ha kajingthewkabashishamoit ha kashilitarka um ban laitnakajingpangbapynpyutiakithied.

- Ai ha kaeitmasiba la iap lane sbohwieh da kidawaiphngitjingimkumka*Trichoderma* bad *Pseudomona*kumbashiteng kilo nakabyntashikwintalkasboh mariang ha kinursara ban iohiakisarakibashaitbakhlain.
- Hadienba la dep rah tynraidei ban tap iakakhyndew da kinokinokikynjaphlang ne slakumkiskumkba ban iadanakajingtyrkhongka um nakakhyndew bad ruh ban nymailadiakinuitba kin mih.
- Synreit da ki bio insecticides kumka neem oil: *Beauveria bassiana, Metarhiziumanisoplea, Verticilliumlecani* katkumkajingdonkam bad kanekashongkatkumka jingshah pynjulor ha kikhniang. Da kanekajuhkarukomdeiruh ban synreit da kiorganic fungicides kumka blitox-50, Bordeaux mixture 1% ban iadanakijingpang thoh ha kisla (leaf blight), thohdakpyllun ha kisla (leaf spot) bad kajingbthuhkislanashapoh (downy mildew).
- Da kabashna hi iakidawaikumnakislaneem, rynsun, duma bad kumtater ter.
- Buh da ki yellow sticky trap kumba 12 tyllinakabyntakajakakabashiakar ban iohkhmihbniahiakajingdonkiniangdpei.
- Buh da ki pheromone trap kumba 4-5 tylli ban iohkhmihbniahiakajingdonkithapbalong (Diamond back moth).
- Kajingpyndonkam da kiskumkba lane da kinokino ki sla ba tyrkhong ban tap ia ki jingthung kaiarap ban pynkiewiakajingsyaidhapohkakhyndew bad ruh ban pynnehiakajingsngemkhamtam ha kiporba rang ryngkhiang.
- Iakinongrepbaduna um, kilah ban thungiakijhur ha kipynthakbabalahiehshrah bad dei ban thung ha ki bun kibarben bad kinurkibajylliew.
- Hadienba la depkheitiaki riewhadem, pyndonkamiakijyntang ban tap hapdengkiartylliki bun jongkijingthungpresbin.
- Ymdei ban thungkijuhkijingthung ha kajuhkajaka, dei ban thung pynbud kumne: kba-presbin (rithor), riewhadem-presbin (jakalum), riewhadem-kajor-presbin (jakalum), riewhadem-presbin-sohsaw (jakalum), riewhadem-presbin-tyrso (jakalum), presbin-bhindi-rymbaiiong (ha ki bun bakhamjrong), presbin-bhindi-presbin (ha ki bun kibakhamjrong).

Fruit Crops (Ki Soh)

- Iakidiengsohniamtradei ban khylladnohiakitnadba don jingpang bad kitnadkibalahiaphadienbalahdepkheitiakisoh.
- Dei ruh ban khylladiakitnadkumba 30-40% ha ki bnai November-December khnangba u dieng un seisohbha.
- Hadienbalahdepkhylladiakitnaddei ban ai da ka Bordeaux paste (1:1:10).

Pig (U Sniang)

- Pyndonkamiakisymbaisniangkibabhakum u Hampshire cross, Ghungroo, Lumsniang, Large black ban ri ban un san bha u sniang bad nakabyntakajingmih jingioh kababha.
- Ki sem sniangkidei ban long kibakhuid, kibarkhiang bad kibasyiad.
- Dei ban shnaiakiiakisem sniangda kabasiangskumkbaban pynbiangiakajingshitjingkhriatjongkasem bad ban iadanakajingkhriat ha kaportlang.

- Pynkhrehiakajingbamba la tyngkai ha kijakabymlaitlyerda kaba pyndonkam da ki sla diengphankaro bad kiwei pat kijingbamkibajyrngam ban bsa bam iakisniang ha kaporbymioh bam.
- Buh iakijakabansyiaddakiskumkba bad byrnisainaliaha kasemsniang ban pynsyaidiakisniang.
- Ai iakisniang ba dang armet bad dang ai buin da kajingbamtei met (mineral mixture) 50 haduh 60 kramshisngikaweikasniang bad u calcium 60-80 ml kaweikasniangshisngiban pynbiangiakajingmih.
- Iadaiakikhunsniangnakajingkhriat da kabasiangiakajakathiah da u skumkbabarkhiang bad kibyrnisainalia.
- Dei ban aidawaiwiehkumkaAlbendazole/ Febendazole7.5 mg man la kajingkhiakaba 1 kilo shisienlaibnai.

Prevention and Control of African Swine Fever (ASF) in Pig (Ki Lad Jingiada Bad Tehlakamia Ka African Swine Flu (ASF) Ha Kisniang)

- Set slung iakijingriba don iakidakki shin jongkajingpang bad ruhka pharm hi barohkaweilada don kajingsubaba don kanekajingpanghaduh ban da pyntiknaiakajaitjingpang.
- Buh lane shnaiakijaka ban saitkhuid da kadawai ha kijaka rung bad jakamihjongka pharm/sem sniang. Shwa ban rung dei ban wiehiakikjat ha kidawaipyniapkhniang. Iakasemdei ban saitkhuid da kidawai man la kasngi kata ka long ka 1% kadawai Formaldehyde lane 2% kadawaiNaOH lane kidawaiParaphenylphenolic ban laitnakajingbitiajingpang.
- Kino kinokibriewkiba rung ne mihnakasem/pharm kidei ban pynkhuidbha da kidawaiiakijuti, kijainphong bad ruhkitiarki tar barohbapyndonkam ha ka sem.
- Dei ban khangiakisniangba kin iakhleh bad kiwei pat kisniang, sniang khlaw, bad ruhkiwei ki jaitmrad/jingri.
- Um dei ban die iakisniangkiba don kajingpangshakinongkhaiisniang/nongshohdohsniang. Bud janaiiakibuit bad kikyndonhalorkarukombretiakajabohbamihnakajakariiakimrad bad kijaka rep khnang ban pynnehpynsahiakamariang.
- Dei ban tepbha iakimrad/jingriba la iap ha kathliewkabymdunaiaka 6 phutkajingjylliew bad ha kajuhkapordei ban synreit bad ber da ka shun lane bleaching powdar.
- Thiediakikhunsniang tang nakinongdieba la tikna. Iakisniangthymmaidei ban buh la kajongkasem slung/semkyrpang la kumnokumno 4 taiew.
- Lada ai bam iakisniang da ki bam ba la kyntait lane bashulum da ka bam ba tam dei ban da shetpynthnambhaiaka.
- Ymdei ban pyndonkam lane ai bam iakisniangbashaitbakhlain da kijuhkitiarbapyndonkamiakisniangkiba don jingpang lane kisniangba la khladnohnakajingpang.
- Dei ban khang lad iakajingpoikijingrina kawei ka longing shakawei pat bad ruhnakaweikajingialang tamasa (kumkimela) shakawei pat.
- Dei ban khangiakakajingrungjingmihjongkinongtreikanatbadeipeitiakijingri bad kinongtreibaiarap ha kajakarinakaweikajakashakawei pat. Ymdei ban shah iaki nong wan peit kai shakapham lane kisembariiakijingri.
- Peitbniah bad bud ryntihiakikyndonkakoitkakhiahkijingrikabakynthupiakaporaidawaitika bad kijingbambaiohiakidawaibatei met bad ruhkiBitamin.

- Lada don kisniangkibaiohkakanekajingpangdei ban pynstet ban wengmardornakisniangbashaitbakhlain bad dei ban riiaki ha ki sem set slung/semkyrpanglakajonghaduhba kin da koitpuranakajingpang.
- Dei ban buhjingthohbatiknaiaka jingling jingman kakoitkakhiahkijingri bad ruhkajingthohbniahiakakyrtengkinongrung bad nongmihshaka sem /pharm.
- Lada don kajingsubaba don kanekajingpangbaiadei bad kakhlam ASF dei ban pyntip mar dorshaki doktor Veterinary bad sha u/ka District Veterinary Officer.

Poultry (Ki Syiar)

- Jied ban ri da kisymbaisyiarkiba don artyllikijingmyntoi kata kibakhapylleng bad ruhkibalah ban die dohkumkisyiarVanaraja, Kamrupa, Srinidhi, Kuroiler, Rainbow Rooster bad kiweikiwei.
- Kasem syiarkadei ban long kaba la shnabha ban laitnakajingpjah bad jingkhriatkasuinbneng ha kaportlang.
- Kajingshaikadei ban biang bad kaweikasyiarkadonkamkumba 2 watt kajingshaikhnangba kin syiad.
- Dei ban ai da ka um dihkabasyiadblemblemkhnang ban iadanakijingpangbaiadei bad karukom ring bad pyllaitmynsiem.
- Ker da kijainborni ha karukomkabadei ban laitnakajingioh rung kalyerpjah.
- Dei ban pynkhuidia ka semsyiar bad kadei ban iohlyer bha. Ai um da ka um dihkabakhuid 3-4 sienshisngi bad tengtengdei ban airuhkamluh bad shini ha ka um dih.
- Kiarnakajinglum neri bun tyllikisyiar ha kajuhka sem. Dei ban husiar bad kit khia ban ym shah iakajingktahjongkalyerpjahiakakoitkakhiahkisyiar.
- Iakijakhliabamih bad tiarsiang ha kisemsyiardei ban kylliang bad weng man kapor ban khangladiakajingpangkpoh ne snierbakikhotcoccidiosis. Lada lap ba don kapynhiarsnam ha kisyiar, dei ban aimardoriakidawaiiarapanticoccidial drugs ha ka um dihnakabynta 3 haduh 5 sngi linter.
- La kyntuiakinongrisyiarba kin pynkhuidiakisem man ka por da kadawai phenol kumba 1 ml ne shipawashamoit ha kashilitarka um ban iadanakajingpurkajingpang.
- Iakisyiardei ban aidawaitika ban iadanakajingpangRanikhet, Marek's, Gumboro bad Fowl pox katkumkiporba la pyn.beit
- Dei ban aitiknaiakidawaiBitamin kata 5ml/100 syiarkhun, 7ml/100 syiarbarinakabynta ban bam doh, 10ml/100 syiarkhapylleng.

Cattle/Goat/Sheep (Masi/Blang/Langbrot)

- Ri da kimasiJersey Cross.
- Dei ban aiia kajingbamtei met 20-25 g iakimasikhun, 50 gram iakimasi dang rit, 100-200 gram nakabyntakimasibaarmet/ kimasikmie/ bad kimasishynrang.
- Kasemkadei ban long kabasyiad bad balaitnaka jingrung jongkalyerpjah.
- Ri da kijaitblangkibabhakumkiblang Black Bengal, Assam Hill Goat.
- Kasemjongkijingrikidei ban long kibakhuid bad kibarkhiang bad kabalaitlyerbha.
- Kajingaidawaiwieh bad kitikabadonkamkatkumkaki Tarik/aiombadei ban aikhlem pep.

- Dei ban pynbiang bun kaumdihkabakhuid. Ki jingbamdawaikyrpang bad ki vitamin man la kasngi.
- Pynkhrehkyrpangiakajakakaba la shuiehshrahnakabynta ban thungkyrpangiakijingthungaijingbamiakijingri bad ban pynkhrehnakabyntakatlangkumkikynjaphlangbamihbarohshisnemkum u Hybrid Napier, Guinea, Para Grass, Stylosanthes bad kiweikiwei de.
- Dei ban pynkhrehlypaiakajingbamkyrpangbashna ha kijakabymlaitlyer da kabapyndonkamia u riewhadem bad kiwei de kiphlang /jingthungnakabynta ban ioh ban ai bam iakijingri ha kaportlang.
- Ia u kynja kew bakhot u oat dei ban thungnoh ha u bnai Risaw-Naiweing; 80-100 kilo u symbai / Hectar.

Fishery (Ka Ba Ri Dohkha)

Composite fish culture (kabarikhlehbunjaitkidohkha)

- Kiwei pat kijaitjingbsakabakynthupia u stait jong u kba bad MOC (shibynta la shibynta).Iakijingbamlah ban ai3 -5 percent kajingkhiajongkikhasymbai.
- Lada don kisymbai, tong nohkhyndiatkidohkha ha u bnai October katkumkajinghehkidohkha bad kajinglah ban die ha iew.
- Buh kylliangiakisymbaidohkhakatkumkajingkheiniakidohkhabalah die.
- Tong khatduhiakidohkha da kabapyndonkam jar khambunsien, nangta kaba ai 2500 kiloka MOCha shihektarha kapungkiba don um barohshisnem.
- Kajinglum bad jingpynbiangiakidohkha ban pynkhasymbaikasdang ha u bnai December.
- Kabapynkha ha kakynjathliewba la shnakyrpang (happa) la juleh ha u bnai February haduh March.
- Pynkhiudiakakynrohjongkapung/dam bad pynkhuidlutiakikynbatbaroh. Lada don kajingsohpailen ha kapung, dei ban khang shwa ban ai bam bad aisboh.
- Ha kaporbakhriatbha, dei ban pynduna ban ai bam bad sboh ha kapungdohkha.
- Ai shun 65 kilo shihektar ha kashibnai.
- Lah ban tong 25 nakashispahiakikhasymbai ban pyndunaiakajingbunpalatkidohkha.
- Lai lane saw bnaishwa ban pynkha symbai, kikhadkhar ban pynkhasymbaidei ban buhla kajongkapung (iakishynrang bad kynthei) ban iadanakajingkhapyllengbymdonkam.
- Habakutjongkasamoi, lah ban tong lutiakidohkha bad die iaki.
- Kabashna/pynbhaiaka pung, pynbiangiakajingjylliewkaba 1.5 meter.
- Tong iakidohkhakibalah ban die bad lahbuh da kisymbaidohkhakibalah don lypa.
- Lah ban shnaiakipungkibathymmai.
- Dei ban peitiakajingbhajongka um man la kapor bad pyntiknabakarongjongka um ka long lam jyrngam.

U Tit Oyster (Oyster Mushroom)

- Thung da kijait tit symbaikumki tit Pleurotusostreatus; P.djamor; P.sajorcaju; P. flabellatushakibnai September shanengnamar ha kumkinekibnaika jingling kasuinbnengkaiahapbha ban thungiaki tit oyster.
- Kajingbamiaki tit ruhkaiarap ban teiiakabor met jongkibriew ha kabakilah ban ialehiashibunkijingpangjingshitomkhamtamiakajingpangcovid 19
- Kajingrepiaki tit kaiarap ban kyntiewiakaiohkakot, kaiarap ban pyniohkamioh jam bad ruh ban pynbiangiaka bam kabatei ha kaimlangsahlang.

Self-Help Group (Ki Self Helf Group)

- Ki kyntheihapohka SHG kidei ban pynkhreh ban rep jhur ((Nutrition Garden))ha kikyrpongiing ban iohkijhurkiba bang bad shngiamkiba don kijingbambatei kum ki bitamin bad minerals ban pynkhlainiaka met bad iadanakajingpang COVID-19.
- Lah ban rep iakijhurkum u sohbaingon, sohmynkenjhur, sohmynken, sohkhia, pathaw, kumtaterter ha kinekikperkyrpongiing/ Nutrition Garden.
- Ki dkhotjongka SHG kidei ban dengiaki mask, phongiaki gloves, kijain cotton nakabyntakajingiadaiakaiingkasem bad kaimlangkasahlangna u COVID-19 bad ruhnabyntakajingiohnongkabakham bun.

गारो
GARO

Boro Mi

- Boro mi ni rokkomrang jekai, Navin, Bisnurprasad,Joymati, KRH 2,DRRH 1, Swarna Ganga Red iandakgipa mini rokkomrangko basena nanga.
- Jalla goaniko pangnan November oni December ja.man ona dakna nanga.
- A.ako changgittam ba changbrina kingking wechenge ja.mano, moi chi gamchotenba a·ani level ko apsan ong·atna nanga.
- FYM @ 50 quintal/ha aro biofertilizer Azospirillum @ 200g/acre mang mi bitchilrang baksa brinchapna gita nanga.
- December ba January jarangni gisepgrikon, jallarangko pikjite ge·aniko a·bachengna nanga.
- 15-25x10-20cm dake name dona nanga.
- Salsni ba salchikkungni gisepgriko pikjitgimin jallarangko wegimin a·ao ge.aniko dakna nanga.
- Jalla ge·jitani ja.mano a·palona watgipa chi 3-5 cm mang ong.na nanga aro unbaksana 2-3 salrang ge.jitaoni, sal 10-15 mang ratna skang ong.na nanga.

Me. rakku

- A·ako changgni ba changgitam mang dake wena nanga jedakode ge.ani somio-o name apsangrik ong.e ge.na man.a gita.
- Hybrid 4558, Hero 22, DA61, RCM 76, Vivek Hybrid uandakgiparang a·rankario man·a amgipa rokkomrang ong·a.
- August ba September jamangon me·rakku bitchilrangko ge·na a·bachengna nanga.
- A·arangko a·sal ong·atbatna aro ge·anirangko nambatatna lime @ 400-500kg/ha brina gita nanga.
- Bitchilrang 25-30 kg/ha aro chel.grikanirang 60 cm x 30 cm mang aro pangsaoni pang gipinona chel·grike apsangrik ong.na nanga.
- Me·rakku ge·aoni sal 40-45 ong·ahaon changsa dangroke on·a gita nanga jedakode me·rakku an·krigen aro mitchekanirangoni naljokgen.
- Me·gap ba samchengrangko me·rakku ja·pangrango dane on·a gita nanga.
- Me·rakku ku·simang siahaon ba gitchakahaon me·rakkuko den·a nangaha.

Besual aro Laisak

- Seng·gnang ge·ode (October-November) ge·ani kri suri gnangmitingon rana gita man·a.
- Toria rokkomrangko ge·ani M-27, TS-36, TS-46 aro besual ni rokkomrang PM 27, PM 28, NRCHB 101 niko basena man.gen.
- Bitchilrangko simsakna gita rasin gipok rong gni 2% ba Trichoderma @ 10g/kg bitchilrangko name mangrake chabana dakchaka.
- Bitchilrangni chapripaniko chelchakna, kraa gita nigrike bitchilrangko satna nanga.

- Rimitgipa peng·anirangko chonchongipa jo·ongrangko chelchakna gita pingripna nanga.
- 2%neem oil ba 5% NSKE jo·ongrangko chelchakna gita man·a.
- Mi ratani ja·mano bangbanggipa a·ao besualko goskana tariskana man·a.
- Mi ratani ja·mano bangbanggipa biapko indin galaigija uano sin.karini me.su samjakrangko ge·skana chol ong.a.
- A·rankari somoio me·rakku, besual, ka·rek, mi, badamrangko ge·na gita man·a.
- Chisamrango donggipa biaprango mi baksa besual, baringbaleti, alu uandakgiparangko ge ·na man·a.
- A·arangko ali kae kobi, besual, Broccoli, dhania aro uandakgiparangko ge·na man·a.
- Biterang briahaon uarangko akna a.bachengna nanga.

A·rankarini me·su samjakrang

- 15 cm chua, metre 1 gro, gipeng dake a·ako tarienba me·su bitchilrangko jekai (baring baleti, baring jal·lik) uandakgiprangko chara tarina gita man·a. Tarigimin charako plastic chi gripe donna gita nanga.
- Nambatgipa kobi bitchilni rokkomrangara (Golden Acre , Pusa Drum Head , Pride of India Rocket, Blue Jays), cauliflower (Pusa Snow Ball, K-1, KSP 1173, Swati), Tomato (Rocky, Pusha Rohini, Nayak, Romeo, Megha 2, Megha 3, Arka Alok, Arka, Rakshak, Arka Abhed) Okra (Arka Niketan), Radish (Arka Nishant), Carrot (KSP 135), Broccoli (KSP 5412, Indame Pirate), knokhol (White Vienna , Purple Vienna, Taj, Green Globe), Frenchbean (Phalguni, Arka Arjun, Naga local), Brinjal (US 28, KSP 1072, Signath, Bholanath)
- Bitchilrangko simsakna *Trichoderma sp* @5gm/kg of seed aro *Pseudomonas sp* @10g/kg on·a nanga aro jeon ge·nasienga ua biapoba apsankon on·a nanga.
- Chabaenggipa me·surangni ja·pangrangko jo·ongrangchi nosto ka·aniko man·jana gita *Trichoderma viride or T.harzianum* @ 5g/litre samrangko chi baksa brine runa nanga.
- Chabaenggipa bitchilrangko nambatatna aro silbatatna matchu ki·i a·sal oniko tarigimin a·sal baksa *Trichoderma aro Pseudomonas* @ 500g/ quintal iarangko simsakna nanga.
- Chabaenggipa ja·tingrango me·gap ba samchengrangko danpripe sam dikpripaoniko champengna man·a.
- Pangrangko chonchongipa jo·ongrangchi nosto ka·jana gita neem oil; *Beauveria bassiana; Metarhizium anisoplea, Verticillium lecani aro bijakrangko naljokatna* blitox-50; bordeaux mixture 1% iarangko brine satkikina nanga.
- Joltango nengrae man·a altubatgipa samrang (jo·ongko nisiatna) jekai neem, rasin gipok, sada aro uandakgiparang.
- Kobini jo·ongrangko chelchakna gita Yellow sticky traps rangko jakkalna man·a.
- Chonchongipa jo·ongrang, gukrang, me·pilliprang ba ritimenggipa bijakrangko cha·enggipa jo·ongrangko pheromone traps @ 4-5/acre rangko jakkaleba champengna gita man·a.
- Me·gap ba sikrepgimin bijak ba jabolrangko galenba uarangko apsan sodimate a·ana a·salko ong·atna dakchaka.

- Me·rakku den·galgimin pangrangko ka·rekrangni ja·tingrangna danwilwile a·salko ong·atna aro pangrangko silatna gita dakchaka.
- Biaprangko jakkalpilruraani: Mi ka·rek (A·dap) me·rakku-ka·rek (A·du) me·rakku-ka·rek ((A·du) me·rakku-baringbelati (A·dap) me·rakku-ka·rek(A·du) iarangko mingsani ja·man mingsa dake ge·rikrikna man·a.

Somoini kri man·gipa biterang

- Biterangko akani ja·man, bolrangko den·krie cheksirangko ritame on·a nanga.
- November ba December jarango cheksirangko 30-40/% dake ritamna nanga.
- Ritamani ja·mano pangnan Bordeaux paste ko (1:1:10) dake on·a nanga jedakode silbate ritimtaina cholko on·gen.

Wak

- Wak bi·sarangni dal·roroanina aro an·seng baljoke donganina pangnan cross, Ghungroo, Lumsniang, Large black iandakgiparangko wakrangna jakkalna nanga.
- Wak nolrangko pangnan rongtale aro simsake rakkina nanga.
- Waknolrangko on.tisa chukale rikna nanga jedakode walknaba chu.onga gita balwarangko man.a gita amgen.
- Wak bi.sarangko ding.bome rakkina gita me.gaprangko ba bostarangko jakkalna gita nanga.
- Wak bimana man·a dipet mineral mixture @ 50-60g/day/ aro calcium @ 60-80 ml/day dake sok on.enggipa aro an·o dongenggipa wakrangna samrangko jakkaljringna nanga.
- Wak bi·sarangko sin·a man·gnioniko pangnan me.gap ba bostarangko jakkalachi naljoke rakkina nanga.
- Albendazole/ Febendazole @ 7.5 mg/kg deworming rangko pangnan wakrangna jagittamprako on.a nanga.
- Swine fever rangnaba wakrangko biji su·simsaksona nanga.

Wakrangko African Swine Fever (ASF) oniko naljoke rakkiani

- Je wakkon ia sabisiko man.aha ine ma.siode, ua wakko gipin jilrimskagipa-oniko chel.grike rakkina nanga.
- Waknol ko nirokgipa mande pangnan ganding chindingrangko gansrepilna nanga aro an.tang be.enrangko name aue miksuesa ong.katna nanga.
- Sabisi man.enggipa wakko jilrimskagiparangoniko pangnan dingtangrike donna nanga.
- Sabisi man·enggipa wakni ki·irangko apsan galdimna nangja aro man·a dipet dingtang a·kolrangko cho.e plasticrango ra.chake galna nanga.
- Sabisi man·e sigipa wakko feet dok mang tu.e a.kolrangko cho.e aro uano rong.chunrangko galonesa gopna nanga.
- Sabisi man.enggipa wakna pangnan cha.anirangko simsake on.a nanga aro man.a dipet ding.bomate aro chirangko man.ode rite jakkalna joton ka.na nanga.

- Saenggipa wakko nirokenggipa mande skatang jilgipaskarangko dangtapna namen simsakna nanggen.
- Saenggipa wak-ko nirokenggipa mande skatang uchi uchi re.jojona nangjawa.
- Tikka su.anirangko aro samrangko pangnan somoi gita dakjringna nanga jedakode iandakgipa sabisirangoniko chelchake rakkina gita man.gen.
- ASF sabisiko man.engaha ine ma.siahaon, donchana nangja ta.raken, Veterinary doctor ba District Veterinary Officer rangona kobor ko on·a nanga.

Do·nok

- Dingtang dingtang na Do·nok ni rokom jat jekai, Vanaraja, Srinidhi, Kuroiler, Rinbow rooster indakgipa rokom ko base·e jilna nanga.
- Sinkare on sinaoni naljokna gita nok rikani ko nirokna nanga.
- Do'o ko dinge rakina gita light ko @2 watt prak do·o na nanga.
- Rangsita o nengnikjana gita chi dingboma ko do·o na nanga.
- Kasina balwa ko manjana gita bosta rang ko name kadee, sitee ba dimpenge dona nanga.
- Do·o nok ko rongtale balwa nangate aro salo chang 3-4 chi ko on.a nanga baksa na gisepo kari nangsrika chi koba onchapna nanga.
- Do·o sine siaoni naljokna gita simsake rakina nanga aro mande bange dongna nangja.
- Coccidiosis sabisi oni naljokna gita do'o nok ko rongtale aro sigimin do·o ko ragalna nanga aro ok gitchake re·e saode uko taraken anticoccidil sam ko salo chi baksa chang -5 on.a nanga.
- Do·o jile chagipa mande do·o nok ko salantin chi baksa Phenol@1ml Litre prak ko sabisi oni naljokna satna nanga.
- Ranikhet (Mara sia) sabisi, Gumboro aro Fowl pox ia sabisi oni jokna gita do·o rangko somoi gita vaccine ona nanga.
- Vitamin rang ko @5ml/100 do·o bisa na, 7ml/100 do·o dalbagipa na aro 10ml/100 do·o bitchi onengipa na ona nanga.

Matchu/Do·Bok/Mes

- Jersey Cross matchu ni mingsa rokom jat ko jilna nanga.
- Mineral bringipa ko @20-25 gram ni gita Matchu bi.sa na, 50 gram ko Matchu Dambe bima na aro 100-200 gram ko Dud on.engipa Matchu aro Matma na ona nanga.
- Matchu nol ko dingbome aro balwa kasina napa oni naljoke rakina nanga.
- Dobok ni rokom jat jekon Black Bengal, aro Assam Hills dobok ko basena nanga.
- Jilram biap ko rongtale ran·e aro balwa nangate rakina nanga.
- Ok ni kirmi ko siatna somoi gita vaccine ona nanga.
- Chuonga gita rongtala chi ko, aro vitamin aro mineral bringipa ko salantin ona nanga.
- Oats (rokomsa mi) aro Lucerne ko sinkare o alna gita gale dongipa a·ao tarina nanga.

- Meraku ni ga·teng rangko aro gipin tangsek gipa jeng ko sin·kari -o alna tarisamsona nanga.
- Sinkare ni rokomsa mi (Oats) ni jeng ko jani October oni November o @80-100 kg ni gita bitchil ko hectare prak o satna nanga.

Na·tok Jilani Kam

Mingsa ba mingni natok ko apsan jildimani

- Cha·ani ko tom·dake ondapna tarigipa jekai MOC aro Rice bran (Merong ginde) indakgipa ko tosusae nio 1:1 ni gita aro cha·ani ko 3-5% ni jrimani gita chimonge jilgipa na·tok na ona nama.
- Mitam natok Bitchi ba bisa ko ru.utani somoi o dala ko nigrike October ja rango rana mangen.
- Chansokgija natok ra·otgimin ko nigrike jaksi gita ongipa natok bisa baksa gapatskagen.
- Bonkamgipa ra·otani salo net chi ra·otgen aro bilsi gimik donkamgipa pokri o MOC ko 2500 kg ni gita hectare prak o ona nangen.

Common carp jat rokom

- Bitchi rangko chimongani aro simsakni ko December ja oni abachengen.
- Bisa pe·atani ko abachengna February oni March ona daka.
- Pokri ko rongtale samtangtang ni samsi rangko pike galna nanga. Tangsek gipa samsi rang chi ninga oni dalbaode cha·ani aro a·sal on.anirangko dikdiksana dontongchengna nanga.
- Sinkare ni somoi o sindatmingtingo natok na Alani aro a·sal ona ni ko chanpengna nanga.
- Chun ko ja o changsa 65 kg hectare prak o ona nanga.
- Mitam ko ra·ote 25% ni gita san done jelbrakaoni ko komiatna nanga.
- Pena ja gittam ba jabri na skang common carp bitchi ko bima aro bipa ko ma·eke dona nanga.
- Bonkamgipa kari ni somoi o ra·ote natok bi.sa ko palna mangen.
- Pokkri ko taritaipilani aro tu·ani ko komibeoba metre 1.5 gita mang dona nanga.
- Natok ko palna namani bimang gita ongon chimongtaie aro jaksi gita onggipa natok bi.sa ko dona nanga.
- Pokri ko gital dake riktaina nanga.
- Chi ni nama namja ko aro pokri ni chi rong ko nirokna nanga aro chikgija tangseke pangnan ongna nanga.

Oyster Mushroom (Dambong ba Me·gimmu)

- Oyester dambong ni dingtang rokom ko dalatani jekai Pleurotus ostreatus; P.djamor; P. sajorcaju; P. flabellatus ia rang ko September ja rangoni abachenge sal nama namja ko niroke abachengna mana.
- Batrikrikengipa sabisi COVID – 19 ko chambengna na ba be·en ko bilakatani ko ba mande na ona.
- Man·gni aro janggi tangani chol koba ona.

Self Help Group

- SELF HELP GROUP ni me.chikrang ia be•enna namgni ko on.gipa mesu bagan rangko nok prak on gital aro nama me.surangko mana gita aro COVID 19 oni jokna gita ge•e chana nanga.
- Me.surang jekai Baring, Capsicum, jal·lik aro Te•e ni dol dakgipa mesu rangko be•en na namgni ong·atgipa me·su rangko bagan dakna nanga.
- Self help group ni mande rang jakni moja (hand Glove), mikkangko pindapgipa (Mask) aro Kil ni bara rangko nokni manderangni aro noksulni manderangni COVID 19 oni jokna gita suale aro pale ba tangka rangko man·gen.

मिज़ोरम (मिज़ो)
MIZORAM (MIZO)

Thlasik vaimim chin (Maize)

- October thla kar hmasa berah chuan vaimim chinna tur leilung buatsaih leh vaimim chi tuh hman vek tawh tur a ni a, hybrid variety tha emaw Mimthlum (sweetcorn) chin tur a ni.
- Vaimim bi inhlat zawng chu 60x30 cm ni thei sela, a chinna ram hman tangkai kawngah a tawk hle a ni.
- Bawngek lei tha a tam thei ang ber hman a tha a, fertilizer chu NPK @ 120:60:40 kg hisap in Hybrid vaimim tan pek tur a ni a, Nitrogen 1/3 leh adang zawng hi vaimim chin ruala pek tur a ni a, nitrogen hmun 2 dang chu vaimim rih vur hmasa ber ruala pek leh tur a ni a, chumi atanga thla 1 hnu ah a la bang chu pek leh tur a ni.
- Atrazine @ 1.5-2 kg a.i /ha hi vaimim hlang chinna hmunah hnim chi thah nan hman tur a ni a, Alochlor @ 1.5 kg /ha hi vaimim leh thlai dang chinpawlhna hmunah hman tur a ni.
- Cutworm leh White grubs awm tamna hmunah chuan chlorpyriphos @ 2 litre/ha hi Balu kg 60-70 nen pawlh a leiah chehpawlh tur a ni a, anih loh pawhin Cypermethrin 10EC @ 1 ml hi tui litre 1 a pawlh hisap in vaimim kah nan hman tur a ni.

Fall Army Worm (FAW) laka Vaimim venhim dan turte

- FAW tuite leh a pangang keu chhuakhlim te chu veh ngun a, hmeh sawm emaw khawnvartuia chiah hlum zel tur.
- Lei ro chu vaimim zik chhungah thunluh in, a chhunga FAW pangang a that thei.
- FAW tana siam pheromone trap chu acre 1 zelah 15 zel dah in FAW puitling (a pa) chu a man khawm teuh theih a, hei hian an inthlah pung tur a ti hniam.

Damdawihman dan

- FAW pangang an pun tam hma in leh a tui lo keu tur te tihchhiat nan 5% NSKE emawAzadirachtin 1500ppm @ 5ml/litre tui nen a chawhpawlh a kah tur.
- Pangang la puitling lo te thah nan Spinetoram 11.7% SC hi 0.5ml tuilitre 1 zel a pawlh dal in kah tur.
- Vaimim a lo puitlin a, a par a chhuah hnu chuan, damdawi hmang lovin pangang te veh ngun a tihhlum tur.

Be kawm nei (Pulse)

Rajmash

- August thla chawhnu lam atanga September thla chawhma lam inkarah rajmash te hi chin vek tur ani a, a chi tha Arun variety ang chi hman tur ani. fertilizer chu NPK 20:40:20 kg hisapin a chi tih rualin pek vek tur ani.
- *Rhizobium* leh PSB culture hi a chi nen nuaipawlh tur a ni a, hei hian a ti hriselin a ti hlawk phah thei a ni.

- Pendimethalin @ 1.5 /ha emaw Butachlor @ 10ml hi tui litre 1 a pawlh hisapin hlo thah nan a hman theih a ni.

Hriakpai thlai (Oilseed)

Bekang

- September thla kar hmasa berah Bekang chin tur a ni a, a chi tha JS 335 te, VL 89 leh adang te hman tur ani.
- Hlo tur Butachlor 10ml hi tui litre 1 a pawlh hisapin Bekang hmunah hman tur a ni.
- Hlawk zawka bekang thar theih nan NPK @ of 20:60:40 kg hisap a pek tur a ni.
- *Rhizobium* leh PSB culture hi a chi nen nuaipawlh tur a ni a, hei hian a ti hriselin a ti hlawk phah thei a ni.
- Dichlorvos @ 2 ml hi tui litre 1 a pawlh hisapin hman tur a ni a, Bekang par eitu Kutdurh thah nan a tha hle a ni.

Tel Antam (Toria)

- September thla chawhnu lamah Tel antam hi chin hman tur a ni a, a chi tha heng TS 67 te, TS 36 leh TS 38 te hman tur ani.
- A bi hlat zawng hi a line inkar 30 cm leh a kung inkar 5-10 cm hman tur a ni a, chin atanga kar 3 hnu ah a to dik lo ho suat na neih tur ani. A chi mamawh zat chu 5-6 kg/ha ani.
- Isoproturan @ 0.75 kg a.i leh Pendimethalin @ 1kg a.i/ha hi thlasik hlo thah nan a tha a, a thar pawh a hlawk phah thei a ni.
- A thar a lo hlawk theih nan NPK @ of 50:60:30 kg hisapin pek a tha.
- A chi chu Thiram emaw Captan 2.5 gm /kg hisap a nuai pawlh tur.
- Blitox -50 or Dithane M 45@ 2g hi tui litre 1 a pawlh hisapin ni 10 danah kap ila a tha a, hei hian Rust leh Alternaria blight lakah a venghim.

Thlasik Thlai Nursery Enkawl Dan

- Nursery kan siamna hmun tur chu ni hmuh thatna, tui tlin theih lohna, lei dip tha tak leh dur thatak ani tur ani.
- Nursery chu August thla laihawl ah siam tur ani a, nursery san zawng hi 10-15 cm a ni tur a ni. Lei chu tha taka leh tur ania. Ran ek tha taka up tawh emaw hnim hnah tawih tha tawh tak nena lei chu chawhpawlh tur a ni.
- Nursery bed a thlai kan kuina tur lei chu natna (Damping-off) laka a lo him theih nan, lei chu 0.1% Captan emaw Fytolan damdawi in chiah tur a ni.
- Damdawi a chiah zawh ve leh sarang emawbuara emawlehkha chhah lam deuha ni 2 chhung khuh nghal tur ani.
- Lei khuhna chu lak sawn a, lei chu leh thawl leh deuhin ni 3-4 chhung dah leh tur.
- Lei a rannung awm te laka kan thlai thiakte a lo him theih nan Malathion 5% kah/ phul tur.
- Thlai chi kan kui tur te chu August tla tawp emaw September thla tir lamah kui tur a ni.Thlai chi kan kui na tur hi U-shape in line thuk vaklo, 2.5 cm a in hlat ah kan rin zel a nga, 1-2 cm a thukah

thlai chi chu kan phum tur a ni. Thlai chi chu balu lei leh ran ek leitha dip tha tak in chawhpawlh pan te in khuh tur a ni.

- Thlai kuina nursery bed chu tui pek na, a hmawr khawh na lo chi a tui pek thin tur a ni.
- Thlai kan kui te hi kan kui atanga ni 21-30 hnu ah a phunsawn theih a ni.
- Thlai tiak kan phunsawnna tur khur hi phunsawn hma ni 15 a la awmin lo laih lawk tur a ni. Khurah hian ran ek leitha dah lawk bawk tur a ni.Lei thur ven nan chinai phul a tha bawk.Tin khur hi insecticide a lo kah lawk bawk tur a ni. Khur tlar inhlat zawng hi 75 cm ni in, khur leh khur inhlat zawng hi 30 cm a ni tur a ni.

Thlasik Thlai

- Thlasik thlai ching tur in August thla tawp lam ah Nursery bed buatsaiha a chi kui tan tur a ni.
- Thlasik thlai phumna tur leilung chu September thla ral hmaah lo buatsaih lawk tur a ni.
- Kan thlasik thlai chi te chu Carbendazim (0.1%) gram 2 hi thlai chi Kg1 ah chawhpawlh tur a ni. *Trichoderma* spp., 4-6g hi thlai chi kg 1 ah hman tur a ni.
- Thlasik thlai kan chin na ah be lam chi (French Bean, Behlawi etc.) lei ti tha tu tur atan chin pawlh tur a ni.

Antam hrik enkawl dan

- Yellow sticky trap huan a dah/khai.
- Antam hrik in a bawmna thlal chu paih bo.
- Dimethoate @ 2.5ml/litre tui nen a kah tur.

Bawkbawn a rannung venhim dan

- Rannung veh leh thah hian an inthlah pung tur a veng.
- Malathion 2ml/litre tui emaw Carbaryl (2-4g/tui litre 1) a kah tur.

Thlai vutbuak natna enkawl dan:

- Soda thirfian te khat chu fiante chanve tuiah chawk dip la, sahbawn phuan tha lo chi chu tui litre 4 ah chawk nal in soda nen khian pawlh la, thlai vutbuak natna vei ah kah tur ani.
- Mouthwash pawh hi vutbuaknatna ah a hnawih theih bawk.

Thlasik chhunga Serthlum huan enkawl dan

November

- A rah seng hun hma a a rah tla tih tlem nan Copper Oxychloride @ 0.2% in a kung kah tur.
- A rah ei chhetu rannung (Pikhawizu) leh a rah tawih loh nan a hun taka a rah lawh tur
- A rah ei chhetu rannung a tui loh nan Malathion @ 2ml/ 1litre tui nen kah tur
- Kung khat atan leitha 650g Urea + 1220g SSP + 450g MOP pek tur
- Serthlum kung bul thlawhfai that tur

- Serthlum kung bul chu hnah ro/ di/ buhpawl a khuh hnawn tur

December-January

- Ran ek leh leitha pek nan, leh leitha luan ral loh nan Half-moon terrace siam a, a kung bul tihfai tur.
- A zar thi leh hrisel lo te chu paih a, kan paihna hmawr ah chuan Bordeaux paste hnawih zel tur
- A kung a hnai lo chhuak ah chuan 10% Bordeaux paste hnawih tur
- A kung a pat ek leh thing sam/ arsi ek awm te tih fai tur
- Serthlum kung bul chu hnah ro/ di/ buhpawl a khuh hnawn tur

February

- Serthlum kung bulahran ek leitha/ FYM @ 30 kg/ plant leh chinai @ 1kg/ kung khat ah pek tur
- Serthlum kung tingettu rannung thah nan, a kua ah chuan lapua petrol a chiah hnawh luh emaw Dichlorvos 5 ml/ 0.2% (2ml/1 lt tui) kah luh a, a kua chu hlum in hnawh phui leh tur.

March-April

- Kum khatah kung khat tan ran ek leitha 30 kg pek tur
- Kung khat tan 650g Urea + 1220g SSP + 450g MOP pek tur
- Serthlum kungah Bordeaux paste (feet hnih a sangah) hnawih tur.
- Hnah chawr tharah Multiplex @ 2.5g/lt 1 tui nen kah tur
- Hnah chawr no tharah Bavistin @ 1g/l + Monocrotophos @ 1mL/L, Zinc Sulphate @ 0.5% + Magnesium Sulphate @ 0.2% + Copper Sulphate @ 0.4% + Manganese Sulphate @ 0.4% kah tur.
- A kung pil ei thin tu rannung thah nan, a pil karah Dichlorovs @ 0.1% kah luh tur
- Serthlum kung bul chu hnah ro/ di/ buhpawl a khuh hnawn tur.

Oyester Mushroom (Pa khawi) Enkawl dan

- Buhpawl inches 3-4 a chansawmsa chu tuiso ah min 20-30 chhuan tur, tichuan I thuranga, I dah daianga, I sawrfu ang. Tichuan polythene ah 2-3 inch vela chhahin I dah anga Pa chi I theh ang. Chutiangchuan polythene a leng tawk chhawng i siam ang, Ni 10-14 hnuah alo var chhuak anga, polythene i kheh ang. A tuk atang in tui phing phi siau-in a hnawng tawk chauh in i pe ang. Tichuan, ni 5-6 hnuah alo par ang a i lo thei ang.

Tuipek dan

- Polythene khehhnuah a tukatangin sprayer a pek tur
- Q. Pa(Mushroom) hi niengzatnge up ngai?
- =>Ni 10 atangani 14 inkar hi an up tlangpui a, a temperature a zirin
- Chhum rei zawng
- =>Minute 20-30 chhum tur
- Polythene hi engtikahngelakchhuah tur?

- =>Ni 14 hnuah, alo var chhuahvekhnuah.

Ranvulh Chung Chang

Vawk Vulhtute Tan

- Vawk vulhtu ten kan Vawk vulhte alo hlawk zawk theih nan mineral mixture kan pe thin tur ani a. A pek zat tur chu Vawk puitling pakhat tan nikhatah 20-30 g zelin pek tur ani. Tin Vawk railai leh nochawmlai tan nikhatah Calcium 30-40 ml zel pek thin tur.
- Mizoram hmun hrang hrangah Vawk pulhri natna hlauhawm tak African swine fever alen mek avangin Vawk vulhtuten kan Vawk In leh avel zawng zawng damdawi hmangin then thianghlim thin tur a ni. A tih thianghlimna damdawi awlsam taka kan hman theihte chu:- 2% Sodium hydroxide, 2-3% Sodium or Calcium hypochlorite leh adangte. Kan Vawk In emaw Farm luh dawnah damdawi hmanga ke chiahna siam ngei ngei tur ani.
- Vawk hmun dang atanga lakluh reng reng a dahna hranna hmun bik (Quarantine) ah ni 30 tal Vawk dangte nen dahho hmain dahhran phawt tur a ni. Hrilenna hmun ami reng reng Vawk lahluh loh tur.
- Vawk vulhtuten kan veng/khuaah kan Vawk vulhte Vawk pulhri kaia kan rinhlelh emaw hrikai avanga Vawk thi an awmin, Vawk damlo enkawl chungchangah emaw, Vawk thi sawngbawl chungchangah mahni thu thu a hma lo la mai lovin Veterinary officer hnenah hriattir vat tur ani.
- Vawk chaw man senso tihtlemnan leh Vawk chaw siamsa leitur avan mai loh nan Vawk vulhtuten Vawk chaw atan awlsam taka kan hmuh ve theih te:- Chaw nawi, thlai ningnawi, zufe leh hnimhnahte, dawl, pangbal hnah leh adangte hman uar ila.
- Vawk note lakhran rual (thla 2) annihin Vawk pulhri danna pek ngei ngei tur ani a. Tin, pek atanga thla 6 hnuah pek nawn leh tur ani. Hemi hnuah hian kum 1 dan zelah pek tawh tur ani.
- Kan vawk vulhte thla 2 antlinin FMD hridanna pek leh tur ani a, hemi hnuah kum 1 dan zelah pek tawh tur ani.
- Kan Vawk vulhte rulhut hlo pek ngei ngei tur ani a. Albendazole @ 5-10 mg/Vawk Kg1 a rit zelah emaw Fenbendazole @ 7.5-10 mg/ Vawk Kg 1 zela ritah pek tur a ni.

African Swine Fever

Engtin nge kan lo in ven ang?

- HrilennahmunatanginVawk, VawksalehVawksaatanga siameiturrengrenglakluhloh. tur
- Ran in leh a chhehveltedamdawihmangatihthianghlim thin tur a ni.
- Ran enkawltubak ran inahluhtirloh tur.
- Ran thirengrenguluk taka damdawinenphumbo tur.

Ar Vulhtute Tan

- Ar vulhtuten Ar chitha chi (tui tam thei leh thang chak) kan tih Rainbow rooster, Vanaraja, Giriraja leh adangte vulh uar ila. Heng Ar te hi kan In bul velah a vulh mai theih bakah hmun dang atanga artui leh arsa te lakluh ngai lovin kan intodelh thei dawn ani.
- Ar In leh avelte kan vawngfai reng tur ani.

- Ar vulhtuten kan Ar In leh avel damdawi hmangin (1% sodium hypochlorite) kan tithianghlim thin tur ani a. Kan farm emaw Ar In bulhnaiah midang luhtir loh tur. Farm/Ar In luh dawnah damdawi hmanga ke chiahna siam tur.
- Ar In ah Arte thar dahluh dawnin, dahluh hmain Ar In chu damdawi hmangin lo tihfai hmasak phawt tur ani a. Tuisen ($KMnO_4$) @ 60-70 g leh Formalin @ 120-150 ml te chawhpawlhin Ar In 10 cubic feet zel a ur tawk. Darkar 24 ur hnuah Ar vulh turte a dahluh theih ani.
- Ar In chhuatah phuai kan hman chuan Ar Ina dahluh hmain tha taka tihro hmasak phawt tur ani a. Tin karkhat ah vawi 1 tal chawhleh thin tur a ni. Ar note thar dahdawnin phuai thara thlak zel tur.
- Kan Ar vulhte a hun takah hridanna pek ngei ngei thin tur ani. **Heng hridanna te:-** Ar pulhri danna (Ranikhet disease), Marek disease, Ar hmai huh (Fowl pox) leh Infectious bursal disease te hi pek tur ani.
- Ar note dahna hmunah eng (light) nikhatah darkar 23 tal pek thin tur ani a. Tin, Arpui tuilai tan nikhatah darker 16 tal pek thin bawk tur.
- Ar hmuitan hi ni 1- kar 6 a upa annih chhungin tansak tur ani a. A tul chuan kar 16 a upa annihin a tansak nawn leh theih.
- Ar vulh tuten kan ar vulhte vitamin leh minerals te kan pe thin tur ani a. Ar 100 zelah Grow B-plex/Ambiplex @ 10-20 ml an tui inturah pawlh sak tur ani. Tin Artuilai tan calcium @ 30-40 ml/Ar 100 zelah pek tur. Calcium pek that hian artui hawng nem tur a veng thei.
- Kan Ar vulhte rulhut hlo pek thin tur ani a. Ar kar 6-8 upa annih in Albomar tui 45 ml/Ar 100 tan an tui inturah pawlhsak a, zing karah chaw an eipuar hmain pek tur. Tin, Piperazine hydrochloride @ 5 ml/Ar 10 zelah pawh a pek theih bawk.

Bawng Vulhtute Tan

- Kan Bawng vulhte a hun takah rulhut hlo leh hridanna pek thin tur.
- Kan bawng vulhte an lo hrisel zawk nan leh bawnghnute dehchhuahte a tam zawk theih nan vitamin leh mineral mixture bawng pakhat tan nikhatah @ 50-100 g in pek thin tur ani.

Kel Vulhtute Tan

- Kan kel vulhte rulhut hlo a hun takah kan pe thin tur ani a, thla 2 antlin hunin Kel Kg 1 a rit zelah Fenbendazole @ 7.5-10 mg in pek tur ani.
- Kan Kel vulhte thla 3 antlinin hridanna PPR leh FMD pek tur. Hemi hnuah hian kum1 danah zel pek nawn leh tur ani.
- Kan Kel vulhte an lo hrisel zawk nan leh an than that zawk nan vitamin leh minerals te pek thin tur ani a, Kel 1 zelah nikhatah 10-15 g in a pek theih a. Tin, a railai leh no chawm tan nikhatah calcium 10-15 ml in pek ve thin bawk tur ani.

Thlai Dah That Chungchang

Tomato Soup Mix

- **Tomato powder siam dan**: Tomato hmin tha chu silfai la, sin te tein chan la, cabinet drier ah 80°C in darkar 10 chhung ur la. A ro hnuah mixie ah hersawm ang che.

- **Tomato soup Mix siam dan**

  A pawlh tur te

Tomato powder	**5 g**
Onion powder	0.5g
Corn flour	2.0 g
Cumin powder	0.5 g
Pepper powder	0.3 g
Salt	1.5 g
Ajinomoto	0.5 g

  - **A siam dan**: A pawlh tur zawng zawng te khi that akin chawhpawlh la, sarang ah phui takin dah tha ang che.

Purun sen powder siam dan

- Purun sen hrisel tha lian tak la la, a kawr kheh la, silfai la, chansin rawh. Cabinet drier ah 60°C ah darker 7 chhung ur ro la. A ro hnuah hersawm la, polyethylene bag ah dah la, char phui ang che.
- Tomato soup mix hi tui chuan so 150 ml nen pawlh la, tha takin hlawm awm lo turin chawk ang che.

Tomato Sauce/ Ketchup

A siam dan

- Tomato hmin tha takin silfai la
- Zailep la, tui tellovin mei na lo tein ur cherh cherh ang che.
- A nem hnuah a pulp lak chhuah nan thingpuife thlitna lian emaw atta hrikna hmang emawin a kawr leh a mu tel lovin a tak chauh nawr/hrut chhuak ang che
- A pulp chu chini nen chhum la
- Sheet test emaw hmangin a tawk leh tawk loh en ang che
- Vinegar/ Acetic acid, chi leh preservative pawlh ang che
- A sat laiin glass bottle ah chhunglut ang che

Vegetable Soup Mix

- **Mamawhte:** Purunsen, carrot, bean, parbawr, zikhlum, tomato and spinach
- **Mixed vegetable soup mix siam dan**

  Thlai chi hrang hrang dip (powder) – 50 gm (carrot: bean: parbawr: zikhlum: tomato: spinach 1:1:1:1:1:1)

Purunsen powder	5 g
Corn flour	20 g
Cumin	5 g
Pepper	3 g
Chi	15 g
Ajinomoto	5 g

- *A siam dan*

  Hmanrua ho zawng zawng te khi tha takin chawhpawlh la, polyethylene bag ah thun la, phui takin char ang che. Mixed vegetable Soup mix i siam dawn chuan tui chuan so, 150 ml ah soup powder gram 10 i pawlh anga, tha takin chawk ang che.

Parbawr Pickle

Pawlh turte

Parbawr chan sin	1 Kg
chi	150 g
sawhthing	25 g
Purunsen	50 g
Purun var	10 g
Hmarcha ro sen	15 g
Aieng	15 g
Thakthing	15 g
Black pepper	15 g
Elaichi	15 g
Zeera	15 g
Aniseed	15 g
Lawngpar	6 nos.
Tengtere pulp	50 g
Antam chi	50 g
Vinegar	150 ml
Mustard Oil	400 ml

A siam dan

- Parbawr chu silfai rawh
- 2 – 2.5 cm tiat lek lekin chan sin rawh
- Ni saah darkar hnih dah rawh
- Tel tlem teah a pawlh tur ho khi kang hmasa rawh ut llo turin mei hniam teah
- A pawlh tur ho I kan hmasak leh oarbawr chu that akin chawhpawlh la
- Minute nga chhung kang leh rawh
- Suan dai rawh
- Tengtere pulp leh vinegar chu chawk kawi la
- Parbawr kan ah chuan thlak ang che
- Glass Jar ah khung la
- Kar khat chhung nisa ah pho ang che
- Meiah chhuang leh la, a dah daih leh hnuah tel leih lut ang che
- I dahtha thei tawh ang

Zikhlum Um

A siam dan

- Zikhlum fai tha leh puitling thlang la
- 5 mm vel a sinin chan la, chi 2.5% nen chawhpawlh ang che
- Container ah a zatve aia sang hretin khung la.
- Phui takin chin la, room temperature ah um ang che
- Ni 28 i um hnuah minute 10 chhung 70°C a sain chhuang cherh cherh (blanch) ang che.
- Daihlim leh hmun thianghlim ah dah tha la, thla li chhung a dahthat theih a ni.

नागालैंड (नागामीज़)
NAGALAND (NAGAMESE)

Pulse aru oilseeds (Field pea, Rapeseed, and linseed)

- First tey kheti tu bahal para deep khundibolage aru guda mati khan tu twibar teenbar bahal para bhangai kena mehin koribolage. Mehin mati tu level korikena seed bed banabolage. Bijon khan pahal para ulabo/germinate koribo karne mati tu bijekina mati tey namee thakibolage.
- Bijon variety bahal moi khan jaga tey lagabo para khan tu itu khan ase: Field pea (motor) - Aman, Prakash aru Rachna, Rapeseed (sorsor) - M27, TS-36, TS - 38 aru TS - 67 juntu deri dak lagabo pare (December laga first week dak) aru Linseed (Alas/tesi) - Ruchi, T-397 aru Shekhar.
- Field pea (Motor) tey land preparation koria time tey mol (organic matter) @200q/ha mati tey melai debolage. Bijon lagai time tey 55kg/ha Urea, 313kg/ha SSP aru 42kg/ha MOP basal dose dibolage.
- Rapeseed (sorsor) tey land preparation koria time tey FYM nahoiley compost @50 q/ha mati tey melai debolage. Pani (irrigation) diboley para kheti khan tey bijon laga time tey 54 kg/ha Urea, 375 kg/ha SSP aru 50 kg/ha basal dose nishina bijon usor tey (placement method) dibolag, aru bijon lagai kena teen hepta(week) bechi tey first irrigation teya time tey 54 kg/ha dibolage. Pani dibo naparia (rainfed) kheti tey fertilizer lage recommended dose tu 50 % dibolage.
- Linseed (Alas/tesi) laga kheti tey panidibo naparia (rainfed) conditions tey guru laga mol (FYM) @ 20q / ha logotey 87 kg/ha Urea, 125 kg/ha SSP aru 17 kg/ha MOP milai kena basal dose nishina dibolage.
- Bijon tu October laga second fortnight para November first fortnight tak tey tu lagailobolage. Hoilebhi Rapeseed (sorsor) tu November laga last week tak dirikorikena bhi lagabo parebo.
- Field pea (Motor) bijon tu nalaga agitey bijon tu Rhizobium culture @ 50 g/kg bijon, Bavistin @ 2g/kg bijon aru *Trichoderma virdie* @4 g/kg bijon tey seed treatment koribolage.
- Rapeseed (sorsor) aru Linseed (Alas/tesi) laga bijon tu nalaga agitey, Azotobacter aru Phosphotika @ 40g each/kg bijon tey seed treatment koribolage.
- Bijon laga bechitey twibar nirani koribolage. Ekbar 20 din bechitey aru ekbar 40 din bechitey.
- Rapeseed (sorsor) laga kheti tey pollination korikena yield beshi pabo karne, honey bee laga colonies 5 colonies/ha kheti tey rakhibo lage.

Puca manage koribole

- Aphids (puca) para khai kena thakia shoots/ ghas khan tu early stage tey bhangai kena bhilabolage.
- Kheti tey puca laga anda aru larvae dhikelay jama korikena, moraikena bhelai dibolage.
- Kheti tey sucking pest population tu monitor korebole karne yellow aru blue sticky trap @ 6 traps/acre ghas laga canopy level tey lagabolage.
- Kheti tey adult moth population ulai na naulai monitor koribo karne light traps @ 1 trap /acre lagai kena rakhibolage.
- Puca para kha laga early stage tey NSKE nahoiley Neem oil @ 4% spray koribolage.

- Puca Lepidopteran pests (caterpillars) pata khan tu kha dekile nutun tutun (initial) time tey pani tey *Trichogramma chilonis* @ 50000/ha nahoiley Spinosad @ 0.75ml/L spray koribolage.
- Jodi leaf feeders/ caterpillars aru borers para pata aru khas tu bishi khai diley tu itu insecticides majotey ekta spray koribolage: Pani tey Indoxacarb 14.5 SC @ 0.5ml/L nahoiley Emamectin benzoate 5% SG @ 0.4g/L milai kena spray koribo parebo.
- Jodi sucking pest (Aphids, Thrips aru bugs) para kheti tey beshi hoijaishe koiley tu itu insecticides majotey ekta spray koribolage: Pani tey Imidacloprid 200SL @ 0.5 ml/L nahoiley Thiomethoxam 25 WP @ 0.3 g/L nahoiley Spiromesifen 240 SC @ 0.5 ml/L milai kena spray koribo parebo.

Bimar manage koribole

- Bijon tu certified koria bijon aru bimar resistant / tolerant variety cholabolage.
- Motor (pea) laga kheti katia bechitey bimar lagi kena takhia ghas khan tu bimar para bachabo karne, joi para pura ghas tu cholai dibolage.
- Jabar bimar lagi kena thakia kheti tey aru same motor (pea) tu nalagabolage.Itu kheti tey doosora crop bodle kori kena lagabolage.
- Mix cropping adopt koribolage aru nitrogen fix nokoria crop (non-leguminous) logotey crop rotation follow koribo lage.
- Powdery mildew aru pea rust para bachabo karne, ekta acre motor kheti karne 240 litre pani tey Benomyl 50% WP @ 80g milai kena spray koribolage aru 15 din interval bechi tey second spray koribo lage. Nahoiley ekta acre motor kheti karne 300 - 400 litre pani tey Sulphur 80 % WG @ 750g - 1kg milai kena spray koribolage aru 25 din interval bechi tey second spray koribo lage.
- Sclerotinia stem rot aru Alternaria black spot bimar karne Pani tey Blitox @ 3ml/L nahoiley Dithan M - 45 @ 2g/L t milai kena 10 din interval tey spray koribolage.
- White rust bimar karne 400 L pani tey Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP @ 1000 g milai kena ekta acre kheti tey spray koribolage.

Harvest koria pecheta management aru storage

- Kheti katia bechitey doob tey bahal para sukhai kena rakhibo lage. Bahal para sukha bechitey guti tu bahal para sapha korikena bosta nahoiley appropriate bins tey rakhibo lage.
- Bahal para biya nahoi kena rakhibo karne moisture content tu motor (field pea) karne 9-10%, Sorsor (rapeseed) karne 8% aru alas/tesi (Linseed) karne 8-10% hobolage.

Horticultural Crops Karne

- Cole crops (Broccoli, Cabbage, Cauliflower, Knolkhol, radish, turnip etc) aru doosora sobjee (vegetables) mircha (chilli) aru tomato karne nursery August - September moina tey banabolage. Nursery bed tu raised bed hobolage aru ground level para 10 -15 cm ucha hobolage. Nursery bed laga width tu 1m hobolage aru length tu nijor kiman lage iman banabo parebo. Nursery bed laga mati yu bahal para mihen koribolage aru sukha guru laga mol (FYM) milai kena ready koribo lage. Nursery tu protray tey bhi banabo parebo. Portray tey nursery banabo karne portray tey cocopeat aru vermicompost 1:1 ratio tey milabolage.
- Winter vegetableslagabo karne kheti tu bahal para hal 2-3 bar marikena mati tu bahal para mehin koribolage aru kheti tey sukha guru laga mol (FYM) 10-15t/ha thalibolage.

- Seedling tu 30-40 din bechitey ketia 3-4 pata ulabo titia nursery para utaikena main kheti tey transplant koribolage. Main kheti tey transplant koria time tey spacing tu early season crop hoiley 45x30 cm rakhibolage aru mid aru late season crop hoiley 60x45 cm rakhibolage.
- Winter vegetables french bean, carrot, pea etc khan tu October moina para laga suru koribolage aru November 15th tak tey tu lagailobolage.
- Yield tu beshi pabo karne are moisture stress para bachabo karne pani tu hotai debolage.
- Nalagia jungle laga ghas naolabo karne aru mati laga name (moisture) conserve koribole karene dhan laga paral aru sukha pata para mulching koridibolage.
- Kiwi fruit tu December - January moina tey hard wood cutting para propagate koriboparebo. Cutting koribo karne ek sal purana matured aru jasal laga summer tey ulalaga dormant shoots juntu khan tey 2-3 node ulaikena thakibo itu khan select koribolage. Cutting khan tu moist coarse texture media tey 2 nodes mati laga nechitey aru 1 node mati upor tey lagabolage. Mota aru maiki ghas tu pahal para identify korikena alak alak lagabolage.

Puca manage koribole

- Aphids (puca) para khai kena thakia shoots/ ghas khan tu early stage tey bhangai kena bhilabolage.
- Kheti tey puca laga anda aru larvae dhikelay jama korikena, moraikena bhelai dibolage.
- Kheti tey sucking pest population tu monitor korebole karne yellow aru blue sticky trap @ 6 traps/acre ghas laga canopy level tey lagabolage.
- Puca para kha laga early stage tey NSKE nahoiley Neem oil @ 4% nahoiley Spinosad @ 0.75ml/L pani tey milai kena spray koribolage.
- Jodi leaf feeders/ caterpillars aru borers para pata aru khas tu bishi khai diley tu itu insecticides majotey ekta spray koribolage: Pani tey Emamectin benzoate 5% SG @ 0.4g/L nahoiley Flubendiamide 39.35% SC milai kena spray koribo parebo.
- Jodi sucking pest (Aphids, Thrips aru bugs) para kheti tey beshi hoijaishe koiley tu itu insecticides majotey ekta spray koribolage: Pani tey Imidacloprid 200SL @ 0.5 ml/L nahoiley Thiomethoxam 25 WP @ 0.3 g/L nahoiley Fipronil 5 SC @ 1 ml/L milai kena spray koribo parebo.

Bimar manage koribole

- Bijon tu bimar resistant / tolerant variety cholabolage.
- Non-cruciferous crops logote crop rotation follow koribolage.
- Mati tey thakia bimar para bachabo karne bijon tu nalagia agitey, 1 Litre pani tey *Trichoderma harzianum* @5g milai kena bijon tu treatment koribolage. Seed treatment koria bechi tey ek ghonda karne bijon tu doop nathakia jagatey shade dry koriabechite lagabolage.
- 1 Litre pani tey Mancozeb nahoiley Chlorothalonil @ 2g melai kena pata khan tey bimar para bachabo karne lagabolage.

Suitable Varieties

- Gobi (Cabbage): Rareball, Pusa Ageti, Pride of India, Green Challenger, Green Express
- Phool Gobi (Cauliflower): Hybrid-Madhuri, *Pusa snowbal*l 1, *Pusa Sharad*, Swati, Himani

- Broccoli: Green Magic, Green belt, Emerald city
- Knol khol: Early white vienna, King of the market
- Mula (Radish): French breakfast, Sparkles
- Carrot: Early nantes, N.S 820
- Motor (Pea): Arkel, VL, Matat-42, Rachana
- Beans (French bean): Dwarf-Premier, Master piece, Green pods

Mushroom

- Oyster mushroom cultivation koribo karne bahal quality laga dhan paral jama korikena sapha aru sukha jaga tey rakhibolage.
- Mushroom spawn tu hotai bahal quality laga cholabolage.
- Mushroom bag tey green mold control koribo karne garlic extract cholabolage. Garlic extract banabole karne 50g (10 big size cloves) garlic tu jamara chilikena paste banebi aru tati 50 ml pani milabi. Muslin kapara ekta loikena tati sakibhi aru garlic pani tu alak koribi, itu galic pani tu Garlic extract ase. Itu garlic extract tu 3- 5 ml/L pani tey milaikena mushroom banaboli paral boil korikena thakia tey spray koribolage. 1 Litre garlic extract tu 2kg sukha paral (5kg boiled paral) karne sufficient ase.
- Makhi aru doosora flies nahibole karne Mushroom ula laga room tey yellow sticky paper lagabolage.

Home Science

- Kethi kora manu khan extra income/poisa kamabole karne, sabji aru fruits ke sukhai kena Achar/Juice/Jellies/Jam bonabolage.

Janwar nimedi

- Hawa pani change hua karne october moina para dhanda season karne ready korebolage. Enika season tey janwar khan, ghaori tey Swine flu, Guru, bushi, sagoli aru mithun khan tey FMD, HS aru BQ laga bimar aru murgi khan ke Ranikhet bimar nisina para bajaboley karne dawai/vaccine mariboleylage.
- November mohina tey achanak thanda hoija karne murgi aru janwar khan ki affect koribopare,itu karne thanda para bajaboley karne thaikhan tu chat laga nichetey rakhibolage aru light thik para lagaidebolage.
- Janwar khan laga pet tey kichu thakiley bhal para dana nakhai, itu kichu laga bimar bhal koriboley karne mineral mixture 2% thai khan laga dana tey milai kena dibolage.
- Janwar khan ki healthy rakhiboley karne tai khan laga ghor safa rakhiboleylage, khaloa thik time tey dibolage aru general hygiene maintain koribolage.
- Thanda time tey gao gorom rakhiboley karne janwar ke dana bisi khaboley dibolage. Din laga temperature aru janwar laga umar/size hisab kori kena dana tu din tey 3bar nishina nahoiley itupara beshi dibolage.
- Winter season tey fodder laga shortage hoijai, itu karne harvested fodder khan tu store korikena rakhibolage.

- Controlled breeding program tu February mohina para suru korikena continue koribolage, aru breeding laga janwar khan tu sob itu time tey bacha bokhilobolage.

Mithun karne

- Thanda time tey, mithun janwar pani para dukh nohobo karne, pani thik time tey jama kori kena rakhibo karne water harvesting structure banabolage.
- Thanda season time tey jungle tey grass aru ghas laga pata emaan napai, itu karne ami khan pariley hardy grass aru janwar para pata kha ghas khan lagai kena rakhibo lage.
- Thanda season tey winter stress para janwar khan gao kumjor korey, baccha bukha aru production bhi komti hoi jai. Itu karne Mithun ki bahal health aru optimum production babo karne, thik time tey kichu laga dawai, vaccine injection aru minerals khan dibolage.

त्रिपुरा (बंगाली)
TRIPURA (BENGALI)

[illegible] ত্রিপুরার কৃষক ভাইবোনদের জন্য নির্দেশিকা

[illegible]

[illegible]

[illegible]

মরিচ ঃ

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

বেগুন ঃ

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

মাকড় দমন ঃ

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

টিকাদান :

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

খুরারোগ :

— [illegible]

ঘুষা :

— [illegible]

— [illegible]

পাতলা :

— [illegible]

জলা :

— [illegible]

— [illegible]

— [illegible]

Zone-VIII

महाराष्ट्र
Maharashtra

प्रमुख रबी पिकांशी संबंधित कृषि सल्ला

हरभरा :

- कोरडवाहू हरभरा पिकाची पेरणी ऑक्टोबरच्यापहिल्या पंधरवाड्यात करावी, तर बागायती हरभऱ्याची पेरणी ऑक्टोबरच्या शेवटच्या आठवड्यापासून ते नोव्हेंबरच्या पहिल्या आठवड्यापर्यंत करावी. अधिक उत्पादनासाठी आकाश, फुले विक्रम, फुले विक्रांत, जाकी-९२१८ इत्यादी सुधारित देशी वाणांचा तर पीकेव्ही काबुली-२, विराट, बीडीएनजीके-७९८, यासारख्या काबुली वाणांचा वापर करावा. बीबीएफवर पेरणी करणे फायदेशीर ठरेल.
- बियाण्याच्या आकारानुसार देशी वाणासाठी प्रति हेक्टरी ५० ते ७५ किलो बियाणेवापरावे. काबुली व मोठ्या आकार असलेल्या वाणासाठी७५ ते १०० किलो प्रति हेक्टरी बियाणे वापरावे.
- पेरणीपूर्वी बियाण्यास ४ ग्रॅम ट्रायकोडर्मा किंवा ३ ग्रॅम कार्बेन्डाझिम प्रति किलो बियाणे या प्रमाणात बुरशीनाशकाची बीजप्रक्रिया करावी. त्यानंतर प्रति १० किलो बियाण्यास २५० ग्रॅम रायझोबियम आणि २५० ग्रॅम पीएसबी या जिवाणू संवर्धकाची प्रक्रिया करावी.
- हरभरा पिकास शिफारशीनुसार पेरणीचे वेळी प्रति हेक्टरी २५ किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि २५ किलो पालाश रासायनिक खताची मात्रा द्यावी. माती परीक्षणाच्या आधारे खते वापरणे फायदेशीर ठरते.
- घाटे अळीच्या नियंत्रणासाठी प्रति हेक्टरी ५ कामगंध सापळे, फुलोरा अवस्थेत ५% निंबोळी अर्क आणि क्विनाल्फॉस २५ ईसी २० मिलीलीटर किंवा ईमामेक्टिन बेंझोएट ५ एसजी ४ ग्रॅम किंवा क्लोरॅनट्रानिलीप्रोल १८.५ एससी ३ मिली प्रती १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.
- सिंचनाची सुविधा उपलब्ध असल्यास पिकस फुलोरा आणि शेंगा भरण्याच्याअवस्थेत दोन संरक्षणात्मक पाण्याच्या पाळ्या द्यावायत.

गहू:

- कोरडवाहू गव्हाची पेरणी १५ ऑक्टोबर पर्यंत, तर बागायती गव्हाची वेळेवर पेरणी नोव्हेंबरच्या पहिल्या पंधरवाड्यात करावी. पाणी उपलब्ध असल्यास उशिरात उशिरा १५ डिसेंबरपर्यंत गव्हाची करता येऊ शकते.
- अधिक उत्पादनासाठी त्र्यंबक, गोदावरी, तपोवन, परभणी-५१, पीडीकेव्ही वाशिम, पीडीकेव्ही सरदार, एकेडब्ल्यू-४६४७, एकेडब्ल्यू-१०७१ या सुधारित वाणांचा वापर करावा.तांबेरा रोग प्रतिकरक्षम वाणांना प्राधान्य द्यावे.
- गहू पिकास संवेदनशील अवस्थेत जसे मुकुटमुळे फुटण्याची अवस्था (१८-२० दिवस), कांडी धरण्याची अवस्था (३०-३५दिवस), फुलोरा अवस्था(६०-७५दिवस),दाणे भरण्याचे अवस्था (८०-८५ दिवस) आणि दाणे परिपक्व होण्याची अवस्था (९५-१०० दिवस) पाणी देणे आवश्यक आहे. जर एकच पाणी देणे शक्य असेल तर ते ४०-४२ दिवसानी द्यावे.दोन पाणी देणे शक्य असल्यास ते २०-२२ आणि दुसरे ६०-६५ दिवसांनी द्यावे आणि तीन पाणी देणे शक्य असल्यास ते २०-२२, ४०-४२ आणि ६०-६५ दिवसांनी द्यावे.
- वेळेवर पेरणी केलेल्या गहू पिकासाठी १००-१२० किलो नत्र, ६० किलो स्फुरद आणि ४० किलो पालाश प्रती हेक्टरी पेरणीच्या वेळी द्यावे, तर उशीरा पेरलेल्या गहू पिकास ४० किलो नत्र,४०किलोस्फुरद आणि ४० किलो पालाश प्रती हेक्टरी पेरणीच्या वेळी द्यावा.उर्वरीत ४० किलो नत्र पेरणीनंतर तीन आठवड्यांनी द्यावा.
- खोड किडीच्या नियंत्रणासाठी सायपरमेथ्रीन १० ईसी प्रति १० लिटर पाण्यात पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.

रबी ज्वारी:

- रबी ज्वारीची पेरणी मुग, उडीद किंवा सोयाबीन पीक काढणी नंतर जमिनीतील उपलब्ध ओलाव्यावर करावी. कोरडवाहू रबी ज्वारीची पेरणी १५ सप्टेंबर ते १ ऑक्टोबर दरम्यान करावी,तर बागायती परिस्थितीत ३१ ऑक्टोबरपर्यंत पेरणी करावी.
- अधिक उत्पादनासाठी ४५ x १५ सेमी अंतरावर पेरणी करावी, खोडकीडीच्या नियंत्रणासाठीबियाण्यावर बुरशीनाशक व गाऊचो कीटकनाशक ४ ग्रॅम / किलो बियाणे या प्रमाणात बिज प्रकीया करावी.
- रबी ज्वारीच्या पिकासाठी ८०:४०:४० नत्र, स्फुरद आणि पालाश प्रती हेक्टरी रासायनिक खताची मात्रा द्यावी. त्यापैकी अर्धा नत्र, संपूर्ण स्फुरद आणि संपूर्ण पालाश पेरणीच्या वेळी द्यावा तर उर्वरीत अर्धा नत्र पेरणीनंतर एक महिन्याने द्यावा.
- रबी ज्वारीच्या अधिक उत्पादनासाठी परभणीमोती, परभणी सुपर मोती, फुलेवसुधा, फुले रेवती, पीकेव्ही क्रांती इत्यादी सुधारित वाणांचा वापर करावा.

करडई :

- कोरडवाहू करडईची पेरणी उपलब्ध ओलाव्यानुसार १ ते १५ ऑक्टोबर या कालावधीत करावी.
- अधिक उत्पादनासाठी ४५ x २० सेमी अंतरावर पेरणी करावी. पेरणीनंतर दोन विरळणी करून झाडांची योग्य संख्या राखावी.
- पीबीएन-१२, पीबीएन-४६,पीबीएन-४० (बिनाकाट्याचा), पीकेव्ही पिंक (एकेएस-३११), नारी-६ (बिनाकाट्याचा), नारी एनएच-१ (बिनाकाट्याचा) यासारख्या सुधारित वाणांचा वापर करावा. .
- मावा किडीच्या नियंत्रणासाठी ५ टक्के निंबोळी अर्क किंवा डायमेथोएट ३० ईसी १० मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.

जवस :

- लातूर-९३, एनएल-९७ यासरख्या लवकर येणाऱ्या व अधिक उत्पादन देणाऱ्या सुधारित वाणांचा वापर करावा.
- पेरणी 30 सेमी x 15 सेमी अंतरावर करावी आणि हेक्टरी १० किलो पेरणीसाठी वापरावे. एक ऑक्टोबरपूर्वी पेरणी करावी .
- पिकास प्रति हेक्टरी ५० किलो नत्र आणि २५ किलो स्फुरद द्यावे, त्यापैकी अर्धा नत्र आणि संपूर्ण स्फुरद वेळी द्यावा तर उर्वरीत अर्धा नत्र पेरणीनंतर एक महिन्याने द्यावा.

मोहरी:

- नोव्हेंबरच्या पहिल्या पंधरवड्यात महाराष्ट्रात मोहरीची पेरणी करता येते.
- शताब्दी (सीएएन-)), टीपीएम -१, इत्यादी सुधारित जाती प्रति हेक्टर किलो बियाणे दरासह वापरल्या पाहिजेत. पेरणी 45 सेमी x 20 सें.मी. अंतरावर करावी.
- भुरी रोगाच्या नियंत्रणासाठी फवारणीद्वारे गंधक @ 20 ग्रॅम प्रति 10 लिटर पाण्यात वेळेवर फवारणी करावी .

ऊस:

- पूर्व हंगामी ऊसाची लागवड १ ऑक्टोबर ते १ नोव्हेंबर या कालावधीत करावी, तर हंगामी उसाची लागवड १ जानेवारी ते १ फेब्रुवारी दरम्यान करावी. पूर्व हंगामी उसापासून २५ % जास्त उत्पादन मिळते.
- एमएस-१०००१, व्हीएसआय-८००५, को-८६०३२, को-८०१४ (महालक्ष्मी), कोएम-०२६५ इत्यादी सुधारित वाणांचा वापर जास्त उत्पादनासाठी करावा.

- लागवडीसाठी दोन डोळ्याची २५ ते ३० हजार टिपरी प्रति हेक्टरी वापरावी. शिफारशीनुसार दोन सरीतील अंतर १०० सेमी तर दोन टिपरीतील अंतर २२ सेमी ठेवावे.
- ऊसास लागवडीपूर्वीकीटकनाशके, बुरशीनाशके आणि जैविक खते खते, जसे कीअसिटोबॅक्टर आणि पीएसबीचा वापर करावा. पिकास प्रति हेक्टरी २५०:११५:११५ किलो नत्र, स्फुरद, पालाशची मात्रा द्यावी. नत्र चार हपत्यात विभागून द्यावा.

फळ पिकांशी संबंधित कृषि सल्ला

डाळिंब:

- डाळींब पिकात आंबीया बहरसाठी छाटणी घ्यावी. भगवा आणि सुपर भगवा यासारख्या सुधारित वाणांचा वापर करा. जमिनीच्या प्रकारानुसार पिकास ३० ते ६० दिवसांचा ताण द्यावा. ताण सोडतांना हलके पाणी द्यावे. पिकास पाण्याचा ताण पडू देऊ नये. नवीन फुट काढावी. प्रति झाड ४० ते ५० किलो शेणखत द्यावे. प्रति झाड ४०० ग्रॅम नत्र, २०० ग्रॅम स्फुरद आणि २०० ग्रॅम पालाश द्यावे. नत्र दोन हपत्यात विभागून द्यावे.

लिंबूवर्गीयपिके (संत्री व मोसंबी)

- अंबियाबहराचे व्यवस्थापन करावे. नोव्हेंबर डिसेंबरमध्ये जमिनीच्या प्रकारानुसार पिकास ४५ ते ६० दिवस पाण्याचा ताण द्यावा.
- पिकाला डिंक्या व डायबॅकपासून वाचवण्यासाठीजानेवारी ते फेब्रुवारी महिन्यात झाडाच्या खोड्यावर बोर्डो पेस्ट लावावी.
- पाणी दिल्यानंतर नंतर ४००:२००:२०० ग्रॅम /झाड खताचा डोस वापरा. नायट्रोजन दोन भागात विभागून द्यावे.

आंबा:

- सेंद्रिय पालापाचोळा मल्चिंग साठी वापरावा आणि बागेस सकाळी लवकर, संध्याकाळी किंवा रात्रीच्या वेळी पाणी द्यावे. आंब्याच्या फळांना फळमाशीपासून बचाव करण्यासाठी विद्यापीठाने विकसित केलेले "रक्षक फ्रूट फ्लाय ट्रॅप" प्रति हेक्टरी ४ सापळे बसवावेत. बागा स्वच्छ ठेवण्यासाठी पडलेली फळे गोळा करुन नष्ट करावीत.

केळी:

- पिकाला तीव्र शीतलहरीपासून वाचविण्यासाठी बागेत धूर करावा. तापमान वाढविण्यासाठी रात्रीच्या वेळी बागेस पाणी द्यावे. बागेस सेंद्रिय पदार्थांचा वापर करून आच्छादन करावे. बागेस सकाळी लवकर, संध्याकाळी किंवा रात्रीच्या वेळी पाणी द्यावे.

द्राक्षे:

- द्राक्ष बागेतील ऑक्टोबर छाटणीचे व्यवस्थापन पाण्याच्या उपलब्धतेनुसार करावे. विश्रांतीच्या काळात, झाडावरील पाने वाळू नयेत यास्तवही फक्त आवश्यक तेवढेच पाणी द्यावे. तसेच प्रकाशसंश्लेषण क्रियेद्वारे वेलीतील अन्नद्रव्यांचा साठा वाढविण्यासाठी आवश्यक उपाययोजना कराव्यात. नवीन शूट आढळून आल्यास त्यानुसार पाणी कमी जास्त करण्याची काळजी घ्यावी. जर पाऊस २.५ मिमीपेक्षा जास्त झाला असेल पुढील काळात बागेस पाणी देणे थांबवावे.
- द्राक्ष पिकाच्या थॉम्पसन सीडलेस, तास-ए-गणेश, सोनाका, सुपर सोनाका, शरद सीडलेस यासारख्या सुधारित जाती वापराव्यात.

भाजीपाला पिकांशी संबंधित कृषि सल्ला

- **वांगी**:रब्बी हंगामात सप्टेंबर-ऑक्टोबरमध्ये पिकाची लागवड करावी. अर्का हर्षिता, अर्काउन्नती, अर्काशिरीश, अर्का आनंद, अर्काशिरीष, कल्पतरू, कृष्णा, प्रगती, वैशाली, फुलेहरित, अनुराधा, अरुणा इत्यादी सुधारित वाणांची लागवड

करावी. शेंडा आणि फळे पोखरणाऱ्या अळीचे व्यवस्थापन करावे. प्रादुर्भाव आढळून आल्यास अळ्या हाताने वेचून नष्ट कराव्यात किंवा निंबोळी अर्क ४ % किंवा सायपरमेथ्रीन २५ % ईसी ५ मिली किंवा क्लोरपायरीफॉस २० ईसी २० मिली किंवा डेल्टामेथ्रिन १ % किंवा ट्रायझोफॉस २० मिली १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.

- **टोमॅटो**: अर्का रक्षक किंवा अर्का सम्राट सारख्या तीन रोगस प्रतिकरक्षम वाणांचा वापर करावा. रब्बी हंगामासाठी ऑगस्ट ते सप्टेंबर महिन्यात पिकाची लागवड करावी.
- **कांदा:** बसवंत-७८०, एन-२-४-१, ॲग्री फाउंड लाइट रेड, फुले समर्थ, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा शक्ती, भीमा शुभ्र इत्यादी सुधारित जातींचा रबी लागवडीसाठी वापर करावा. रबी कांद्याची लागवड ऑक्टोबर-नोव्हेंबर महिन्यात करावी. बियाण्यापासून कांदा पिकाची लागवड करण्यासाठी सुधारित कांदा बीज पेरणी यंत्राचा वापर करावा. कांद्याचे शेल्फ लाइफ वाढविण्यासाठी कापणीच्या कंपनीच्या वेळी १ ते २० दिवस अगोदरमॅलिक हायड्रॉक्साईड ३०० पीपीएम द्रावणाचा वापर करावा. कापणीच्या तीन आठवड्यांपूर्वी सिंचन बंद करा.
- **भेंडी:** भेंडीमध्ये भुरी रोगाच्या नियंत्रणासाठी ०.०३ टक्के वेटेबल सल्फरच्या तीन फवारण्या १० ते १५ दिवसांच्या अंतराने घ्याव्यात. परभणीक्रांती, अर्काअनामिका, फुले कीर्ती, उत्कर्ष,पीबीएनओके-१ या सुधारित वाणांचा वापर करावा.

फुलशेती पिकांशी संबंधित कृषि सल्ला

- **गलांडा :** मुरगुडी, फुलझारी इत्यादी सुधारित जातींचा वापर करून चांगल्या निचरा झालेल्या जमिनीत बियाणे किंवा रोपांची लागवड करावी. पिकास लागवडीच्या वेळी ५० किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि ५० किलो पालाश प्रति हेक्टरी द्यावा. उर्वरीत ५० किलो नत्र लागवडीनंतर ३० दिवसांनी द्यावा.
- **झेंडू**: झेंडू चांगल्या निचरा होणाऱ्या जमिनीत ६० x ४५ सेमी अंतरावर लावावा. स्थानिक लाल, स्थानिक पिवळ्या, बंगलोर लोकल, नारंगी क्रश पाईनॅपल क्रश, पुसा बसंतीगेंदा इत्यादी सुधारित जातींचा वापर करावा. पिकास लागवडीच्या वेळी ५० किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि ५० किलो पालाश प्रति हेक्टरी द्यावा. उर्वरीत ५० किलो नत्र लागवडीनंतर ३० दिवसांनी द्यावा.
- **शेवंती:**शेवंती लागवडीसाठी चांगली निचरा होणारी जमीन निवडावी. संकर-१, गुलदस्ता, राजा, पिवळीरेवडी, पांढरीरेवडी, झिपरी, बीरबलसाहनी इत्यादी जाती लागवडीसाठी निवडाव्यात. हेक्टरी ११२००० लागवडीसाठी वापरावी. पिकास लागवडीच्या वेळी ७५ किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि ५० किलो पालाश प्रति हेक्टरी द्यावा. उर्वरीत ७५ किलो नत्र लागवडीनंतर ३० दिवसांनी द्यावा.
- **निशिगंध**: निशिगंधाच्या कंदांची लागवड चांगल्या निचऱ्याच्या जमिनीत ३० x ३० सेमी अंतरावर करावी. पिकास लागवडीच्या वेळी ५० किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि ५० किलो पालाश प्रति हेक्टरी द्यावा. उर्वरीत ५० किलो नत्र लागवडीनंतर ३० दिवसांनी द्यावा. लागवडीसाठी सिंगल, डबल, फुलेरजनी, शृंगार,रजत, कोलकाता सिंगल, प्रज्ज्वल इत्यादी सुधारित व जास्त उत्पादन देणाऱ्या जातींचा वापर करावा.
- **ग्लॅडिओलस**: ग्लॅडिओलसच्या कंदांची लागवड चांगल्या निचऱ्याच्या जमिनीत ३० x ३० सेमी अंतरावर करावी.पिकास लागवडीच्या वेळी ५० किलो नत्र, ५० किलो स्फुरद आणि ५० किलो पालाश प्रति हेक्टरी द्यावा. उर्वरीत ५० किलो नत्र लागवडीनंतर ३० दिवसांनी द्यावा. अप्सरा, मीरा, सपना, पुनम, फुलेगणेश, फुले प्रेरणा, फुलेतेजस, निर्लेखा, व्हाईट प्रॉस्परिटी इत्यादी सुधारित जातींचा वापर करावा.
- **चमेली गट**: या गटात मोगरा, चमेली, जाई, जुई, काकडा इत्यादि फुलांचा समावेश होतो. या गटातील फूल पिकांची लागवड चांगल्या निचऱ्याच्या जमिनीत करावी. लागवड करताना २०:२०:२० ग्रॅम नत्र, स्फुरद, पालाश / झाडद्यावे. दोन महिन्यांनंतर २० ग्रॅम नत्र / झाडद्यावे. एक वर्षानंतर रोपांची छाटणीच्या वेळी १००:५०:५० नत्र, स्फुरद, पालाश / हेक्टरी वापरावे. विविध फूल पिकांच्या सिंगल, डबल, मोतीया, मदनबान, गुंडमलाई, बेला, बंगलोर, इत्यादी सुधारित जातींचा वापर करावा.
- **गुलाब**: गुलाबाची लागवड हलक्या ते मध्यम पाण्याचा चांगला निचरा होणाऱ्या जमिनीत १५० x १५० सें.मी. अंतरावकरावी. रोपांची छाटणी करताना प्रति झाड २० ग्रॅम नत्र, १५ ग्रॅम स्फुरद व १५ ग्रॅम पालाश द्यावे. केवडा आणि

भुरी रोगाच्या नियंत्रणासाठी पिकावर कॉपर ऑक्सीक्लोराईड२० ग्रॅम किंवा कॅप्टन १० % डब्ल्यूपी २ ग्रॅम प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणीकरावी.

पशुधन आणि मत्स्य व्यवसायाशी संबंधित सल्ला

- **गोवंशीय पशुधन**: जनावरांना तोंडखुरी आणि पायखुरी या घातक विषाणूजन्य आजारापासून वाचविण्यासाठी सप्टेंबर-ऑक्टोबर आणि मार्च-एप्रिल असे वर्षातून दोनदा लसीकरणपूर्ण करावे.
- **शेळीपालन**: शेळयांचा पीपीआर या रोगापासून बुळकांडी रोगाचे लसीकरण दर तीन वर्षांतून एकदा करावे.
- **कुक्कुटपालन**: कोंबडीच्या ग्रामप्रिया, कावेरी, वनराजा आणि गिरिराजा या सुधारित व अधिक उत्पादन देणाऱ्या जाती पाळाव्यात. हा तोटा टाळण्यासाठी, नुकसान टाळण्यासाठी पक्षांचे डी-बिकिंग करावे. पुरेशी जीवनसत्त्वे (ए, डी, ई, के) आणि खनिजे (कॅल्शियम, फॉस्फरस आणि सोडियम) यांचा आहार किंवा पाण्यातून नियमितपणे पुरवठा करावा.
- **चारा व्यवस्थापन**: जनावरांना वर्षभर हिरव्या चाऱ्याची कमतरता भासू नये यासाठी बीएनएच-१०, फुले गुणवंत आणि डीएचएन-६ सारख्या सुधारित जातींची लागवड करावी.
- **मत्स्य पालन**: एनएचएम आणि राज्य कृषी विभागांतर्गत निर्माण झालेल्या शेत तळ्यांचा वापर वर्षभर पाणी उपलब्ध असल्यास मत्स्य संवर्धनासाठी करावा. रोहू, कटला, मृगल आणि सिप्रिनस यासारख्या मिश्र माशांच्या जाती तलावांमध्ये चांगल्या वाढू शकतात. बायोफ्लॉक तंत्राने मत्स्यसंवर्धन करावे.

कृषि संलग्न उद्योगांशी संबंधित सल्ला

- **रेशीम उद्योग:**रेशीम उद्योगासाठी तुतीच्या व्ही-१ जातीची लागवड करावी. एक एकरातील पाला २०० अंडीपुंजांसाठी पुरेसा होतो. सुमारे १७०० चौरस फूट जागा (शेड) आवश्यक आहे. रेशीम कोषाचे कोशाचे उत्पादन आणि गुणवत्ता वाढविण्यासाठी पाचव्या फीडिंगच्या वेळी सेरीमोर या वाढ संप्रेरकाची एक एम्प्यूल / ५० अंडीपुंज या प्रमाणात करावी. तसेच रेशीम किड्यांच्या एकसारख्या वाढीसाठी कोष तयार होण्याच्या ५-१० % नमुन्याच्या वेळी संपूर्णा हे संप्रेरक एक एम्प्यूल / 50अंडीपुंज या प्रमाणात एक फवारणी करावी. मेकॅनिकल हारवेस्टर चा वापर करावा.

पिकांचे काढणीपश्चात व्यवस्थापन आणि मूल्यवर्धनाशी संबंधित सल्ला

- **मोसंबी**: मोसंबीच्या फळांचे आयुष्य वाढविण्यासाठी मोसंबीची फळे शीतगृहात उणे ६ अंश सेल्सिअस तापमानात ९० दिवस साठवून ठवावे.
- **द्राक्षे:**द्राक्षापासून माणूकए तयार करावे. फळांचे आयुष्य वाढविणसाठी फळे शीतगृहात ठेवावीत.
- **आवळा**: आवळाफळांवर प्रक्रिया करुन त्यापासून कँडी, पल्प, सिरप, आवळापावडर, आवळा सुपारी असे मूल्यवर्धित पदार्थ बांववेत.
- **डाळिंब**: डाळींब फळापासून अधिक उत्पन्न मिळविण्यासाठी डाळिंबापासून अनारदाना, डाळिंबाचा रस इत्यादी मूल्यवर्धित पदार्थ तयार करावेत.
- **भाज्या**: टोमॅटो पासून केचप, सॉस तयार करावा. हिरव्या आणि लाल मिरचीचे रूपांतर चिली सॉस, लाल मिरची पावडर, हिरवी मिरची पेस्ट इत्यादी मूल्यवर्धित पदार्थात करावे.
- **धान्य आणि डाळी**: ज्वारी, गहू यासारखे धान्य दीर्घ मुदतीच्या साठवणीसाठी १४ टक्क्यांपेक्षा कमी आर्द्रतेवर साठवून ठेवावे. गहू, तांदूळ इत्यादींच्या धान्य साठवणीसाठी सुधारित धान्य साठवणीच्या पिशव्या वापराव्यात. तूर, हरभरा, मूग, उडीद यासारख्या कडधान्य पिकावर प्रक्रिया करून डाळ तयार करावी. बाजारात जास्त भाव मिळण्यासाठी आकर्षक पॅकेजिंग व मार्केटिंग तंत्र वापरावे.

शेती यांत्रिकीकरण आणि मृद व जलसंवर्धनाशी संबंधित सल्लाः

- जमिनीतील ओलाव्याचे मुलस्थानी जलसंवर्धन करण्यासाठी आणि बाष्पीभवनाद्वारे होणारा पाण्याचा ऱ्हास कमी करण्यासाठी जमिनीची कमीत कमी मशागत करावी. जमीन तयार करण्यासाठी नांगरणी
- हरभरा पिकाची पेरणी बिबीएफ द्वारे करून मुलस्थानी जलसंवर्धन करावे.
- हरभरा पिकास फुलोरा आणि घाटे भरण्याच्या नाजुक अवस्थेत तुषार किंवा ठिबक सिंचनाद्वारे पाणी द्यावे.
- गहू, हरभरा, करडई इत्यादी पिकांच्या कापणीसाठी मेकॅनिकल हार्वेस्टरचा वापर करावा.
- रबी कांद्याची पेरणी क्रीडा विकसित कांदाबीज पेरणी यंत्राद्वारे करावी.

महिला शेतकाऱ्यांशी संबंधित सल्ला

- महिला शेतकऱ्यांनी हंगामी पिकात श्रम कमी करणाऱ्या सायकल कोळप्याचा वापर करावा.
- ज्वार, बाजरी व तत्सम पिकांच्या काढणीसाठी सुधारित दातेरी विळ्याचा वापर करावा.
- शेडनेट मधील भाजीपाला रोपांच्या पुनरलागवडीसाठी महिलानी सुधारित व्हेजिटेबल ट्रान्सप्लांटरचा वापर करावा.
- शेतकरी महिलांनी आपल्या कुटुंबाच्या पोषण सुरक्षेसाठी आपल्या घरच्या आवारात किंवा शेतात आदर्श पोषणबाग विकसित करावी.
- रबी हंगामात महिलांनी आपल्या पीकपद्धतीत पोषक तृणधान्यांचा समावेश करावा. यात ज्वारी, बाजरी, राळा, भगर, नाचणी, इत्यादि पिकांचा समावेश होतो.
- महिला शेतकऱ्यांनी रबी हंगामात ज्वारीची लागवड हुरड्यासाठी करून त्यापासून अधिक उत्पन्न मिळवावे.

*****

गुजरात (गुजराती)
Gujarat (Gujarati)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]

[illegible]

- [illegible] વિસ્તારમાં, સીંગદાણા અને ચિબડા બંધ કરવું. અઠવાડિયાં પુરાવાળા ખાતરી કાર્યક્રમમાં અઠવાડિયાં નક્કીકરાવ અને તે પ્રકારના ચિબડા આપવાં.

[illegible]

- ચિબડા પરિસ્થિતિમાં કાર્યક્રમમાં અઠવાડિયાં પુરાવા ખાતરી આપવાં.
- અઠવાડિયાંની ઉત્પાદકી અને રાષ્ટ્રીયકાર્ય મજુરીકાર પુરાવા સર્વે ૧ ચિબડા આપવાં.
- કાર્યક્રમોમાં ખાતરીના ચિબડા ટાઇમ ખાતરીમાં અને-ચિબડા અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં સીધી રાહ સીમ્પલ્ટ અઠવાડિયાં.
- કાર્યક્રમોમાં તરફે અઠવાડિયાં ચિબડાંમાં પુષ્ટીમાંના ટ્રેખાં સીમ્પલ્ટ કરવાં.

<u>[illegible] અઠવાડિયાં પાકી.</u>

[illegible]

- [illegible] અને ચિબડાંના પુરાવાના ચિબડાંમાં. [illegible] ([illegible], ૧૧૦૧૪૧), [illegible] ૧૦ ([illegible] ૧૧૦૧૪૧) [illegible] ([illegible], ૧૦૧૪૧), [illegible] ([illegible], ૧૦૧૪૧) અને જેથી [illegible] ચિબડા અને અઠવાડિયાં ચિબડાંમાં અને [illegible], [illegible], [illegible] અઠવાડિયાં કરવાં સર્વે જેથી [illegible] ૧૫૦૦૦ અને અઠવાડિયાં દ્વારા અઠવાડિયાં ૧૦૦૦૦ તે અઠવાડિયાં દ્વારા ઉત્પાદકોમાં ચિબડા.
- [illegible] ચિબડા દ્વારાનાં અઠવાડિયાં કરવાં અને ચિબડા દ્વારાની ખેતરાં ૧૦૦ અને અઠવાડિયાં-૬ અને ૧૦૦ [illegible]. ચિબડાંમાંના, ૨૫૦ [illegible] અઠવાડિયાં ચિબડાંની અઠવાડિયાં ૨૫૦ ચિબડાં દ્વારાની અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં કરવાં.
- [illegible] અઠવાડિયાં અને [illegible] અને દ્વારાની, ૦૫૦૦ જેથી [illegible] અને અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં કરવાં છે.

[illegible]

- અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં કરવાં અઠવાડિયાં જેથી [illegible] ચિબડાંમાં [illegible] ૧૦ [illegible], [illegible] અઠવાડિયાં અને [illegible] અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં કરવાં.
- ચિબડા ચિબડાંમાં અને અઠવાડિયાં અને ૩.૬ [illegible] અઠવાડિયાં અને ચિબડા ચિબડાંમાં અને ૩. [illegible] અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં ૩.૬ [illegible] અઠવાડિયાં અને જેથી [illegible] અને અઠવાડિયાં કરવાં અને દ્વારાના [illegible] ૧૦-૧૦ [illegible] ચિબડાંમાં અઠવાડિયાં. [illegible] ૪ ૨૧૬ [illegible] અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં કરવાં.

[illegible]

- અઠવાડિયાંની અઠવાડિયાં અને અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં ૩.૧૪૬૪-૧૧૧, ૩.૧૪૬૪-૧૧૧ અને ૩.૧૪૬૪-૧૧૧અને અઠવાડિયાં છે. અઠવાડિયાં જેથી અઠવાડિયાં અને ૩.૧૪૬૪-૧.૩૧ અને ૩.૧૪૬૪-૧૧ જેથી અઠવાડિયાં કરવાં.
- પુરાવાના કારણમાં અઠવાડિયાં દ્વારાનાંમાંની ચિબડાંમાંની કરી અઠવાં ચિબડાં અઠવાડિયાં અઠવાડિયાં અઠવાં અઠવાં અઠવાડિયાંમાં અઠવાડિયાંની અઠવાંની કરી અને ચિબડાંમાં ચિબડાં કરવાં છે.

- ઉનાળા મગફળીમાં રોપાઈને ઉત્પાદન મેળવે છીએ તે પદ્ધતિમાં વાવણીથી ૧૦ દિવસે, હેક્ટરે ૧૦૦ કીલો મગફળી વિઠોલીના ૪ કિલોથી, હ ૨૦૦ કીલો પાંદડી ૪ કિલો ચણીયા ખોળથી ૨૦૦ કિ.ગ્રા. કિલોગ્રામથી નીંદણ ખાતરના ખાખરાથી રોપાઈને રોપાણ બોલી કરી શકાય છે.

કૃષિકારી

- શિયાળુ કૃષિકારી માટે મગફળીના બોરડીના ખાતરમાં વધુ ફોસ્ફર કરવું, ત્યારબાદ વધુ પુષ્પકૂટી દીઠ શિયાળીના કારણ મજૂર જણાતાં તે કોરાં ખોડવાઈગયાંઃ હ ૧૦ ગ્રામ/૧૦ લી. ખાતરીમાં પોટાશી મગફળીમાં ખાતરનું ખાતરમાં છંટકાવ કરવો.
- ઉનાળા કૃષિકારીની ખાતરી : મૂ.પે.ખાત ખો.-૧૧, પુખ્ત ઉંટ, લીંબુ કડીયો.
- ઓફર કૃષિકારીની ખાતરી : મૂ. પે. ડાબણુ ખો.-૧, મૂ.પી. ડાબણુ ખો.-૧, લીંબુ ઉંબર, લીંબુ ઓફર, ખાતીકરાડ.

ખાતરી

- શિયાળુ ખાતરીમાં ખાતરના બોરડીમાં ખાતરમાં નીંબુ ખાખરાડીમાંથી ખાતરમાં ખાતરમાં પુખ્ત ખાખરાડીમાં કરવામાં કરવામાં કરવાની સલાહ છે.
- ખાતર : મૂ.પી.ખાત.પોપ.પોપ.-૧ (ઉંબર, ખાતર ખાતરી ઉંબરિયુ પુષ્પકરાડ)
  મૂ.પી.ખાત.પોપ.પોપ.-૧ (ખાતર ખાતરી ઉંબરિયુ પુષ્પકરાડ)
  મૂ.પી.ખાત.પોપ.પોપ.-૧ (ખાતર પુષ્પકરાડ)
- ઉંબર ખાતરી ગર્ભ ત્રણવાર ખાત ખાખરાડીમાં ડાબણી રોપાઈગયાં રોપાઈગયાં કરવામાં ડાબણુ ડાબણુ વિઠોલીના મૂળિયાંમાંથીનીંદણ ખાતરમાં ખાખરાડીમાં ખાતરીમાં હ ૧૦ ગ્રામ/૧૦લી. ખાતરીમાં પોટાશી ઉંબરમાં કરવામાં કરવી. વધુ ખાતર રોપાઈગયાં ખાતરીમાંથી પોટાશીમાં પોટાશીમાં પોટાશીમાં ૪ કિલો મૂ. હ ૧ ગ્રામ ખાતરમાં ઓફરાઈગયાંનીંદણોમાં ૧૮.૧૮ કિલોથી, ૨૦ નીંદણી, ૧૦ ઓફર ખાતરીમાં પોટાશીથી બંધૂકી ઓફર નીંદણમાં કે નીંદણ ઉંબરમાં રોપાઈગયાં મૂળિયાંમાં ખાતરી કે નીંદણ ઉંબરમાં કરવાની.

ખાતર

- ખાતરીમાં ખાતરમાં પુખ્ત ખાખરાડીમાં કરવામાં મૂળિયાંમાં ખાતર મૂ.પી.-૧ ખાતરમાં મૂ.પી.-૧ નું ખાતરીમાં કરવું.
- મૂળિયાં ખાતરી ઝાડીમાં નીંદણ રોપાઈગયાંથી ખાતરમાંથી પોટાશમાં ખાતરી ખાતર ઝાડું ખાતરમાંથી નીંદણ મૂળ ખાતરમાંથી ઝાડમાંથી રોપી પોટાશી કરવામાં કરવાની.
- ઝાડમાંથી રોપાઈગયાં પોટાશીમાં કરવા પોટાશીમાંથીખાતરીમાં ૧૦ પોટાશી ખાતરમાં કરવામાંથીખાતરીમાં ૪ પોટાશી ૧૦ ઓફર ખાતરીમાં પોટાશી ઉંબરમાં કરવાની.

ઝાડ

- ખાતરમાં ખાતરમાં પુખ્ત ખાખરાડીમાં કરવામાંથી મૂળિયાંમાં ખાતર મૂ.પી.-૧ ખાતરમાં મૂ.પી.-૧ નું ખાતરીમાં કરવું.

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]

Zone-IX

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESH

रबी 2021-22 के लिए सलाह

गेंहूँ

असिंचित क्षेत्र में नमी के संरक्षण के लिए परती खेत तैयार करें।

- किस्म का चयन करें जैसेः सी-306, जे.डब्लु. 3020, जे.डब्लु. 3280, जे.डब्लु. 3137, एच.आई.1531
- एक या दो सिंचाई की सुविधा कीस्थिति में जे.डब्लु. 3288, जे.डब्लु. 3020, जे.डब्लु. 3211, एच.आई.1531, एच.आई.74672 इन गेंहूँ की किस्मों का चयन करें।
- सिंचित में समय पर बुवाई की स्थिति (15-30 नवंबर) के लिए उच्च उपज देने वाली किस्मों जैसे-जे.डब्लु. 3382, जे.डब्लु. 3465, जे.डब्लु. 1201, जी.डब्लु. 322, जी.डब्लु. 273, जी.डब्लु. 366 का उपयोग करें।
- सिंचित में देर से बुवाई की स्थिति (1-30 दिसंबर) के तहत जल्दी और देर वाली सहनशील किस्म जैसे-जे.डब्लु.3336, एन.आई.1633, एच.डी.2864, एच.डी. 2932 और लोक-1 को दी जानी चाहिए।
- बीज को मृदा जनित रोगजनकों से बचाने के लिए कवकनाशी (विटावैक्स या थीरम) 2.5 ग्राम/कि.ग्रा. बीज से उपचार करें।

- प्रति हेक्टेयर की बुवाई के लिए 100 किग्रा बीज दर होनी चाहिए, 1000 बीज के दाने का वजन (38-40 ग्राम) होने की अवस्था में 2 कि.ग्रा.बीज बढ़ाया जा सकता है।

- संभावित उपज की कटाई के लिए उर्वरक की अनुशंसित खुराक का प्रयोग करें
    - एफआर - 40:20:10 एन पी के किग्रा/हेक्टेयर
    - सीमित/आंशिक सिंचाई - 60:40:30 एन पी के किग्रा/हेक्टेयर
    - सिंचाई - 120:60:40 एन पी के किग्रा/हेक्टेयर
- अच्छी उपज की कटाई के लिए मृदा परीक्षण मूल्य के अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग
    - जिंक- 25 किग्रा/हेक्टेयर
    - सल्फर- 10 किग्रा/हेक्टेयर
    - बोरेक्स- 2 किग्रा/हेक्टेयर
- उपलब्धता के अनुसार सिंचाई का प्रबंधन
    - एक सिंचाई - 35-40 दिन
    - दो सिंचाई - 30-35 दिन
60-65 दिन
    - पांच से छह सिंचाई - 20-25 दिन
40-50 दिन
65-70 दिन
85-90 दिन
100-105 दिन
- खरपतवार नियंत्रण के लिए उपयुक्त शाकनाशी का आवश्यक उपयोग होना चाहिए
    - चौड़ी पत्ती - 2-4 डी @ 0.5 किग्रा सक्रिय तत्व/हेक्टेयर
मेटसल्फ्यूरॉन @ 8-10 ग्राम सक्रिय तत्व/हेक्टेयर
    - संकीर्ण पत्ती - सल्फोसल्फ्यूरॉन @ 25 ग्राम सक्रिय तत्व/हेक्टेयर
क्लोडिनोफॉप @ 100 ग्राम सक्रिय तत्व/हेक्टेयर
- उचित परिपक्वता पर फसल की कटाई करें और इसे भंडारण से पहले सौर उपचार दें ताकि कीटों से होने वाले नुकसान से बचा जा सके।
- मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए 3 टन गोबर की खाद का उपयोग करें।
- पीएसबी और एजोटोबैक्टर 10-20 ग्राम/किग्रा बीज उपचार से हमेशा उत्पादन में सुविधा होती है।

चना

- उच्च उपज देने वाली और कीट सहिष्णु किस्मों का उपयोग जे.जी. 315, जे.जी. 74, जे.जी.322, जे.जी.14, जे.जी.11, जे.जी.130, जे.जी.16, जाकी 92-18, जे.जी.63, जे.जी. 412, जे.जी.226, जे.जी.36, पी.बी.जी. 1, बी.जी. 267, जी.एन.जी. 146, आर.वी.जी. 201, आर.वी.जी. 202।
- काबुली चनाकी उचित उत्पादन देने वाली किस्मजे.जी.के. 1, जे.जी.के.2, जे.जी.के.3, के.ए.के. 2 और गुलाबी (देशी) चनाकिस्म जे.जी.के.1 का बुवाई के लिए उपयोग करें।
- बीज और पानी की बचत के लिए रिज और फरो विधि या रेज बेड विधि का उपयोग करके नवंबर के पहले पखवाड़े में बुवाई कर लेनी चाहिए।

- चना+धनिया/सरसों की अंतरफसल 8:2 के अनुपात में करनी चाहिए।
- मृदा जनित रोगों के प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा कल्चर 5 किग्रा/हेक्टेयर में वर्मीकम्पोस्ट मिलाकर बुवाई से पहले मिट्टी में मिलाना चाहिए।
- बीज उपचार थियोफैनेट-मिथाइल पायरोक्लोस्ट्रोबिन 2 मिली 1.0 ग्राम बोरान, 1.0 ग्राम मोलिब्डेनम के साथ 8 ग्राम राइजोबियम और 10 ग्राम पीएसबी कल्चर से किया जाना चाहिए।
- जैविक बीज उपचार 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा कल्चर, 5 ग्राम राइजोबियम और 5 ग्राम पीएसबी कल्चर से करना चाहिए।
- फली बेधक के प्रबंधन के लिए प्रति हेक्टेयर 50 बर्ड पेरचर, 10 फेरोमन ट्रैप और 1 लाइट ट्रैप लगाना।
- कीट के प्रकोप के प्रारंभिक चरण में 750 मिली बैसिलस थुरिंजिएन्सिस, 500 मिली एनपीवी, 750 मिली मेटेरिजियम एनिसोप्लिया और 1 लीटर/हेक्टेयर ब्यूवेरिया बेसियाना का प्रयोग करना चाहिए।

अलसी

- अलसी की फसल की उच्च उपज देने वाली बहु प्रतिरोधी किस्मों जैसे जेएलएस 66, जेएलएस 73, जेएलएस 95, आरएलसी 148, आरएलसी 164 वर्षा आधारित और जेएलएस 79 आरएलसी 167 सिंचित परिस्थितियों में उपयोग करें।
- बीज को उपयुक्त कवकनाशी कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम + मेंकोजेब 1 ग्राम और इमिडाक्लोप्रिड 48 एफएस/1.25 मिली/किलोग्राम बीज या ट्राइकोडर्मा विरडी 10 ग्राम/किलोग्राम बीज के साथ पीएसबी और एजाटोबैक्टर 10 ग्राम/किग्रा बीज के साथ बेहतर अंकुरण के लिए उपचारित करना चाहिए।
- बीज दर -बारानी और सिंचित परिस्थितियों में क्रमशः 30 किलो और 25 किलो से कम बीज दर का उपयोग किया जाना चाहिए। बेहतर अंकुरण और पौधे के स्टैंड के लिए सूखी बुवाई के बाद सिंचित किया जाता है।
- उर्वरकों को 80:40:20:20:5 और 40:20:20:10:5 एनः पीः केः एसः जिंक की सिफारिश क्रमशः सिंचित और बारानी परिस्थितियों में की जाती है।

- खरपतवार मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 4 ग्राम सक्रिय तत्व + क्लोडिनोफॉप 60 ग्राम/1.25 हेक्टेयर के भूमि खरपतवार प्रबंधन के खिलाफ 2-3 पत्ती अवस्था में या बुवाई के 18-20 दिनों के बाद प्रभावी होती है। यांत्रिक निराई डोरा, कुल्फा, चक्र या हाथ से निराई भी पौधे के बेहतर वातन और मिट्टी के ऊपर के लिए प्रभावी है।
- फसल की बेहतर वृद्धि और पौधों की सुरक्षा के लिए वानस्पतिक स्तर पर कवकनाशी और कीटनाशक के साथ एनः पीः केः 19:19:19 का पर्ण छिड़काव प्रभावी है। कम आरपीएम के तहत कम्बाइन हार्वेस्टर और रीपर कम बाइंडर भी मजदूरों की लागत को कम करने के लिए फसल की कटाई के लिए उपयोग कर सकते हैं।

सरसों

- मध्य प्रदेश राज्य के लिए अनुशंसित किस्में हैं- पूसा तारक, पूसा महक, पूसा अग्रानी और पूसा आदित्य
- **मिट्टी और खेत की तैयारीः** अच्छी जल निकासी वाली, हल्की मिट्टी, रेतीली दोमट या हल्की दोमट इसके लिए बुवाई से पहले सिंचाई की आवश्यकता होती है, इसके लिए बारीक, सख्त नम क्यारी की आवश्यकता होती है।
- **बुवाई का समय-**सबसे अच्छा समय मध्य अक्टूबर से मध्य नवंबर है। देर से बुवाई से बचना चाहिए क्योंकि एफिड (कीट) के प्रकोप से फसल को नुकसान होता है।
- **बीज दर और पतलापनः** 5 किलो बीज/हेक्टेयर का प्रयोग करें, बीज को देशी हल के पीछे पंक्ति में या सीड ड्रिल मशीन की सहायता से 30 सेमी पंक्ति से पंक्ति की दूरी पर बोयें। खेत में पौधे की आबादी को बनाए रखने के लिए, बुवाई के 15-20 दिनों के बाद पौधे को पतला करने की क्रिया की आवश्यकता होती है।
- **बुवाई से पहले की अवस्थाः** गर्मियों में गहरी जुताई करें ताकि फफूंद के बीजाणु और कीटों की अवशिष्ट आबादी को नष्ट किया जा सके, पानी की उचित निकासी, फसल चक्र और बीज और उर्वरकों की संतुलित मात्रा सुनिश्चित की जा सके, क्षेत्र की सिफारिश पर 15 किलो जिंक सल्फेट $ सल्फर/ हेक्टेयर डालें। कीट के मलबे और पिछली फसल के अवशेषों को हटाने के लिए पेन्टेड बग के संक्रमण और रोग पैदा करने वाले रोगजनकों से बचने के लिए बुवाई की अवस्था उचित समय पर बुवाई (01-31 अक्टूबर) जो एफिड्स और बीमारियों की घटनाओं से बचाती है, ट्राइकोडर्मा आधारित उत्पाद 2.5 किग्रा का मृदा समावेश/हेक्टेयर मिट्टी जनित रोगजनकों के प्रबंधन के लिए 60 किलोग्राम अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद में या ट्राइकोडर्मा आधारित उत्पाद 10 ग्राम/किग्रा या मेटलैक्सिल-एम 31 प्रतिशत ई. एस. 6 मिली/किलोग्राम बीज के साथ बीज उपचार बीज जनित रोगजनकों के प्रबंधन करें।
- **अंकुर और वानस्पतिक अवस्थाः** पौधों की अनुशंसित दूरी या इष्टतम पौधों की आबादी को पतला करके बनाए रखें, पेन्टेड बग से बचाने के लिए बीज बोने के चरण में फसल की सिंचाई करें।
- खरपतवार रहित फसल प्रबंधन खेत का साफ रखरखाव जो रोगजनकों के लिए संपार्शिवक मेजबान के रूप में कार्य करता है फसल की नियमित निगरानी और कीट पीड़ितसंक्रमित पौधों को नष्ट करना, सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे बोरान और जस्ता का छिड़काव भी कीट प्रबंधन में बहुत उपयोगी है। स्क्लेरोटिनिया सड़ांध को कम करने के लिए वानस्पतिक अवस्था के बाद सिंचाई से बचना चाहिए। शुरूआती हमले में एफिड प्रभावित टहनियों को हाथो से हटायें। एफिड्स के प्राकृतिक शत्रुओं का संरक्षण अर्थात् कोकिनेला सेप्टमपंकटाटा, क्राइसोपरला कार्निया, सिरफिड फ्लाई, आदि।
- **सिंचाई-**अच्छी उपज क्षमता प्राप्त करने के लिए 2 से 3 सिंचाई की आवश्यकता होती है।
- **खरपतवार नियंत्रणः** बुवाई से पहले फ्लूक्लोरालिन 1.0 लीटर/हेक्टेयर या बुवाई के बाद एवं अंकुरण से पूर्व पेंडिमथेलिन 1 से 1.5 लीटर/हेक्टेयरकी दर से,40-45 दिन बाद में फसल की हाथ से निराई में अधिकांश खरपतवारों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

गन्ना

- **अधिक उपज और चीनी वाली किस्में-** सी.ओ.जे.एन. 86-600, सी.ओ.जे.एन. 86-141, सी.ओ.जे.एन. 9505, सी.ओ.सी. 671, सी.ओ. 94008 (श्यामा), सी.ओ.एम. 88121 (कृष्णा), सी.ओ. 86032 (नयना) मध्य प्रदेश के लिए अनुशंसित हैं।
- **खेत की तैयारीः** प्रारंभिक जुताई दो डिस्क हल से और उसके बाद आठ डिस्क जुताई करें और गहरी जुताई के लिए कल्टीवेटर का उपयोग करके मिट्टी को भूरभूरी करने के लिए रोटोवेटर का एक बार जुताई करें ताकि अच्छी भूरभूरीएवं खरपतवार और ठूंठ से मुक्त हो सके। उचित सिंचाई के लिए खेत को समतल करें। विक्टर हल या ट्रैक्टर से खींचे गए रिजर की मदद से 80 सेमी की दूरी पर रिज्ड बनाये और फरो की गहराई 20 सेमी होनी चाहिए। 10 मीटर के अंतराल पर सिंचाई चैनल बनायें।
- गन्ने के पृथक सेटों पर हल्की मिट्टी (3-4 सेमी) गहराई का आवरण रोपण हो। गन्ने की कलियों का अंकुरण प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है यदि गन्ने के सेटों को ढक दिया जाता है और मिट्टी के भारी भार के साथ विशेष रूप से महीन बनावट वाली मिट्टी की स्थिति में डाल दिया जाता है।
- गन्ने के सेटों में पर्याप्त नमी (18-20 प्रतिशत) और अच्छी नमी सामग्री (महत्वपूर्ण नमी सामग्री 50.3 प्रतिशत) रोपण के समय होनी चाहिए।
- अंतिम जुताई के पहले की परिस्थिति में 12.5 टन/हेक्टेयर गोबर की खाद या 25 टन/हेक्टेयर कम्पोस्ट खाद को फरो में अच्छी तरह से शामिल किया जा सकता है।
- **उर्वरकः-** गन्ने के लिए 300 किलो नाइट्रोजन, 85 किलो और 60 किलो पोटाश की सिफारिश की जाती है। फास्फोरस और पोटाश को रोपण से पहले और नाइट्रोजन को चार भागों में लगाया जाता है।
- उपचार सेट करें रोपण के लिए स्वस्थ सेटों का चयन करें। सेट को 100 लीटर पानी में 50 ग्राम कार्बेन्डाजिम, 200 मिली और प्रोफेनोफोस के साथ 15 मिनट के लिए भिगोना चाहिए। नम गर्म हवा से उपचारित बीज का प्रयोग करें।
- **बीज दरः** 1,25000 आँख कली/हेक्टेयर या 100 क्विंटल/हेक्टेयर।
- गन्ने की बीज की फसल को सिफारिश के अनुसार पर्याप्त रूप से खाद और उर्वरक दिया जाना चाहिए। इंटर्नोड में फॉस्फोरस कली सुप्तता के जल्दी टूटने की प्रक्रिया में योगदान देता है।
- जितनी अधिक देर तक रुका रहेगा अंकुरण उतना ही कम होगा, लेकिन बासी गन्ने के अंकुरण को रोपण से पहले तीन घंटे के लिए पानी में भिगोकर भी सुधारा जा सकता है।
- बुवाई के लिए 8-10 महीने की गन्ने की फसल का उपयोग करना चाहिए।
- **प्रॉपिंगः** फसल के 210 दिन की उम्र में दो लाइन को पत्तियों से मोड़ कर प्रॉपिंग करें।
- **रतून फसल प्रबंधनः** कचरा को खेत से हटा दें इसे मत जलाओ। नुकीले फावड़े के साथ 4-6 सेमी की गहराई तक स्टबल शेविंग का पालन करें, जिसमें उचित नमी हो। संघनन को तोड़ने के लिए मेढ़ों के किनारों के साथ कूपर हल के साथ काम करें।
- खरपतवार नियंत्रण के बाद नाइट्रोजन का अंतिम प्रयोग करें।
- हवा की गति से रुकने से रोकने के लिए गन्ने के पौधों को एक साथ बांधें।
- गन्ने की फसल में गप्पे वाले क्षेत्रों को स्टबल शेविंग के 30 दिनों के भीतर भर दिया जाना चाहिए। उसी खेत से ली गई अंकुरित गन्ने की ठूंठ पूर्ण स्थापना के लिए सर्वोत्तम सामग्री है। अगली सबसे अच्छी विधि पॉलीबैग में उगाई गई पौध से गैप फिलिंग है। पौधों की फसल के लिए अनुशंसित जैविक खाद और सुपर फॉस्फेट की बेसल खुराक डालें।

बागवानी

- बाग की जुताई करें और बाग से खरपतवार हटा दें।
- वातन और खरपतवार नियंत्रण में सुधार के लिए मिट्टी की जुताई करना।

- नए युवा पौधों को पाले से बचाएं। पाले से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए नए पौधों को हल्की सिंचाई करें। छोटे गैर-असर वाले पौधों को पुआल से ढकने की भी व्यवस्था की जानी चाहिए।

- दीमक और किसी भी अन्य कवक रोगों की बार-बार होने वाली घटनाओं से बचने के लिएट्रंक पर 30 से 45 सेमी की ऊंचाई तक बोर्डो पेस्ट लगाएं।
- फलों के पेड़ों में यदिशूटबोरर द्वारा क्षतिग्रस्त देखा जाता है, तो क्षतिग्रस्त प्ररोहों के छिद्रों से बेधक को बाहर निकालकर और क्षतिग्रस्त छिद्रों में पेट्रोल या मिट्टी का तेल डालकर और छिद्रों को मिट्टी या मिट्टी से भरकर उन्हें रोकें।
- फलों की फसलों में सिफारिश के अनुसार उर्वरक (बेसल) लगाएं।
- आम में यदि मरोड़ के लक्षण दिखाई देते हैं तो मृत लकड़ी को 5-10 सेमी तक हरा भाग काटने की सलाह दी जाती है और 15 दिनों के अंतराल पर दो बार कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3 प्रतिशत) का छिड़काव करना चाहिए।
- आम में यदि गमोसिस के लक्षण दिखाई दें, तो प्रभावित हिस्से को खरोंचें और सतह को साफ करें उसके बाद प्रभावित हिस्से पर बोर्डो पेस्ट लगाएं।
- आम के फूल में जल्दी उभरे पुष्पगुच्छ आम के फूलों की विकृति को कम करने के लिए सहायक है।
- **अमरूदः** निचली शाखाओं को 50-75-सेमी की ऊंचाई तक काट लें और बेहतर धूप के संपर्क में आने के लिए पूर्व-पश्चिम दिशा में पार्श्व शाखाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बढ़ते अंकुर को काट लें।
- **अनारः** पुरानी, रोग और कीट प्रभावित शाखाओं को हटा दें, एक निवारक उपाय के रूप में मीली बग का प्रबंधन करने के लिए, पेड़ के तने के चारों ओर 25 सेमी चौड़ाई वाली पॉलीथीन (400 गेज) पट्टी बांध दी जाती है। बाग को साफ रखें। यदि इसका हमला दिखे तो थायैमेथोक्सम 25 प्रतिशत डब्लु.जी. 0.25 ग्राम/लीटर या इमिडाक्लोपर्ड 17 एस.एल. 0.35 मि.ली. या डाइमेथोएट 30 ईसी 2 मि.ली. को प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।
- **बेरः** पाउडर फफूंदी को नियंत्रित करने के लिए 0.25 प्रतिशत वेटेबलसल्फर (100 लीटर पानी में 250 ग्राम) या 0.05 प्रतिशत कराथेन 40 ई.सी. (100 लीटर पानी में 50 मिली) का छिड़काव करें।
- **अम्लीय चूनाः** सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए व्यापक सूक्ष्म पोषक घोल का छिड़काव करें।
- पेड़ पौधों के बीच सब्जियों की इंटरक्रॉपिंग।

- आम, अनार, नीबूवर्गीय और चीकू को 10-12 दिनों में सिंचाई करने की आवश्यकता होती है। इससे उनके छत्र के नीचे नमी में सुधार होगा और फलों का टूटना कम होगा।
- नजदीकी कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक से परामर्श कर कीट एवं रोगों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशक स्प्रे का प्रयोग करें।
- केले के तने को सहारा दे ताकि तने को हवा की तेज गति से गिरने से रोका जा सके।

पशुपालन के लिए सामान्य दिशानिर्देश

- सर्दियों/रबी मौसम में, अत्यधिक मेट्रोलॉजिकल बदलाव के कारण दिसंबर और जनवरी महीनों के दौरान तापमान में भारी गिरावट आती है, इस दौरान पशुधन का प्रबंधन करना वास्तव में कठिन होता है और इसलिए पशुओं की उचित देखभाल करना वास्तव में महत्वपूर्ण है।
- सर्दियों के दौरान पशुओं को उचित आश्रय प्रदान करें। शेड में अमोनिया या नाइट्रोजन गैस नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इससे निमोनिया या अन्य बीमारियां होती हैं।
- फर्श साफ, सूखा और स्ट्रॉ के साथ बिछावन होना चाहिए जो इन्सुलेशन के रूप में कार्य करता है और गर्मी के नुकसान को रोकता है।
- जानवरों के स्तर पर हवा के प्रवाह को बाधित करने के लिए ढीले आवास प्रणाली के शेड में पर्दे का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। तिरपाल, बांस, सूखी घास, गिनी बैग, जूट आदि से पर्दे बनाए जा सकते हैं।
- पशुओं को उचित स्वच्छ पानी उपलब्ध कराएं, ठंडे पानी से बचें क्योंकि यह शरीर के चयापचय को कम करेगा और पशुओं के उत्पादन को प्रभावित करेगा।
- सर्दियों के दौरान पौष्टिक और संतुलित आहार प्रदान करके पशुओं के शरीर के भंडार में सुधार करें। बरसीम, सबसे प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हरा चारा, उच्च प्रोटीन प्रतिशत और पानी की मात्रा है, आसानी से स्तनपान कराने वाले और बढ़ते जानवरों के उत्पादन स्तर का समर्थन कर सकता है।
- हरे चारे की कमी होने पर बड़े पशुओं को खिलाने के लिए 5-10 किलो गेहूं के भूसे के साथ 25-30 किलो फलीदार चारा मिला सकते हैं। इसके अलावा 3 किलो सांद्र मिश्रण शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए पर्याप्त होगा।
- सर्दियों में सूजन की घटनाओं से बचने के लिए दलहनी चारे को गैर फलियां या गेहूं के भूसे के साथ मिलाया जाना चाहिए।
- रूटिंग टीकाकरण और डीवर्मिंग किया जाना चाहिए।
- फार्म परिसर को उचित देखभाल के साथ 1 प्रतिशत हाइपोक्लोराइड$ब्लीचिंग पाउडर (7 ग्राम 1 लीटर पानी में) या 1 प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइट जैसे उपयुक्त रसायनों से कीटाणुरहित करें।

भेड़ बकरी

- पेट के दर्द और प्रभाव को रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ, ताजा और गुनगुना पानी सुनिश्चित करें। सूजन को रोकने के लिए फलियों को भूसे के साथ मिलाया जाना चाहिए। सुनिश्चित करें कि संग्रहीत शीतकालीन फीड मोल्ड-मुक्त और अच्छी पोषण गुणवत्ता का है।
- ठंडी जड़ी-बूटियों और बर्फ से ढकी घासों पर सुबह-सुबह चरने से बचें, जो अन्यथा ब्रेक्सी/ब्रैडसॉट जैसी बीमारियों के कारण भारी नुकसान का कारण बनते हैं।
- क्लोस्ट्रीडियल रोगों को रोकने के लिए एंटरोटॉक्सिमिया वैक्सीन जैसे समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पशु चिकित्सक से सलाह लेने के बाद पशुओं की उचित कृमिनाशक खुराक दी जा सकती है।
- सर्दी के मौसम में भेड़ की ऊन न कतरें और न ही उसके बाल काटे।

मुर्गी पालन

- इस सर्दी के दौरान उचित शेड तापमान बनाए रखें और पक्षियों के शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में गुनगुना पीने का पानी उपलब्ध कराएं।
- मुर्गे को भरपूर भोजन देना आवश्यक है क्योंकि शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इम्युनिटी बढ़ाने और क्लाइमेट स्ट्रेस को कम करने के लिए एंटी स्ट्रेस विटामिन्स जैसे पोषक तत्व का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों के दौरान घरों में बिछावन सामग्री यानी कूड़े, लगभग 6 इंच की गहराई की जरूरत होती है। कूड़ाकरकट चूजों को जमीन के शीतलन प्रभाव से बचाता है और पक्षियों और फर्श के बीच सुरक्षा प्रदान करता है क्योंकि यह सर्दियों के दौरान पक्षियों को गर्मी देता है।
- रानीखेत और आईबीडी रोग के खिलाफ चूजों और पक्षियों का टीकाकरण सुनिश्चित करें यदि पहले नहीं किया गया है। प्रत्येक 3 महीने के अंतराल के बाद उचित डीवर्मर का उपयोग करके पक्षियों का डीवर्मिंग किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़
CHHATISHGARH

गेंहूँ

- सिंचित पारिस्थितिकी प्रणालियों के लिए उपयुक्त गेंहूँ की अधिक उपज देने वाली और उन्नत किस्में इस प्रकार हैं- रतन, छत्तीसगढ़ गेंहूँ -2, सी.जी. गेंहूँ -3, छत्तीसगढ़ अम्बर गेंहूँ, कनिष्क (सी.जी.-1029), छत्तीसगढ़ हंसा गेंहूँ, छत्तीसगढ़ गेंहूँ -1023, एच. डब्लु. 2004, लोक-1, सुजाता, एच.आई-1500, जी.डब्ल्यू. 273, डी.एल. 803-3 (कंचन), जी.डब्ल्यू. 322, एम.पी.-4010, डी.एल.-788-2 (विदिशा), जी.डब्ल्यू. 173
    - *ड्यूरम गेंहूँ (काठया गेंहूँ)*: एच.डी.-4672, एच.आई. 4498, एच.आई.-8381, एच.एल.-8627, एच.आई.-8713, एमपी-1215।
    - *एस्टीवम गेंहूँ* : रतन, एच.आई.-1531, जी.डब्ल्यू.-366, एच.आई.-1544, एम.पी.-3336, एम.पी.-1203, एच.डी.-2332, एच.डी.-2864, जी.डब्ल्यू.-3288।
- गेंहूँ की बुवाई समय पर बोई जाने वाली किस्मों के लिए 25 नवंबर तक पूरी कर लेनी चाहिए, लेकिन देर से बोई जाने वाली किस्मों के लिए जल्दी पकने वाली किस्मों की बुवाई 25 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच कर लेनी चाहिए। समय पर बुवाई की स्थिति के लिए बीज दर 100किग्रा/हेक्टेयर होनी चाहिए, लेकिन देर से बोने की स्थिति के लिए 100-125किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर बोया जाना चाहिए।
- बिजाई से पहले बीज को कार्बोक्सिन 2 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित करना चाहिए। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20-25 सेमी होनी चाहिए। गेंहूँ की फसल में उर्वरक की अनुशंसित मात्रा 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फास्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश का प्रयोग करना चाहिए। मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों की वास्तविक मात्राहोनी चाहिए।
- गेंहूँ की फसल में 6 क्रांतिक अवस्थाओं में सिंचाई जरूर करनी चाहिए जिससे पैदावार अधिक मिल सके। पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद मुख्य जड़ बनते समय (ब्तवूद त्ववज प्दपजपंजपवद) करनी चाहिए। इस समय गेंहूँ को सिंचाई की अति आवश्यकता होती है। इस समय सिंचाई नहीं करने पर बहुत अधिक नुकसान होता है। दूसरी सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद कल्लों के विकास के समय, तीसरी सिंचाई तने में गांठ पड़ते समय (65-70 दिन), चौथी सिंचाई फूल आते समय (90-95 दिन), पाँचवी सिंचाई दानों में दूध पड़ते समय (105-110) और अंतिम सिंचाई बुवाई के 120-125 दिनों में जब दाना सख्त हो रहा हो, करनी चाहिए।
- खरपतवार प्रबंधन के लिए मेट्सल्फ्यूरॉन मिथाइल 1.6 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति एकड़ बुवाई के 25-30 दिनों के बाद खेत में इष्टतम नमी की स्थिति में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण के लिए लगाया जाना चाहिए। पिनॉक्सैडेन 320-400 मिली/एकड़ को संकीर्ण पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 25-30 दिनों के बाद डालना चाहिए। सभी प्रकार के खरपतवारों को इष्टतम नमी की स्थिति में नियंत्रित करने के लिए पिनॉक्सैडेन 20 ग्राम सक्रिय तत्व$ कारफेन्ट्राजोन 8 ग्राम सक्रिय तत्व को बुवाई के 25-30 दिनों के बाद डालना चाहिए।

चना

- चना छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों की प्रमुख दलहनी फसल है। खेती के लिए निम्नलिखित उन्नत किस्मों की सिफारिश की जाती है:
- जी.जी.-1 (गुजरात ग्राम-1), जाकी-9218, जे.जी.-16, वैभव, ज.ेजी.-130, जे.जी.जी.-1, जे.जी.-14, इंदिरा चना-1, जे.एस.सी.-55, ज.ेएस.सी.-56, बी.जी.डी.-128 (पूसा शुभ्रा), आई.पी.सी.के.-2002-29, आई.पी.सी.के.-2004-29, आई.पी.सी.-2066-77।
- मिट्टी के प्रकार और सिंचाई की उपलब्धता या बुवाई के समय के अनुसार उपरोक्त किस्मों में से किसी एक को बुवाई के लिए चुना जा सकता है।

- छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों की कनहर मिट्टी चने की खेती के लिए उपयुक्त है। बुवाई 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच करनी चाहिए।
- चना की समय पर बुवाई के लिए बीज दर 75-100 किग्रा प्रति हेक्टेयर होनी चाहिए, लेकिन यदि बुवाई 30 नवंबर से अधिक देरी से की जाती है, तो बीज दर में 25 किग्रा/हेक्टेयर की वृद्धि की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ के कुछ भागों में रिले (उतरा खेती) की फसल भी ली जाती है, रिलेफसल के मामले में बीज दर 100 किग्रा/हेक्टेयर होनी चाहिए।
- मिट्टी जनित कवक रोगों से बचाव के लिए बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किग्रा बीज से उपचारित करना चाहिए।
- कवकनाशी से उपचार के बाद राइजोबियम और पी.एस.बी. कल्चर 10 ग्राम/किलोग्राम बीज के बाद ट्राइकोडर्मा 10 ग्राम/बीज उपचारित बीज को बुवाई से पहले छाया में सुखाना चाहिए।
- पंक्ति-से-पंक्ति की दूरी 30 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी आम तौर पर उपयोग की जाती है, जो 33 पौधों प्रति वर्गमीटर (3,30,000 पौधे/हेक्टेयर) की संख्या होती है। 20 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो फास्फोरस, 20 किलो पोटाश और 20 किलो सल्फर बेसल खुराक के रूप में दिया जाना चाहिए। अच्छी उपज के लिए हल्की सिंचाई शाखाओं और फूलों की अवस्था में करनी चाहिए।
- चने का फली छेदक चने का प्रमुख कीट है। कीट प्रबंधन के लिए न्यूक्लियर पॉलीहाइड्रोसिस वायरस 250 एल.ई./500 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर सुबह और शाम के समय छिड़काव करें। हर 5 मीटर के बाद खेत में पक्षियों खुटी लगानी चाहिए। प्रति हेक्टेयर 5 फेरोमोन ट्रैप भी कीट को नियंत्रित करने में प्रभावी होते हैं। फेरोमोन सेप्टा को 15 दिन बाद बदल देना चाहिए।
- यदि प्रति वर्ग मीटर एक कैटरपिलर देखा जाता है, तो प्रोफेनोफोस, साइपरमेथ्रिन 44 ई.सी. या प्रोफेनोफोस 50 ई.सी. 1 लीटर/हेक्टेयर लागू करें।

लैथिरस(तिवड़ा)

- लैथिरस की फसल छत्तीसगढ़ के दोरसा और कनहर मिट्टी में ली जाती है, एकल फसल के साथ ही साथ रिले फसल भी ली जाती है, । लैथिरस की उन्नत किस्मों की सलाह इस प्रकार है- रतन, प्रतीक और महा तिवड़ा।
- लैथिरस की बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर के मध्य पूर्ण कर लें, बीज 40-50 किग्रा./हेक्टेयर की दर से बोयें। कुछ भागों में लैथिरस को रिलेया उतरा या पैराफसल के रूप में लिया जाता है और चावल की खड़ी फसल में बोया जाता है, ऐसे में बीज दर 75-90 किग्रा/हेक्टेयर होनी चाहिए।
- बिजाई से पहले, बीज को 3 ग्राम थीरम प्रति किलो बीज से उपचारित करना चाहिए, उसके बाद राइजोबियम और पी.एस.बी. 10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से कल्चर करें, फिर छाया में सुखाने के बाद बुवाई करें। एकल फसल के लिए पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए।
- 20 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो फास्फोरस, 20 किलो पोटाश और 20 किलो सल्फर बुवाई के समय मिट्टी में डालना चाहिए।

मटर

- मटर की निम्नलिखित उन्नत किस्मों की खेती के लिए सलाह दी जाती है- अंबिका, आदर्श (आई.पी.एफ. 99-25), शुभ्रा, पारस, विकास, प्रकाश, आई.पी.एफ.डी.-10-12, इंदिरा मटर-1, आई.पी.एफ.डी. 12-2 और पंत पी 243। उपरोक्त किस्मों में से कोई एक बीज की उपलब्धता के अनुसार ली जा सकती है।
- मटर का सामान्य चूर्णी फफूंदी रोग है, इसके होने पर पत्तियों के ऊपरी भाग पर सफेद चूर्ण जैसे धब्बे दिखाई देते हैं। रोग को नियंत्रित करने के लिए समय पर बुवाई करनी चाहिए, संतुलित उर्वरक डालना चाहिए और सल्फर धूल का प्रयोग 25किग्रा/हेक्टेयर की दर से करना चाहिए। सल्फर की कमी के लक्षण दिखाई देने पर 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करें और 15 दिनों के बाद दोहराया जाए।

अलसी

- अलसी की प्रमुख अनुशंसित किस्में इस प्रकार हैं- आर-552, किरण, टी-397, पदमिनी, शेखर, इंदिरा अलसी-32, कार्तिक, दीपिका, इंद्रावती अलसी, आर.एल.सी.-133, आर.एल.सी.-143, आर.एल.सी.-148, आर.एल.सी.-153।
- अलसी छत्तीसगढ़ की एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है जो छत्तीसगढ़ के दोरसा और कनहर (मध्य भूमि) मिट्टी में खेती के लिए उपयुक्त है। छत्तीसगढ़ में अलसी की बुवाई का इष्टतम समय अक्टूबर से मध्य नवंबर तक है। बारानी के लिए बीज दर 30 किग्रा/हेक्टेयर तथा सिंचित अवस्था के लिए 20-25 किग्रा/हेक्टेयर होनी चाहिए।
- फसल को बीज और मिट्टी से होने वाली बीमारी से बचाने के लिए बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/किलोग्राम बीज से उपचारित करना चाहिए। बारानी स्थिति में अलसी को कतार से कतार के बीच 25-30 सें.मी. की दूरी पर बोना चाहिए।
- 40 किलो नाइट्रोजन, 20 किलो फॉस्फोरस और 20 किलो पोटाश को बारानी में बेसल के रूप में लगाया जाना चाहिए, हालांकि सिंचित पारिस्थितिक तंत्र के मामले में 60 किलो, नाइट्रोजन, 30 किलो फॉस्फोरस और 30 किलो पोटाश बुवाई के समय लगाया जाना चाहिए।

सरसों

- सरसों छत्तीसगढ़ की एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है, राज्य में बुवाई के लिए निम्नलिखित उन्नत किस्मों की सिफारिश की जाती है- पूसा जय किसान (बी.डब्ल्यू.-902), पूसा बोल्ड, क्रांति (पी.आर.-15), वरदान (आर.के.1467), वरुणा (टी-59), छत्तीसगढ़ सरसों-1, इंदिरा तोरिया-1।
- सरसों की बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच करनी चाहिए, बीज की इष्टतम दर 4-5 किग्रा/ हेक्टेयर है। बुवाई से पहले, बीज को कार्बेन्डाजिम 1.5-2 ग्राम/किग्रा बीज से उपचारित करना चाहिए। अच्छी उपज के लिए 100 किलो नाइट्रोजन, 80 किलो फास्फोरस और 40 किलो पोटाश पर्याप्त है। शाखाओं में फूल आने और सिलिका बनने पर सिंचाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। कुछ भागों में लीफ ब्लाइट देखा जाता है, इसे नियंत्रित करने के लिए, बीज को बुवाई से पहले उपचारित करना चाहिए और प्रोपेकोनाजोल1 मिली प्रति लीटर पानी में डालना चाहिए और 15 दिनों के बाद छिड़काव करना चाहिए।

कुसुम

- छत्तीसगढ़ में निम्नलिखित किस्में खेती के लिए उपयुक्त पाई गई हैं- ए-1, नारी एन.एच.-1, नारी एच.-15, एच.यु.एस.-305, मंजीरा, पी.बी.एन.एस.-12, नारी-6, पी.बी.एन.एस.-40, परभणी कुसुम, फुले कुसुम (जे.एल.एस.एफ.-414), एस.एस.एच.-129, नारी-38 , एस.एस.एफ.-658।
- छत्तीसगढ़ में कुसुम की बुवाई के लिए 15 अक्टूबर से 15 नवंबर सबसे अनुकूल समय है। बीज दर 10-15 किग्रा/हेक्टेयर होनी चाहिए। कतार से कतार के बीच की दूरी 45 सेमी होनी चाहिए। फसल की पोषक आवश्यकता को पूरा करने के लिए 90 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो फास्फोरस और 30 किलो पोटाश डालना चाहिए।

मसूर

- मसूर भी एक महत्वपूर्ण दलहनी फसल है जो दोरसा और कनहर मिट्टी में उगाई जाती है। उपयुक्त किस्में इस प्रकार हैं- लेंस-4076, आई.पी.एल.-81 (नूरी), जे.एल.-3, आई.पी.एल.-316, आर.वी.एल. 11-6, एल-4717 (पूसा अगेती मसूर), आर.के.एल.14-20 (कोटा मसूर-2), एल-4727, कोटा मसूर-1 (आर.के.एल-607-1), छत्तीसगढ़ मसूर-1।
- मसूर की बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच करनी चाहिए, बीज की इष्टतम दर 40-45 किग्रा/ हेक्टेयर है। बीज को राइजोबियम और ट्राइकोडर्मा कल्चर, पी.एस.बी. 5-10 ग्राम प्रति किलो बीज, फिर छाया में सूखने के बाद बुवाई पूरी कर लें। इष्टतम पंक्ति से पंक्ति की दूरी 23-25 सेमी है।
- फसल की संभावित उपज के लिए 20 किग्रा. नाइट्रोजन, 40किग्रा फास्फोरस, 20 किग्रा पोटाश और 20 किग्रा सल्फर पोषण संबंधी आवश्यकता को पूरा करने के लिए का प्रयोग किया जाना चाहिए।

चारा फसलें:

मक्का:

- सिंचित परिस्थितियों में अच्छी जल निकासी वाली बलुई दोमट मिट्टी के लिए मक्का एक अच्छी चारा फसल है। इसे ग्रीष्म फसल में फरवरी के अंत तक तथा रबी मौसम की फसल में अक्टूबर-नवंबर तक बोना चाहिए। 100 किलो नाइट्रोजन, 40 किलो फास्फोरस और 40 किलो पोटाश उर्वरक/हेक्टेयर के साथ बीज दर 50-60 किलो/हेक्टेयर होनी चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा बुवाई के समय तथा शेष आधी घुटनो की ऊँची अवस्था में देनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में खेती के लिए निम्नलिखित उन्नत किस्मों की सिफारिश की जाती है- अफ्रीकन टॉल, प्रताप मक्का चारी- 6, विजय, जी.एफ.- 405, जे.-1006।
- चारा मक्का सूखे और जल भराव के लिए संवेदनशील है। ग्रीष्म ऋतु में 10-12 दिन के अन्तराल में तथा रबी में 15-20 दिन के अन्तराल में सिंचाई करनी चाहिए।

हाइब्रिड नेपियर:

- हाइब्रिड नेपियर एक बहु-कट बारहमासी तेजी से बढ़ने वाली चारे की फसल है। यद्यपि अधिकतम चारे का उत्पादन वर्षा ऋतु और गर्मी के महीनों में किया जाता है। यह चारा अधिक उत्पादन, अच्छी गुणवत्ता और सुपाच्यता देता है। सर्दियों के दौरान विकास धीमा हो जाता है। एक बार रोपने के बाद जड़ के टुकड़े अच्छे प्रबंधन से 2-3 साल तक चारा देते हैं। इस चारे में 8 से 9 प्रतिशत कच्चा प्रोटीन पाया जाता है। खेती के लिए निम्नलिखित किस्मों की सिफारिश की जाती है- सी.ओ. -3, सी.ओ.-5, आर.बी.एन.-13, संपूर्ण (डी.एन.एच.-6), आई.जी.एफ.आर.आई.-7 और 10
- सिंचित अवस्था में इसे फरवरी-मार्च में जड़ या तना काट कर लगा देना चाहिए। पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी रोपण 60 सेमी में किया जाना चाहिए। एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 30000 से 35000 जड़ वाली पर्चियों की आवश्यकता होती है। पिछले खेत की तैयारी के दौरान, 20-25 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर 60 किलो नाइट्रोजन, 50 किलो फास्फोरस, 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर और 30 किलो नाइट्रोजन प्रत्येक कटाई के बाद दिया जाना चाहिए। पहली कटाई रोपण के 60-75 दिनों के बाद प्राप्त की जाती है और प्रत्येक 40-45 दिनों के बाद 5 से 6 कटाई की जा सकती है।

बरसीम:

- बरसीम सबसे महत्वपूर्ण रबी चारे की फसल है, क्योंकि यह नवंबर से मार्च तक 4 से 5 कटाई देती है। चारा बहुत पोषक होता है और जानवरों को पसंद आता है, यह दलहनी फसल होने के कारण वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में मिला देता है। इसमें 17 से 21 प्रतिशत प्रोटीन, 12 से 15 प्रतिशत शुष्क पदार्थ होता है और यह बहुत पाचक होता है। छत्तीसगढ़ में खेती के लिए निम्नलिखित किस्में अच्छी पाई जाती हैं- मस्कवी, वरदान, बुंदेल बरसीम-2, बुंदेल बरसीम-3, जेबी-5, पूसा जाइंट, यू.पी.बी.-110, जे.एच.टी.बी. 96-4, बी.एल.-22.
- बरसीम की बुवाई 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच 5-6 कटाई के लिए करनी चाहिए। इष्टतम बीज दर 25-30 किग्रा/हेक्टेयर है। अच्छी फसल के लिए 20 किलो नाइट्रोजन, 80 किलो फास्फोरस और 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर डालें।
- खरपतवार नियंत्रण के लिए ऑक्सीफ्लोरफेन 0.1 किग्रा सक्रिय तत्व और इमेजाथायपर 0.1 किग्रा सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर पहली फसल के तुरंत बाद डालना चाहिए। सिंचाई 15-20 दिनों के अंतराल पर और मार्च-अप्रैल में 10 से 12 दिनों के अंतराल पर करें।

सब्जी फसलें:

टमाटर:

- टमाटर लगभग वर्ष भर लिया जाता है, छत्तीसगढ़ में खेती के लिए निम्नलिखित उन्नत किस्मों की सिफारिश की जाती है- पूसा अर्ली ड्वार्फ, स्वीट 72, पूसा रूबी, पूसा गौरव, नवीन, मंगला, सी.ओ.-1, सी.ओ.-2, पंत टमाटर-3, डी.वी.आर.टी.-2, सी.ओ.-3, एन.एस.-815, अविनाश-2, सेलेक्शन-7, अर्का रक्षक।
- बुवाई अक्टूबर-नवंबर में पूरी कर लेनी चाहिए, ओ.पी. किस्मों में 400-500 ग्राम प्रति हेक्टेयर और संकर किस्मों में 150 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करें। 150 किलो नाइट्रोजन, 100 किलो फास्फोरस और 75 किलो पोटाश डालना चाहिए। बीज को थायरम 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज या कॉपर ऑक्सी क्लोराइड 3 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित करना चाहिए।
- बीज को ट्राइकोडर्मा पाउडर या ट्राइकोडर्मा $ स्यूडोमोनास 8-10 ग्राम प्रति किलो बीज से उपचारित करना चाहिए।

प्याज:

- छत्तीसगढ़ में रबी मौसम में खेती के लिए निम्नलिखित किस्मों की सिफारिश की जाती है- एग्रीफाउंड डार्क रेड, एन-53, भीमा सुपर, भीमा डार्क रेड, भीमा शक्ति, भीमाश्रृभ्रा, भीम श्वेता।
- बुवाई 15 नवम्बर तक पूर्ण कर लें, बीज 8-10 किग्रा/हेक्टेयर की दर से डालें।

गोभी:

- अक्टूबर-नवंबर के दौरान बुवाई के लिए निम्नलिखित किस्मों का चयन किया जाना चाहिए- अर्ली कुंवारी, पूसा कार्तिक, पूसा दीपाली, पूसा शुभा, पूसा स्नोबॉल-2, पूसा शरद।

- बुवाई सितम्बर-अक्टूबर में 400-500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी कर लें। 150 किलो नाइट्रोजन, 80 किलो फास्फोरस और 75 किलो पोटाश डालें।

पत्ता गोभी:

- अक्टूबर-नवंबर के दौरान बुवाई के लिए निम्नलिखित किस्मों का चयन किया जाना चाहिए- गोल्डन एकर, पूसा सिंथेटिक, हरिरानी, गणेश गोल, पूसा ड्रम हेड, लेट ड्रमहेड
- बुवाई सितम्बर-अक्टूबर में 400-500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पूरी कर लें। 150 किलो नाइट्रोजन, 80 किलो फास्फोरस और 75 किलो पोटाश डालें।

हरामटर

- छत्तीसगढ़ के लिए उपयुक्त किस्में- अर्केल, जवाहर मटर-1, जवाहर मटर-2, आजाद मटर-3, पंत सब्जी मटर-3.
- बुवाई अक्टूबर-नवंबर में 80-100 किग्रा./हेक्टेयर की दर से पूरी कर लें।

मिर्च:

- निम्नलिखित किस्मों की सिफारिश की जाती है- पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, इंदिरा मिर्च-1, जवाहर मिर्च-218।
- बुवाई सितंबर-अक्टूबर में सामान्य के लिए 500 ग्राम/हेक्टेयर और संकर के लिए 200 ग्राम/हेक्टेयर की दर से पूरी की जानी चाहिए।

आलू

- निम्नलिखित किस्में खेती के लिए उपयुक्त हैं- कुफरी ख्याति, कुफरी पुखराज, कुफरी सूर्या, कुफरी बादशाह, कुफरी लीमा, कुफरी जवाहर, कुफरी अरुण, कुफरी पुष्कर, कुफरी चिप्सोना-1, कुफरी चिप्सोना-2, कुफरी चिप्सोना-3, कुफरी फ्रायो और कुफरी फ्रायसोना।
- अर्ली ब्लाइट के नियंत्रण के लिए कॉपर ऑक्सीक्लोराइड या मैंकोजेब 3 ग्राम/ली. पानी का छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल के बाद दोहराया जाना चाहिए। लेट ब्लाइट के लिए मेटलैक्सिल 1 ग्राम प्रति लीटर पानी एम.जेड. लगाएं और 10-15 दिनों के अंतराल के बाद 3 बार दोहराएं।

पशुधन और मत्स्य पालनः

पशुपालन:

- पशु टीकाकरण पूर्व-शीतकालीन किए जाने की आवश्यकता है। मवेशी, भैंस, भेड़, बकरी और सूअर में पैर और मुंह की बीमारी के खिलाफ टीकाकरण दोहराया जाना है क्योंकि इसे वर्ष में दो बार प्री-मानसून और प्री विंटर दिया जाता है। भेड़ और बकरियों को रबी मौसम के शुरुआती महीनों के दौरान एंटरोटॉक्सिमिया, बकरी पॉक्स और पीपीआर रोग के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए। पोल्ट्री के लिए, मौसम की परवाह किए बिना पक्षियों की उम्र के अनुसार टीकाकरण अनुसूची का पालन किया जाना है।
- कृत्रिम गर्भाधान को जारी रखने की जरूरत है। इसके लिए किसानों को चाहिए कि वे अपने पशुओं में गर्मी के लक्षणों की जांच करें, खासकर सर्दियों में जब गर्मी के लक्षण कभी-कभी अस्पष्ट होते हैं। हमेशा यह सलाह दी जाती है कि पशु चिकित्सा अधिकारी या पैरा पशु चिकित्सा कार्यकर्ता से संपर्क करें और पशु को पशु चिकित्सालय ले जाने के बजाय घर पर ही गर्भाधान करवाएं, यह वर्तमान कोविड महामारी की स्थिति के कारण अधिक प्रासंगिक हो जाता है।
- उत्पादकता बनाए रखने और पशुओं की प्रतिरक्षा स्थिति में सुधार करने के लिए, किसानों को खनिज मिनरल के नियमित पूरक के लिए सुझाव दिया जाता है -वयस्क डेयरी जानवरों में 60 ग्राम/दिन और छोटे जुगाली करने वालों में 20-30 ग्राम/दिन।

- पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार व्यापक स्पेक्ट्रम डीवर्मर का उपयोग करके जानवरों को डीवर्म करने का प्रयास करें और टीकाकरण से एक से दो सप्ताह पहले सुरक्षित कीटनाशक स्प्रे का उपयोग करके एक्टो-परजीवी को हटा दें। कीटनाशक स्प्रे लगाते समय निर्माता की सिफारिश के अनुसार उन्हें पानी में पतला करना महत्वपूर्ण है और स्प्रे का उपयोग करने वाले व्यक्ति द्वारा उचित मास्क पहनना आवश्यक है।
- सर्दियों के चरम महीनों के दौरान जानवरों को धोने और स्नान करने की आवृत्ति कम कर दी जानी चाहिए। पशु आवास को मजबूत करने की जरूरत है ताकि जानवरों के लिए ठंड के जोखिम को कम किया जा सके। यह राज्य के उत्तरी भागों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।
- सर्दियों के मौसम में मांस और मांस उत्पादों की मांग बढ़ जाती है और किसानों को अपने उत्पादन चक्र की योजना बनाने की आवश्यकता होती है ताकि वे इस मौसम में अपने जानवरों का मांस बेच सकें। पोल्ट्री और बकरी जानवरों के आहार में वसा और कार्बोहाइड्रेट वाले हिस्से को बढ़ाने की जरूरत है ताकि उनके शरीर का वजन तेजी से बढ़े और बाजार में अधिक मूल्य प्राप्त हो सके।
- किसान जब भी कृषि उपज की बिक्री और खरीद के लिए बाजार जाएं तो शारीरिक दूरी का पालन करें, नियमित रूप से हाथ धोते रहें और मास्क पहनकर जाएं। ऑनलाइन मार्केटिंग चैनलों को प्राथमिकता दें और अधिक कीमत प्राप्त करने के लिए ग्राहक को सीधे बिक्री करना पसंद करें और इससे भीड़-भाड़ वाले बाजार में जाना भी कम हो जाता है।

चारे की खेती और संरक्षण

- चारा फसलों जैसे मक्का, ज्वार, जई आदि और दलहनी चारा फसलों जैसे बरसीम, लुसर्न और लोबिया आदि की बुवाई रबी के मौसम की शुरुआत के साथ शुरू की जानी चाहिए। बीज की खरीद, भूमि की तैयारी और चारा फसलों की खेती के लिए आवश्यक आदानों को जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए।
- रबी मौसम के बाद के दिनों में जब फसलों की कटाई की जाती है, तो गर्मी के मौसम के लिए चारे को संरक्षित करने की अत्यधिक सलाह दी जाती है, जब पशुओं के लिए चारे की कमी होती है। छत्तीसगढ़ के मध्य और दक्षिणी हिस्सों के लिए 'घास' बनाने की सलाह दी जाती है, जबकि राज्य के उत्तरी ठंडे हिस्सों में 'घास' के साथ 'सिलेज' बनाने की सलाह दी जाती है।
- जई, नेपियर, लुसर्न, बरसीम, मटर, लोबिया, चना, खेत बीन जैसी घास की फसलें बनाने के लिए उपयुक्त हैं और मक्का, ज्वार, पैरा घास और नेपियर जैसी साइलेज बनाने वाली फसलें राज्य के लिए सबसे उपयुक्त हैं।
- धान की भूसी को सूखे चारे के रूप में पर्याप्त मात्रा में भंडारित करने की आवश्यकता होती है ताकि मानसून तक पूरी सर्दी और गर्मी को कवर कर सके। धान की पराली को यूरिया ट्रीटमेंट से समृद्ध करना चाहिए। इसके लिए नीम कोटेड यूरिया का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- शीतकाल में पशुओं के लिए चारे की आवश्यकता सामान्यतः अधिक होती है। पशुओं के उत्पादन को बनाए रखने के लिए सर्दियों के मौसम में पशुओं के राशन में 5-10 प्रतिशत की वृद्धि करें।
- इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कृषि कीटनाशक और कीटाणुनाशक पशु आहार और चारे के साथ कम मात्रा में भी न मिलें।

मवेशी और भैंस

- छत्तीसगढ़ में प्रजनन नीति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में भारतीय पशु दुधारू नस्लों-गिर, लाल सिंधी और साहीवाल और दोहरी नस्ल- थारपारकर, ओंगोल, कांकरेज और हरियाना का उपयोग करते हुए कृत्रिम गर्भाधान को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि नगरीय क्षेत्र में जर्सी और एचएफ नस्ल के साथ क्रॉस ब्रीडिंग को प्राथमिकता की सलाह दी जाती है। शहरी क्षेत्रों और बड़े डेयरी फार्मों में पालन की स्थिति और बाजार की मांग के आधार पर एआई सेवाओं की सलाह दी जाती है।

- रबी मौसम के शुरुआती महीनों के दौरान डेयरी फार्मिंग के लिए पशुओं की खरीद की सलाह दी जाती है क्योंकि जलवायु की उपयुक्तता, हरे चारे की उच्च उपलब्धता और वित्तीय संस्थानों से किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़े ऋण प्राप्त करने की संभावना खरीफ सीजन खत्म होने और एमएसपी जारी होने के तुरंत बाद होती है।
- पशुओं को विशेष रूप से रात के समय ठंडी हवाओं से सुरक्षा की आवश्यकता होती है। खुले शेड को बारदानों और पर्याप्त बिछावन सामग्री का उपयोग करके आंशिक रूप से कवर करने की आवश्यकता है। हालांकि, सर्दियों में विशेष रूप से राज्य के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में मवेशी शेड में उचित वेंटिलेशन महत्वपूर्ण है।
- फलीदार घास या भूसे के साथ हरे रसीले चारे को उतनी मात्रा में उपलब्ध कराएं जितना कि पशु खा सके, ताकि इसकी सभी रखरखाव आवश्यकताओं को केवल चारे के माध्यम से ही पूरा किया जा सके। प्रत्येक 2 से 2.5 लीटर दूध के लिए 1 किलो की दर से अतिरिक्त सांद्रण प्रदान किया जाना चाहिए। स्तनपान को बनाए रखने के लिए नमक और खनिज की खुराक दी जानी चाहिए।
- दुग्ध ज्वर और कीटोसिस जैसे चयापचय रोगों को रोकने के लिए उच्च दूध देने वाली नस्लों को कैल्शियम पूरकता की आवश्यकता होती है।
- सर्दियों के दौरान पानी की आवश्यकता थोड़ी कम हो जाती है। हालांकि, बहुत ठंडे समय में गर्म पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। थूथन, छींकने, खांसी या सांस लेने में कठिनाई से श्लेष्म स्राव के लक्षणों के लिए अलग-अलग जानवर देखें, जिसके मामले में तत्काल पशु चिकित्सा सहायता मांगी जानी चाहिए।
- ब्याने के बीच कम से कम 60-90 दिनों की शुष्क अवधि प्रदान करें। यदि शुष्क अवधि पर्याप्त नहीं है, तो बाद में दुग्ध उत्पादन कम हो जाएगा। गर्भवती पशु को गर्भावस्था भत्ता के रूप में 1.25 से 1.75 किलोग्राम अतिरिक्त सांद्र मिश्रण प्रदान किया जाना चाहिए।
- सर्दियों के महीनों में भैंसों को पानी में डुबाने से बचाना चाहिए।
- ब्याने से लगभग 3-5 दिन पहले और बाद में रेचक को खिलाएं (गेहूं की भूसी 3 किलो ़ 0.5 ग्राम मूंगफली की खली ़ 100 ग्राम नमक का खनिज मिश्रण)।

छोटे जुगाली करने वाले (बकरियां)

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रजनन योग्य नर और मादा बकरियों के लिए राशन बढ़ाकर और गर्मी के संकेतों पर कड़ी निगरानी रखते हुए रबी मौसम में भेड़ और बकरियों के प्रजनन की तैयारी शुरू कर दें। मौसमी प्रजनक होने के कारण वे सितंबर से नवंबर तक प्रजनन करते हैं लेकिन फरवरी तक जारी रह सकते हैं। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ में अधिक प्रमुख है जबकि राज्य के बाकी हिस्सों में, वास्तव में उष्णकटिबंधीय होने के कारण वे पूरे वर्ष प्रजनन करते हैं।
- मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के किसान जमुनापरी, बीटल और सिरोही बकरी जैसी नस्लों में से चुन सकते हैं जबकि दक्षिणी क्षेत्र सिरोही के बजाय ब्लैक बंगाल पसंद कर सकते हैं। किसानों को इन नस्लों के नर के साथ अपने देसी नॉन-डिस्क्रिप्ट बकरी स्टॉक को अपग्रेड करने की आवश्यकता है।
- इनब्रीडिंग से बचने के लिए नर को दो साल में एक बार बदला जाना चाहिए इसलिए सभी प्रतिस्थापन रबी की शुरुआत से पहले किए जाने चाहिए ताकि शामिल किए गए नए जानवर को अनुकूलन के लिए पर्याप्त समय मिल सके।
- उन्हें सिंक्रनाइज करने के लिए बेहतर हार्मोनल तकनीक का उपयोग किया जा सकता है या हिरन बुने हुए तार के एक विभाजित कोरल में हो सकता है ताकि डू और हिरन एक दूसरे के बारे में पूरी तरह से देख सकें। यह प्रजनन के मौसम से एक या दो सप्ताह पहले या उसके दौरान किया जा सकता है।
- बकरियां विशेष रूप से ठंड के प्रति संवेदनशील होती हैं और सर्दियों की बारिश कई बीमारियों को जन्म देती है। राज्य के उत्तरी क्षेत्रों के किसानों को अत्यधिक सर्दी के दौरान ढके हुए रैन बसेरे उपलब्ध कराने चाहिए, लेकिन बंद आश्रय को गर्म करने के लिए चिमनी या सिगरी का उपयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे हानिकारक गैसों का त्वरित संचय हो सकता है और यह जीवन के लिए खतरा हो सकता है।

- छोटे और कमजोर जानवरों को जूट के बोरे या सूती कपड़े से बने शरीर के कवर से ढंकना चाहिए। ऐसे पशुओं को गुड़ के साथ गर्म पानी पिलाना चाहिए।
- रबी के दौरान पशुओं के बिस्तरों को बार-बार बदलने की आवश्यकता होती है। यह उन्हें सर्दी के साथ-साथ बीमारियों विशेषकर परजीवी रोगों से बचाएगा।
- इस मौसम में भेड़ और बकरियों जैसे चरवाहों के निकट संपर्क में आने से संक्रामक रोग तेजी से फैलते हैं। किसानों को ऑफ-फीड जानवरों और नाक बहने, छींकने और खांसी जैसे लक्षणों के लिए सतर्क रहने की जरूरत है।
- इस मौसम के दौरान, भयंकर सर्दी से बचने के लिए, प्रवासी भेड़ और बकरियों के बड़े झुंड मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के माध्यम से हिमाचल प्रदेश, यूपी, गुजरात और राजस्थान के हिस्सों से छत्तीसगढ़ के मध्य भागों में आते हैं। ऐसे सभी झुंडों को यदि पहले नहीं तो, एचएस, एफएमडी, पीपीआर और एंटरोटॉक्सिमिया के खिलाफ टीकाकरण और सीमावर्ती क्षेत्रों में 15 दिनों के लिए संगरोध करने की आवश्यकता है। स्थानीय भेड़ और बकरी किसानों को हर संभव प्रयास करना चाहिए कि वे अपने स्वयं के झुंड को इन प्रवासी झुंडों के साथ न मिलने दें।

वाणिज्यिक और बैकयार्ड पोल्ट्री

- वाणिज्यिक बड़े पोल्ट्री फार्मों में उनके पालन अभ्यास में मौसमी बदलाव बहुत कम होते हैं। हालांकि, बाजार की बढ़ती मांग के कारण उन्हें अपने उत्पादन चक्र की योजना बनानी चाहिए ताकि अधिक लाभ प्राप्त करने, कम स्टॉक करने और उपभोक्ता की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उनका उत्पादन एक महत्वपूर्ण अंतर से बढ़े।
- वाणिज्यिक पोल्ट्री किसानों को अपने टीकाकरण कार्यक्रम का सख्ती से पालन करना चाहिए जो कि मौसम के बजाय पक्षियों की उम्र पर निर्भर करता है। हालांकि, ग्रामीण बैकयार्ड पोल्ट्री किसानों को रानीखेत रोग और फाउल पॉक्स के खिलाफ अपने पक्षियों का टीकाकरण करने की आवश्यकता है।
- शीतकाल में पक्षियों के निकट होने के कारण संक्रामक रोग बहुत तेजी से फैलता है इसलिए बड़े खेत में पक्षियों के नमूने या बैकयार्ड की स्थिति में पाले गए झुंडों में से प्रत्येक और व्यक्तिगत पक्षी के नमूने के लिए सख्त दैनिक निगरानी की जानी चाहिए। यदि रोग के लक्षण जैसे गिरना, झागदार पंख, कोरिजा, मलिनकिरण या कंघी और वेटल्स में चोंच के निशान, सफेद या लाल रंग के मलिनकिरण के साथ दस्त दिखाई देते हैं, तो पक्षियों को 5-7 दिनों के लिए या सलाह के अनुसार पूरी तरह से ठीक होने तक तुरंत संगरोध करने की आवश्यकता होती है। एक पंजीकृत पशु चिकित्सक या पैरा-पशु चिकित्सा कर्मियों की देखरेख में करें।
- पशु चिकित्सा सलाह और क्षेत्र में परजीवी रोगों की व्यापकता के अनुसार रबी की शुरुआत से पहले किसी भी व्यापक स्पेक्ट्रम डीवर्मर के साथ बैकयार्ड के कुक्कुट को डीवर्मिंग करने की सलाह दी जाती है।
- पोल्ट्री हाउस के परिसर को 1 प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइट से कीटाणुरहित करें और किसी भी बाहरी व्यक्ति के पोल्ट्री हाउस और परिसर में प्रवेश को प्रतिबंधित करें।
- कोक्सीडायोसिस संक्रमण को रोकने के लिए पोल्ट्री शेड में कूड़े की सामग्री की नमी और गुणवत्ता को बनाए रखने की आवश्यकता है।
- प्रवासी पक्षी पूर्वी मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में उड़ीसा के कुछ हिस्सों और उत्तरी छत्तीसगढ़ से उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में आते हैं इसलिए पोल्ट्री किसानों को सतर्क रहना होगा कि वे अपने पोल्ट्री को प्रवासी पक्षियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में न आने दें। क्षेत्र में प्रवासी, कुक्कुट या किसी अन्य पक्षी की किसी भी असामान्य मृत्यु के मामले में किसानों को तत्काल निकटतम पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचित करना चाहिए।

मछलीपालन

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बारहमासी स्टॉकिंग तालाबों, सामुदायिक तालाबों और जलाशयों में बड़े आकार के उन्नत फिंगरलिंग का स्टॉक करें।
- रबी मछली के किसानों को हर महीने बारहमासी जल निकायों में 10 किलो प्रति एकड़ की दर से चूना लगाने की जरूरत है।

- प्राकृतिक चारे के उत्पादन के लिए जैविक और अकार्बनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। मिट्टी में कार्बनिक कार्बन सामग्री के अनुसार खुराक तय की जानी चाहिए।
- मछलियों को प्राकृतिक आहार के साथ शरीर के वजन के 10 प्रतिशत की दर से पूरक आहार दिया जाना चाहिए।
- आहार भार के 1 प्रतिशत (1 किग्रा प्रति 100 किग्रा चारा) की दर से विटामिन एवं खनिज मिश्रण की पूर्ति जारी रखनी चाहिए।
- रोग के लक्षणों के लिए मछलियों को देखने और आवश्यक फीड की गणना के लिए मछलियों की वृद्धि को रिकॉर्ड करने के लिए तालाब के तल से हानिकारक गैसों को छोड़ने के लिए मासिक रूप से जाल बिछाया जाना चाहिए।
- चूंकि रबी में वर्षा और जलग्रहण क्षेत्र से अन्य जल स्रोत आमतौर पर कम हो जाते हैं इसलिए वैकल्पिक भूजल स्रोत तैयार किया जाना चाहिए।
- नियमित वार्षिक आय के लिए मछली किसानों को एकीकृत मत्स्य पालन मॉडल अपनाने की सलाह दी जाती है। इस पहल के तहत जलाशयों में पानी का स्तर कम होने के कारण, विशेष रूप से रबी के बाद के भाग में, मत्स्य पालन के साथ मुर्गी पालन, बत्तख पालन और बकरी पालन की सलाह दी जाती है।
- सर्दियों के महीनों के दौरान मछलियों के लिए चारे की आवश्यकता कम हो जाती है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सर्दियों के तापमान में गिरावट के साथ भोजन की मात्रा कम करें।
- मध्य रबी के दौरान मछली और मछली उत्पादों की मांग बढ़ जाती है। इसलिए, किसानों को अपने उत्पादन चक्र की योजना बनानी चाहिए ताकि वे उस अवधि के दौरान अधिक से अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक फसल लें।

Zone-X

आंध्र प्रदेश
ANDHRA PRADESH

[illegible]

[illegible] రైతులకు రబీ 2021-22 సూచనలు

వరి:

[illegible]

[illegible] Zone	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

Zone	[illegible]		
	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible] Zone	[illegible]	[illegible]	[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

(ಹೀಗೆ)

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]
- [illegible]

[illegible]:

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]

[illegible]	[illegible]		
	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	100	35	35
[illegible]	50	25	50
[illegible]	40	25	50
[illegible]	75	25	50

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

పెరుగు తయారీ:

[illegible]

a) పరిశుభ్రంగా కడిగిన పాలు	పాలు, పాలపొడి, పాలు, [illegible], [illegible]-[illegible], [illegible], [illegible], పెప్టోన్, [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]
b) పెరుగు – [illegible]	[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]
c) పోషక విలువ పెంపుకో	[illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible], [illegible]

పెరుగు తయారు చేయడానికి [illegible] లో పాలు తీసుకుని 2 నుండి 4 నిముషాలు వేడి చేసి తగినంత చల్లారిన తరువాత 2% పెరుగు తీసుకుని పాలలో కలిపి పెరుగు తయారు అయ్యేటట్లు చేయాలి. [illegible] 2 గం/లో పెరుగు తయారు అవుతుంది.

పెరుగు [illegible]

ప్రమాణం	పరీక్ష
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]

పెరుగు [illegible]: 1 లీ/కు [illegible]. 15 లీ/కు [illegible]. 20 లీ/కు [illegible] పెరుగును [illegible] [illegible] 4 లీ/కు [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 1 లీ/కు [illegible] 200 [illegible] లో 30 [illegible] 60 [illegible] [illegible].

[illegible]: [illegible] 45 [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] 30 [illegible] 40 [illegible] [illegible] [illegible]. 45 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 1.3-1.4 కి/లి [illegible] [illegible] 25 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

- [illegible]

- [illegible] 0.5 గ్రా/లీ మరియు క్లోర్పైరిఫాస్ 20 మి.లి @ 2 మి.లి/లీ లేదా ప్రొఫెనోఫోస్ @ 2 మి.లి/లీ లేదా థయోక్లోప్రిడ్ 48% ఎస్.సి @ 1 మి.లి/లీ ప్రకారంగా 15 రోజులకు తేడాతో మరలా పిచికారీ చేయాలి.

నేల రకాలు

వర్షాధార సాగుకు: 90 సెం.మీ. లోతుగల నల్లరేగడి నేలలు

నీటి సాగుకు: 90 సెం.మీ. లోతుగల నల్లరేగడి నేలలు

అనువైన వర్షపాతం : 40 X 120 సెం.మీ.

నేల సంసిద్ధత:

వర్షాధార సాగుకు: దీపంలో – జూలైలో

నీటి సాగుకు: సెప్టెంబర్

నర్సరీలో సాగుకు: ఏప్రిల్

సంకరజాతి రకాలు: వీటిని రకం విత్తనాలుగా 100 శాతం జన్యు స్వచ్ఛత మరియు 120 శాతం రోగాలకు ఆ రకపు లక్షణాలతో సేకరించాలి. 1.5 శాతం ఇథనాల్ తో కలిపిన ప్రాథమిక రకం లేదా మరియు 10 శాతం లేదా మరియు ఎర్రని రంగులో ఉండేలా చేసుకోవాలి.

అన్న రకం: విత్తనాలను 100 శాతం జన్యు స్వచ్ఛత, 150 శాతం రోగాలకు మరియు 200 శాతం ఇతర మలినాలు జన్యు స్వచ్ఛత రోగాలకు సంబంధించిన మలినాలు మరియు ఇతర మలినాలు కలిపి మరియు మొలకశాతం కనీసం 70 శాతం అన్న రకం మొలకశక్తిగల్గిన మరియు కనీసం 45 శాతం మధ్యస్థం కలిగుండాలి. కనీస బరువు 2గ్రా/లీ మరియు పెద్దవి బరువు 10-20 గ్రా/లీ మ 41-60 శాతం మధ్యస్థ కలిగుండాలి.

విత్తన యోగ్యతలు: ఆమ్లతకు @ 2 శాతం/లీటరు లేదా సిల్వర్నైట్రేట్ @ 600 గ్రా/ఎ చొప్పున 450 లీటర్ల నీటిలో కలిపి 3-4 గంటల మధ్యలో నీడ లో ఆర్ద్రపరచి నాటాలి. 2.5-3 @ 1.5 శాతం + ప్రాథమికంగా @ లీ ను 450 లీటర్ల నీటిలో కలిపి సాధారణ పరిధిలో 20 మరియు 40 గంటలు చొప్పున ఆ పంట జరిపిన పరిధిలో సాధారణ మరియు మధ్య జాగ్రత్తగా ఉంచుకుని నాటాలి. లేదా సిల్వర్నైట్రేట్ @ 400గ్రా + 2.5-3 శాతం నీళ్లు @ 600 గ్రా చొప్పున చొప్పున కలిపి 24-30 గంటలు నాటాలి. మరియు అన్న రకాలను నేరుగా నాటడం మరియు + శ్రీగంధంలో పట్టిలో నీళ్ళు @ 5.0 గ్రా/ఎ చొప్పున కలిపి 75 గంటలు నాటాలి.

పిన్ ఇనుము/ అనువు తీసుకు ఇనుము సెలినియం అనే పదార్థాలతో 3శా.సూచిక @ 13.0 శాతం/లీటరు లేదా సల్ఫేట్ 0.3శా @ 100శాతం/లీటరు లేదా క్లోరైడ్ @ 2 శా/ఎ చొప్పున పిచికారీ చేయాలి. కనీసం 3 రోజులు తరువాత అన్న రకాలలో మొలకశాతం కనీసం 1.25 అన్నట్లు లేకుండా చేయాలి.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ಕಡಲೆ ಬಿತ್ತನೆ

ಬೀಜದ:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

ಗಮನಿಸಿ:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]

[illegible] పెంచడానికి సూచనలు:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

రోగాలు మరియు పీడకాలు:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

तेलंगाना
TELANGANA

తెలంగాణ రాష్ట్ర రైతులకు యాసంగి కాలానికి సమగ్ర సలహాలు

పరి:

- మధ్య, ఆలస్య రకాలు అయిన తెలంగాణ సోన (RNR 15048), సుజాత (JGL 18047), కిసాన్ సంపద (KNM 118), తెల్ల వరి (RNR 18754), జగిత్యాల సోన (MTU 1010) మరియు బ్రాహ్మణి మరియు (WGL 34449) లను ఎన్నుకోగలరు.
- మెట్ట రాగి మళ్లను అయితే కిలో విత్తనానికి 3 గ్రాములు కార్బెండజిమ్ ను తడిపి ఆరబెట్టి ఆ తర్వాతే నారు మడిలో చల్లుకోగలరు. తడిపిన రోజున నారు మళ్ళను కిలోకు 1.5 గ్రాము కార్బెండజిమ్ మరియు కరిగిన ప్రారంభం లో 24 గంటలు నానబెట్టి తరువాత మరలా కట్టిన మొలకలను నారు మడిలో చల్లుకోగలరు.
- రెండు సంవత్సరాల నారు మడిలో మరియు నాటిన తరువాత ఎరువులతో (N & K) నారు 2 శాతం యూరియా కోళ్ల ఎరువు లేదా గొర్రెల ఎరువు లేదా తీపి నీళ్ళ సంగట్లు ను వేసి కలిపి దున్నాలి. నారుకోసం ఎరువులను మడిలో మొలకలను తట్టెలను వేయాలి.
- చలి నివారణకు అరికట్టడానికి నారు మళ్లను ఇనుప చువ్వలను వెడల్పు కర్రలతో ఉంచి పైన పలచని నాచెట్టు పేలికలు లేదా నాచు ప్లాస్టిక్ యూరియా బస్తాలతో తయారు చేసిన పట్టాలతో నారుమళ్ళకు పైన కప్పి ఉదయం మరియు రోజు ఉదయాన్నే తీసి వేయాలి.
- తరువాత రోజు మరలా కలుపు కలిపిన 2 గ్రా. తరువాత మళ్ళలో కలిపిన ప్రారంభాన్ని పిచికారి చేయాలి.
- యూరియా పైన పేర్కొన్నదాన్లో 1.5 కిలో యూరియాకు 2 గ్రా. కార్బెండజిమ్ + మాంగనీజ్ మిశ్రమం మందును కలిపి పిచికారీ చేయాలి. నాటిన పైన్లో నీరు నిండుగా ఉంచి తొలిదశలో కాపాడుకోవడానికి నీరు లేకుండా నీరు పెట్టాలి.
- నారు మడిలో అన్ని తరుగు పు అరికట్టడానికి లీటరు నీటికి 0.5 గ్రా. (క్లోర్పైరిఫాస్) కలిపి పిచికారీ చేయాలి.
- మరకతో ఎండు లేదా కాండం తొలుచు పురుగు నివారణకు లీటరు నీటికి 2 గ్రా. కార్బోసల్ఫాన్ 50 ఎస్.పి. లేదా 0.3 మిలి. స్పైనెటోరమ్ కలిపి పిచికారీ చేయాలి.

- జనుము ఎరువు - మొదటి దుక్కిలో దీనిని హెక్టారుకు 2 టన్నుల చొప్పున కలిపి సిద్ధం చేయాలి.
- 20 రోజుల మొక్కలను దీనిని హెక్టారుకు 12.5 మి. టి. మొక్కలతో (75 సెం.మీ. వరుసల మధ్య) నాటి నాటిన వెంటనే నీటిని అందించడం ద్వారా నిలకడగా పెరుగుదల కలిగేలా చేయాలి.
- రాబోయే తేలికపాటి వర్షాలకు ముందు 01 మి. టి. చొప్పున నత్రజనిని 100% 1 టన్ను చొప్పున కలపాలి = (పైపాటుగా 64 కిలోల నత్రజని హెక్టారుకు వరి నాట్లు అయిన 20 రోజుల మధ్యలో ఎరువులు మరియు మొదటి సారి నీరు నిలపడానికి ముందే నాట్ల సమయంలో చేయాలి)
- వరి నాట్లు మొదలైన 10వ రోజున 10వ రోజున 40వ రోజున నత్రజని 10వ రోజున 40వ రోజున నత్రజని 10వ రోజున 40వ రోజున నత్రజని హెక్టారుకు 50 కిలోల చొప్పున వేయాలి.
- పెరుగు పరిచిన తేలికపాటి నేలలకు (పైపాటుగా 0.4 టన్ను చొప్పున అమ్మోనియం సల్ఫేట్ 1.1 మి. టి. చొప్పున యూరియా 2.1 మి. టి. దీనిని హెక్టారుకు వరి నాట్లు వేయాలి. నాట్లు వేసిన 20వ రోజులకు మరియు తుపాకి పట్టే 10-15 రోజుల మధ్యలో రెండు సార్లు పిచికారీ చేయాలి.
- నారు నాటి తేలికపాటి నేలలకు సమతుల్యమైన నాట్రజనాలతో 50% చొప్పున 1 కిలో 2 మి. టి. చొప్పున 12.5 టి. యూరియాతో చొప్పున = (పైపాటుగా 64 కిలోల నత్రజని హెక్టారుకు వరి నాట్లు అయిన 15 రోజుల మధ్యలో రెండు సార్లు పిచికారీ చేయాలి.

పెరుగుదల:

- అక్కడక్కడ నుండి ఎదురయే రోగ సమస్యలతో వరి మొక్కలలో తక్కువ దుబ్బు కట్టే సమస్య తో పాటుగా పంటను పట్టుకోవడం.
- అధిక దిగుబడులను సాధించడానికి మంచి జాతికి చెందిన రకాలను (DRR 117, DRR 118, DRR 121, RGCO 55, Bio 0437, కోరమండల్ Jaya 1, TCMR 4848, కోరమండల్ మంచి) మరియు మధ్య జాతికి చెందిన రకాలను (DRR 113, Bhoomi 3342, IGR 3991, DRC 7074) ఉపయోగించాలి.

- **విత్తనాల యాజమాన్యం:** ఎకరానికి 80-100 కిలోల విత్తనం, 12 కిలోల నాట్లకరం, 12 కిలోల రాగారి అవసరం. విత్తనరకం రకాలను బట్టి అలాగ వాడే విధానంలో, మైదు మెరాగ్ పద్ధతి (30-35 రోజులకు), ప్రత్యేక మొదటి (50-55 రోజులకు) మరియు తేలు సంపర్క పద్ధతి పాటిస్తారు.
- ప్రతి 2-3 సంవత్సరాలకొక్కసారి ఎకరానికి 20 కిలోల జింక్ సల్ఫేట్ ను వేయాలి. ఎకరానికి జింక్ లోపంను బట్టి జింక్ లోపపు తీవ్రతను గమనించినట్లయితే 2 గ్రా. జింక్ సల్ఫేట్ ను లీటరు నీటికి కలిపి పిచికారీ చేయాలి.
- పంట కాలంలో 4-6 నీటి తడులు అవసరం. సాధారణంగా 20-25 రోజుల వ్యవధిలో 2 రాళ్ళు, ప్రత్యేక పరిస్థితులలో ఎకరానికి, ప్రత్యేక తడులతో ఎకరానికి మరియు గింజ నాణ్యత పెరుగుటకు పూతదశలో నీటి తడి అవసరం. దీని వల్ల ప్రధానంగా పంట తడులు సంఖ్య పెరుగుతుంది.
- పంట్లో సమగ్ర కీటక నిర్వహణ పద్ధతులు రాగా కీటక పెరుగుదల సమర్థవంతంగా నియంత్రించవచ్చు.

పంట్లో సమగ్ర కీటక నిర్వహణ పద్ధతులు: రోగ నిరోధకత, అంతర పంటలుగా పప్పు దినుసులను సాగు చేయడం, పొలం నందలి శిథిలాలను తొలగించడం, పసుపుపచ్చ పరుపులను వాడడం, ప్రత్యేకంగా పంట్లోపల పక్షిస్థావరాలను నిర్మించడం చేయడం. 0.4 మి. లీ ప్రొఫెనోఫాస్/లీటరు లేదా 0.3 మి. లీ స్పైనెటోరం లేదా 0.4 గ్రా. అసిటామిప్రిడ్ కలిపి లీటరు నీటికి కలిపి సమయంలో పిచికారీ చేయాలి.

- రాబోయే రుతువు తొలిదశలో పంట పొట్టదశ, పంట అభివృద్ధి దశలోపాటు తొలిదశలో, రెండవ దశలో, పసుపుపచ్చ రాగారి పరుపులు వాడడం, ప్రత్యేక తెగుళ్ళ నివారణ కొరకు ఆకులపై చల్లుకోవడం చేయడం మరియు తొలిదశలో తెగుళ్ళకొరకు ఎండిన కొమ్మలను తొలగించడం వంటి పద్ధతులను అవలంబించాలి.
- తక్కువ తేమగల పరిస్థితులలో వాతావరణం వేడి పంట, కోసిన తర్వాత తేమశాతాన్ని నీటి తడి అందించి పక్షిన తేమ తగ్గే సమయంలో రోజు 2-3 సార్లు చొప్పున రోజులో పెట్టుకోవాలి.
- తక్కువ తేమగల రోజు వేడి చలులను బట్టలు మరియు పెరుగుదల కొరకు సరైన సమయాలను ఎకరానికి గా పెట్టుకోవాలి.

1 లీటరు మరియు అక్షరాలా 1 కిలో కలిపి పిచికారీ చేయాలి.

పేరు శనగ:

- విత్తన శుద్ధి: కిలో విత్తనానికి 1 గ్రాము కిలోకొరకు లేదా 1 గ్రా. సూడోమోనాస్ రకపు మందు పట్టించాలి. రసం పీల్చే పురుగు తీవ్రత ఎక్కువ అయితే ప్రారంభంలో 1 మి. లీ. ఎసిటామిప్రిడ్ (నోస్టార్) 1 మి. లీ. నీటిలో కలిపి, ఎకరానికి పిచికారీ చేయాలి. పేను పురుగు ఆశించి ఉన్నట్లయితే ఆకులపై ప్రారంభంలో 4.1 మి. లీ. థైయోమెథాక్సామ్ తో విత్తన శుద్ధి చేయాలి. వీటి మోతాదుతో లేదా కార్బోఫ్యూరాన్ 3 జి పొడి ఎకరానికి 200 గ్రా. ప్రకారం కలుపుకుని పట్టించాలి. పేను బంకను మరియు రసం పీల్చే పురుగును తట్టుకునే ప్రారంభంలో కిలో విత్తనానికి 10 గ్రా. (ప్రోటీన్ పౌడర్ తో విత్తన శుద్ధి చేయాలి.
- కలుపు నివారణకు కలుపు మొలకెత్తే ముందు అట్రాజిన్ 50 శాతం లేదా పెండి మెథాలిన్ 1.3-1.5 కిలోల చొ 200 లీటర్ల నీటిలో కలిపి, విత్తిన వెంటనే లేదా 48 గంటలు లోపు పిచికారీ చేయాలి. విత్తిన 15-20 రోజుల తరువాత ఒక్కసారి కలుపు తీయాలి. విత్తిన 40 రోజుల వరకు పంటలో కలుపు లేకుండా చూసుకోవాలి.
- రాగాకు ఉధృతిని నివారించుటకు ఎకరానికి 40 లింగాకర్షక బుట్టలను పెట్టుకోవాలి. పురుగులు గుడ్లు పెట్టే దశలో ఇమిడాక్లోప్రిడ్ 1 శాతం వేప గింజల సారంతో పిచికారీ చేయాలి. ఎకరానికి రాగాకు మరియు పచ్చదోమ ఎకరానికి నోవాలురాన్ 200 మి. లీ. లేదా ఫ్లుబెండియామైడ్ 40 మి. లీ. లను 200 లీటర్ల నీటిలో కలిపి పిచికారీ చేయాలి. పురుగుల తెగుళ్ళ పట్టుకోసం ఉపయోగించే పెట్టె ఎరను (50 తలలు + బెట్టెకు 5 కిలోలు + 500 మి. లీ. వెనిగర్ ద్రావణాన్ని ఎరగా తాయారు చేసుకుని పొలంలో పెట్టుకోవాలి.
- చీడపీడల ఆశించకుండా తీసుకునే జాగ్రత్తలలో ఎకరానికి ఫ్లోనికామిడ్ 40 గ్రా. లేదా సల్ఫాక్సాఫ్లోర్ 200 మి. లీ. లను 200 లీటర్ల నీటిలో కలిపి పిచికారీ చేయాలి.
- ఆకు మచ్చకు పురుగు నివారణకు ఎకరానికి ప్రోపికొనజోల్ 100 మి. లీ. లేదా హెక్సాకొనజోల్ 200 గ్రా. 200 లీటర్ల నీటిలో కలిపి పిచికారీ చేయాలి.

శనగ:

- అధిక దిగుబడులు సాధించడానికి రాళ్ళ మధ్యన 30 సెం మీ. మొక్కల మధ్య 10 సెం మీ దూరం లో (30x10 మొక్కలు / హెక్టారు మొక్కలు) నాటుకోవాలి.
- తేనెటీగలు తక్కువగా కలిగి ఉంటే 11, [illegible] 47 ఉపయోగించుకోవాలి.
- అంతర్గత పరాగసంపర్కానికి, పక్షిన పరాగసంపర్కం కొరకు, తక్కువ ఎత్తులో నాటుకోవడం వల్ల మొక్కల సాంద్రతను అనుసరించి ఆరు నుండి ఎనిమిది మొక్కల వరుసలకు ఒకటి చొప్పున పరాగ మొక్కలను నాటుకోవాలి.
- నాటుకోవడానికి సమయం అక్టోబర్ నుండి నవంబర్ వరకు అనుకూలం.
- నాటడం - మొక్కను నేల లోతుగా నాటుకోవడం. నాటిన తరువాత, నాలుగు తేనెటీగలు నాలుగు తేనెటీగల పెట్టెలను మరియు అధిక దిగుబడులను సాధించడానికి ప్రతి రెండో నెలకొకసారి 1 గ్రా. ప్రకారం లేదా బ్యాంకు లేదా పూలగుత్తి లేదా కాయ్యడానికి 2.5 గ్రా. ఒక్క నాటిన తర్వాత చేయవలెను.
- కనుక మొక్కలను నెలకొల్పడానికి 1.5 - 1.5 రేటుతో 100లీటర్ల నీటిలో 500 గ్రా నాటిన నెలకొని లేదా 24 గంటల రోజు నిలవగా చేయవలెను.
- 30 కిలోల నత్రజని, 10 కిలోల భాస్వరం, 40 కిలోల పొటాష్ తీసుకునేటప్పుడు పరిమాణం నాలుగు భాగాలుగా విభజించి ప్రతి భాగాన్ని రెండు దశలలో అందించాలి.
- ప్రతి దశకు మధ్య 30-35రోజులకు ఒకటి లేదా రెండు రాళ్ళ మధ్యన గల స్థలం లో ఒకటి (నాటిన 15-45 రోజులకు) నీటి తడులకన్నా ముందు రసాయన ఎరువులను వేయాలి. నీటి తడులు పెట్టినప్పుడు నీరు నిల్వ అయ్యేలాగా చూసుకోవాలి.
- ప్రతి దశలో 2% యూరియా లేదా DAP (20 గ్రాములు లీటరు నీటికి) పిచికారీ చేస్తే కొంత శక్తిని రసాయనాలు పెంచుతుంది.
- అరు మొదటి ప్రధాన మొగ్గలను కోయడానికి 1.5 సెం.మీ. లేదా కొమ్మలో సగం 1 సెం.మీ. లేదా నీటి శక్తిని పెంచుకోవడానికి చేయాలి.

మొక్కలను :

- మొదటి నీరు నిలువని తీర్చుట. రోజులు తీసుకోవాలి.
- కనుక లేకుండా మరియు మధ్యలో ఉండేలా చేయాలి. తర్వాత నీరు నిల్వ లేకుండా జాగ్రత్త పడాలి.
- పక్షిలాగా రాళ్ళ మధ్య రాళ్ళను మొగ్గలను 1.5 కిలో నత్రజనికి 1 గ్రాములు కాల్చడం తో నత్రజని ఇవ్వవలెను.
- పరిపక్వత నత్రజనికి అనుకూలమైన సమయం అనగా రెండవ ఎత్తు మరియు నిల్వలు మొదటి ఎత్తు వరకు.
- మొదటి 30-31 రోజుల వరకు నిల్వలు పెరగడం కనుక తక్కువగా ఉంటుంది. కాబట్టి నత్రజని 15-30 రోజులకు ఒకసారి మరియు 30-45రోజులకు రెండుసార్లు ఇవ్వాలి

[illegible]

- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- తీ పంటకు మిశ్రమంగా రాగి చిరుతిండి పెరిగి వస్తుంది. దీని సాగుకాలం సుమారు తేలికగా రావడానికి 35-45 వరకూలో దేనికాలి మరియు కొన్నిసార్లు సుమారు వాడుతుంది. మార్కెట్ రేట్ కిలుపు పై ఎలాగా కల్గుతుంది. మిశ్రమం గా ఉండటం మరియు రాయలసీమ రైతుల్లో వర్షాలను రాసుకుంటూ చూడాలి.

కొనుగోలు

- చల్లని మరియు పొడి వాతావరణం అనుకూలం. ప్రస్తుతానికి సమయం లో అధిక ఉష్ణోగ్రతలు వస్తుంది. మొక్క అన్ని దశలలో అధిక వర్షపాతం మరియు తేమ ఉన్నప్పుడు పెరిగి రాగి తగ్గుతుంది అవుతాయి.
- సమయం లో ప్రత్యేకించి పెరుగు పెరుగు తెగుళ్ళు ఎక్కువగా అవకాశం ఉంది. అదే ఎక్కువగా వర్షపాత వల్లనా వస్తుంది. కనుక ఒక లీటరు వర్షపాతానికి 1 గ్రా ప్రకారం లేదా అర్థాకి లేదా అర్థంలీటరు 1 గ్రా. తో వర్షపు నీళ్ళ కలిపి చల్లుకోవాలి.
- వర్షపాతానికి అనుకూలమైన సమయం: సాధారణంగా రెండవ వర్షం మంచి అర్థంలో మొదటి వర్షం 2తేదీ. అదే వర్షపాతం ఎంతకు అర్థంలో ఉంటే వర్షం మంచి తేదీలలో మొదటి వర్షం తేదీ వర్షపాతం.
- నేల నిల్వ ఎలాగని. బయట్నుండి. తేమను నిల్వచేసే నీళ్ళ రేగడి మరియు నీటి పారుదల గల నేలలు అనుకూలం.
- తక్కువగా పండించే ప్రాంతాలలో సాధారణ రకాలు కాకుండా ఎక్కువగా అధిక దిగుబడి పెంచుకోవాలి.
- సంవత్సరంలో ఏ పంటగా యారంగి కాలంలో వర్షపాతం కనుక పంటలో సాధారణం చేసిన పనులను వర్షపాతం 2-3 సార్లు మందు చేయడం వల్ల దూరంలో అందం కాలంలో ఉన్న తేమతో పనులు పరిశోధన రాయలసీమ పెరుగుతుంది.
- పైన మరియు కింద 5శాతం దశలో తప్పని సరిగా నీటి తడులు అవసరం. పంట వర్షపాత 30 రోజులు తర్వాత 1.5 నీటి తడి ఇవ్వడం వల్ల పంట బాగా పెరుగుతుంది.
- వర్షపాత 35-35 రోజుల మధ్య కలుపు తెగుళ్ళ అధికంగా ఉంటుంది. వర్షపాత 25 రోజులకు మరియు 45-50 రోజులకు తీసి అంతర కృషి చేయాలి. దీని వల్ల కలుపు నివారణతో పాటు భూమిలోని తేమను సంరక్షిస్తుంది. కలుపు నివారణకు అవసరాన్ని బట్టి లేదా పెండిమెథాలిన్ 1.5 కిలోలను పిచికారీ చేయాలి.
- పంట బాగా నివారణకు పై మందులతో 1 మి.లీ. లేదా మోనోక్రోటోఫాస్ 1.5 మి.లీ. లేదా క్లోరోపైరిఫాస్ 2.5 మి.లీ. లీటరు నీటికి కలిపి వర్షపాత 40 మరియు 60 రోజులలో పిచికారీ చేయాలి.

ఉద్యాన పంటలు

వర్షాయి

వర్షాయి లో వేసే పంటలు తక్కువ తేమను తట్టుకొని సమర్థంగా జరిగేటి. మొదటగా విత్తన సమస్య కనుక విత్తే ముందు ఆ మరుసటి రోజు రాత్రి నానబెట్టి ఎకరానికి 2 గ్రా చొప్పున మందుతో 3 గ్రా చొప్పున 1 % యూరియా మిశ్రమాన్ని కలిపి తయారు చేసుకోవాలి. పప్పుధాన్యాల విత్తనాలను తప్పనిసరిగా మందు పట్టించాలి. జొన్నలకు వరుసలో మధ్య జాతి తప్పనిసరిగా మందు పట్టి (కిలోకు 200 నుండి 50 కోట్ల మైక్రో జీవులు) మరియు పశు కోట్లు చేసుకుని కలిపిన మిశ్రమాన్ని తయారు చేసుకుని ప్రతి రెండు వారాలకొక పశు కోట్లు చొప్పున వేయాలి. ఒక కిలో యూరియాను 20 కిలోల పశు కోట్లతో కలుపుకుని పంటకి వేయాలి.

- సూర్య రశ్మిని తట్టుకొని కొన్ని ప్రాంతాలలో సమర్థంగా జరిగేటి. సూర్య రశ్మి లేని సమయంలో పెరుగుతూ 4-5 గ్రాములు కొత్తగా చిగురించే కొమ్మలపై మరియు కాయలను బట్టి గింజ పరిమాణం లో తక్కువగా అయినా పెరగాలి చేయాలి.
- మంచి సమర్థతను పెంచేటి కొరకు సమర్థంగా 1 గ్రా చొప్పున ప్రొటియోలైట్ ఒక పాళి చొప్పున ఒక లీటరు నీటిలో కలిపి మరియు దీనిని మళ్ళలో రోజు వ్యవధిలో రెండు రాళ్ళ పెరగాలి చేయాలి.
- వర్షాయి లో అతి ముఖ్యమైన సమస్యలను మొక్క నాటి కి 5 మి లీ (1000 పి పి ఎం) చొప్పున నీటిలో కలిపి పెరగాలి చేయాలి మరియు నీటి తక్కువగా తక్కువగానే ప్రాంతాలలో నాటి 30 రోజులకు 1 మి లీ చొప్పున కొత్తగా మొలకెత్తిన చిగుళ్ళ పై 15 రోజుల తరువాత 10 రోజుల కి 0.1 మి లీ చొప్పున మరియు 21 రోజుల తరువాత 0.1 గ్రా + జి కలిపినట్లయితే 10 రోజుల కి 0.1 మి లీ చొప్పున చొప్పున నీటిలో కలిపి పెరగాలి చేయాలి. సాధారణ పద్ధతిలో మందులను మొక్క నాటి పెరగాలి చేసిన పిదపనే రోజులు గడిచిన కొద్దీ పద్ధతిని మార్చుకుంటూ పెరగాలి చేయవచ్చు.
- పొట్ట పైన, పండే దశలో తక్కువగా అయినా కప్పి చేయకూడదు.
- అధికోత్పత్తి పెరుగుటకు కొంత ప్రదేశం తప్పనిసరి పెరిగే తీరులో ఉండాలి.

- పంటి @ 15 పి.పి.ఎం (1 గ్రా. ను 100 లీటర్ల నీటిలో కలిపి) ద్రావణ మందును లో. వెడల్పుకి సెం రేగాలు. మందులోకి మరియు నారు కోసి సెం మందు రేగాలకి మందు చల్లి నిరోధం చేయాలి.
- నారు తీసేసి తరువాత మూడవరోజు రోజుకు నీటికి నాన్పించడం @ 1 గ్రా. తో కలిపి నిరోధం చేయాలి.
- పిల్లలు, ఉపరితలం నుండి తడుపుతూ బోర్డాక్స్ పేస్ట్ ను పరిమిత కణజాలాలు కలిపి పై మరియు కొమ్మల పై ద్వారా ప్రయత్నం చాలా జాగ్రత్తగా కొంచెం తగినంత మోతాదు

నివేదిక

మందులో నీరు లేదు తరువాత నీటిని పేస్ట్, నీటి తడి ఇచ్చి ఆ మందులో రేగా చేసి పొలంలో రోజుకు నీటికి నాన్పించడం 2 గ్రా లేదా మరోసారి 3 గ్రా లేదా 1 % బోర్డాక్స్ మిశ్రమం కలిపి రాయాలి. పట్టుపూ రేణువులు చల్లుట ఉపయోగించడం ఉదారంగాను పిచ్చిగేళ్ళ మరియు నారికి ఉపయోగించడం మరియు ఒక కిలో (బ్లీచింగ్ పౌడర్ ను 50 కిలోల మట్టిలో పట్టి మరియు 10 కిలోల సున్నంతో కలిపి మిశ్రమం అందించు చేయడం ఉంటే రేగు నారులో 10 కిలోల చొప్పున వేయాలి. పంట రోజుకు నీటికి ఒక కిలో యూరియా కలుపుతూ నిరోధం చేయాలి.

- గడ్డి తరువాత మందులను ఆ తరువాత తప్పకుండా నారుకి నీళ్ళు ఉపయోగించాలి. వ్యాధి గల కొమ్మలను తొలగించాలి. రెండు మందు. మందు చల్లి (పేస్ట్ స్ప్రేను ను రోజుకు 5 లీ గ్రాము మరియు నారు అన్ని స్ప్రేకు కు 10 గ్రా. ఒక 10 రి నీటిలో కలిపి 30 రోజుల వ్యవధి లో నిరోధం చేయాలి. బోర్డాక్స్ మిశ్రమం అందించు మందులు పైన మరియు వ్యాధికి గురైన కొమ్మల పై రాయాలి.
- బోర్డాక్స్ పేస్ట్ ను పరిమిత కణజాలాల పై పూయాలి.

హెచ్చరిక

- తాగునీటిలో పైరులో కు లీటరు నీటికి 10 గ్రా మరియు బోరాన్ కు లీటరు నీటికి 1.25 గ్రా ఉప్పు నీటి నీరుగా నిరోధం చేస్తే ఎక్కువగా పూత నిలకడ పెరుగుతుంది.

- మరియుతో కలిపి పశువుల మూత్రాలను మొత్తంగా గాలిని నాణ్యతను అనుసరించి నాణ్యత పెరుగుతుంది. తయారుచేసిన కీటక నివారణ 1 మి.లీ లేదా బ్యాక్టీరియా కీటకం నివారణ 1.5 మి.లీ లేదా అన్నిటికీ 1 గ్రా + మొలాసిస్ (100 మి.లి.) లో కీటక నివారణ 2.5 మి.లీ కలిపి ఐదు వారం దశలు పెరుగుతో 2 రాత్రి పిచికారీ చేయాలి.
- అన్ని రకాల పప్పుధాన్యాలు, మొక్కజొన్న, వాణిజ్యపంటలు, మరియు గోధుమ లో తేమ శాతం అధికంగా ఉంటుంది. మరియుతో తేమ మరియు పైరుకు ఉన్నట్లయితే కీటకాలు మొగ్గలను మరియు 1 మి.లీ లేదా క్లోర్ పైరిఫాస్ 2.5 మి.లీ ఒక లీటరు నీటికి కలిపి పొలం పక్కన మరియు మరియు రాయి తయారయ్యే తర్వాత పిచికారీ చేయాలి.
- అన్ని రకాల పప్పుధాన్యాలు మరియు మరియు అధిక పప్పుధాన్యాలు రాగికి తెగులుకి అనుకూలం. నివారణకు నీటిలో కరిగే గంధకం 3 గ్రా లేదా కెరాథేన్ 1 మి.లీ లేదా హైడ్రోక్సిథాలిన్ 1 గ్రా లేదా సాల్ప్ రకానికి 1 మి.లీ ఒక లీటరు నీటికి కలిపి పిచికారీ చేయాలి.
- వాతావరణ మరియు అధిక 30 డిగ్రీల సెల్సియస్ మరియు పెరుగుతో లో ఉండు రాత్రి పిచికారీ చేస్తే పైరు రాలడం తగ్గించవచ్చు.
- వాణిజ్యపంట క్లైమెట్ కి లీటరు నీటికి 10 గ్రా కలిపి మరియు పిండి రోగాలను నివారణ లో ఉన్నట్లయితే పిచికారీ చేయాలి.
- మారుతున్న వాతావరణం పరిస్థితులకి పైరు మరియు పిండి రాకుండా ఉండడానికి ఒక శాతం యూరియా లేదా ఒక శాతం పొటాషియం క్లైమెట్ 10 గ్రాములను నీటికి కలిపి రోజు రాయి పరిమాణం లో ఉన్నట్లయితే ఎకరానికి మరియు 20 రోజుల తరువాత మరొకసారి పిచికారీ చేయాలి.
- రాయి పరిమాణం పెరుగుతున్నప్పుడు పరి గ్రాములు పొటాషియం క్లైమెట్ + 1.25 గ్రా లోపాన్ని కి లీటరు నీటికి కలిపి పిచికారీ చేయాలి.
- మరియు పండు తన మందంగా, పొడవుగా ప్రతి రాళ్ళ మధ్యలో 30-100 గ్రా బేసి మట్టిలోని పైపూత కనిపిస్తే అదేయ పేస్తు. పెద్ద పండు తయారు అవ్వడానికి తెలుపు లేదా పసుపు రంగు మిశ్రమం యూరియా పరిమాణం 4 ఉపయోగించాలి. పిచికారీచేసే 50 మి.లీ మరియు 200 గ్రా మంచి నీరు లేదా పొటాష్ కలిపి పిచికారీ

ఎరలుగా ఉపయోగించి తోటంతా చల్లి పెద్ద పండు ఈగలను ఆకర్షించి నివారించవచ్చు.

పాడి పశువుల పెంపకము:

- సెప్టెంబర్ చివరి వారంలో అన్ని వయోజన పాడి పశువులకు నట్టల నివారణ చేయించాలి. బ్రాడ్ స్పెక్ట్రం యాంటీహెల్మింతిక్ (నట్టల నివారణ మందులు) అయిన అల్బెండజోల్ మందును తగిన మోతాదులో @ 10 మి.గ్రా/కేజీ శరీర బరువుకు ఇవ్వాలి.
- పాడి రైతులు గర్భముదాల్చిన, పట్టిపోయిన, అనారోగ్యంగా ఉన్న పశువులను మరియు దూడలను వేరుచేసి పెంచుకోవాలి.
- పాడి పశువులకు వాటి పాల ఉత్పత్తి మరియు బరువు ఆధారంగా మేతను ఇవ్వాలి.
- 5 లీటర్ల పాలను ఉత్పత్తి చేసే పాడి పశువుల యొక్క శరీర జీవన అవసరాలను తీర్చడానికి ఎండుగడ్డి @7 కిలోలు, పచ్చి పశుగ్రాసంను @ 10 -15 కిలోలు, దాన మిశ్రమంను @ 2 కిలోలు మరియు ఖనిజలవణ మిశ్రమంను @ 100 గ్రాములు ఇవ్వవలెను.
- ఆవుల నుండి ప్రతి అదనపు 2.5 లీటర్ల పాల ఉత్పత్తికి మరియు బర్రెల నుండి ప్రతి అదనపు 2 లీటర్ల పాల ఉత్పత్తికి కొరకు కిలో సాంద్రత మిశ్రమ మేతను ఇవ్వాలి.
- గర్భము దాల్చిన, నిండు సూడి పశువులను మరియు ప్రథమ పాల ఉత్పత్తి కాలములో ప్రత్యేక శ్రద్ధను చూపాలి.
- గర్భము దాల్చే పశువులలో వచ్చే వేడి లక్షణాలను ఉదయము మరియు సాయంత్రము పూట గమనించాలి.
- పశువుల మందలో ఎదుకొట్టిన కోడెలను/ దున్నపోతులను వదిలి వేడి లక్షణాలు ఉన్న పశువులను గుర్తుపట్టాలి.
- పట్టిన 12 గంటలలోపు దూడలకు/ లేగదూడలకు జున్ను పాలను వాటి బరువులో 10 వంతు ఇవ్వాలి.

- దుక్కిలను/రోడ్డుపక్కలలో నుండు చీడ పీడలను పెంచడానికి చేత పట్టి గ్రామములు ఉన్నాయి.
- వారి పంటలలో గల ఖాళీ మీటరు 30రోజుల నుండి పాలు మార్చినచో 2 కి పాలాలు పెరిగి ఉన్నాయి.
- ఎత్తైన దుక్కిలను 142 రోజు, 15 కి రోజు 562 రోజు మరియు మెలంగా అని మెలం పదునును పరిశీలించి పక్షుల నివారణకు చేయడం ఉన్నాయి. పక్షుల నివారణకు దూరంగా గుర్తించినచో చేయడం అలాగే ప్రత్యేక అతిథులు మొదలు @10 మొదలు / కి కి 656 వరకు అగ్రంగానికి @75 నుండి 10 మొ.గా/ కి కి 656 వరకుగలదు.
- ఆ తర్వాత ప్రతి అతిథులు వారంలో చేయడంలో చేయాలి.
- అతిథులు పరిశీలన పరిచి తరువాత గాలి నింపడం వారి (FMD) నివారణ వాక్సిన్ వేయడంలో నిలుపుకున్నారు.

గిత్తల పెంపకము మరియు పోషణ పెంపకము :

- ప్రతివారికి పాలు పట్టినచో ప్రమాణ తీసుకోవాలి చేయవలెను.
- పెంపకంలోని ఒకటిన్నర గిత్తలను/దేవలను పెట్టినచో మొదటి వారంలో PPR టీకాలు వారికి తప్పక వేయవలెను.
- తెలంగాణ రాష్ట్రంలో గిత్తలు/దేవలను పెంపకము చేస్తున్నట్లైన మరియు పెంపు జరుగుచున్న పట్టణాలలో వారి రికార్డులను.
- పరిపక్వతలు ఉన్నవి ప్రకారం గిత్తలను/దేవలను ఇవ్వాలి.
- పెంపకానికి వారానికి రెండు పాలాలు మరియు ప్రతిరోజు రాత్రి 150 నుండి 200 గ్రాములు అదనపు పెట్టడంలో ఇవ్వాలి. మరియు గిత్త పిల్లలు ఎత్తైన రేటును పెరుగుదలకొరకు ప్రతిరోజు తప్పక అందించాలి.
- మరియు ప్రతి 20 లక్ష గిత్తలను 0.5 రాళ్లకంటే అందజేయాలి తప్పనిసరిగా ఉండాలి.
- ఎత్తైన పిల్లలను పెంచినచో రాత్రిపూట/ పగటిపూట వారికి ప్రత్యేకంగా చేయాలి.
- ఎత్తైన 12 గంటలలోపు పిల్లలను రాత్రి పూట వారి బరువులో 18 శాతం ఇవ్వాలి.

- వాణిజ్యపరమైన పంటను మరియు కొన్నిసార్లు మొక్కలను రక్షించడానికి రక్షిత చేయబడింది.

కోళ్ల పెంపకం:

- కోళ్లను పేపర్ షెడ్ నుండి శుభ్రపరచాలి.
- షెడ్ లోపలి కోళ్ల మధ్యలో 6 kg పరుపు మరియు కొన్ని వార్తా (Newspaper) లేయర్ ఉంచాలి.
- రాత్రిపూట చలి కాలంలో కోళ్ల షెడ్లలో బ్రూడర్లు మరియు లేయర్ కోడిపిల్లలు ఎప్పటికప్పుడు వేడిని పొందడానికి తగిన జాగ్రత్తలు తీసుకోవాలి.
- తెలంగాణ రాష్ట్రంలో సాధారణ కోళ్ల రకాలు కోడిపిల్ల దశలో, తెల్లగా, గ్రామప్రియా, కైరాలి మరియు ఇతరులు వారి మొదటి కొన్ని వారాలు అందుబాటులో ఉన్నాయి.
- ఒక రోజు పిల్లలను కోడిపిల్లలను పెంచడానికి పెంపకం కోసం కోళ్ల పెంపకం నీటి తొట్టి, మేత తొట్టి, మరియు సమీకరణలు/ఫైన్ రాడ్ తినేవారు అందుబాటులో ఉన్నారు.
- వాణిజ్య పెంపకందారుడు ప్రారంభ ప్రమాణాల కోసం పెద్దలను అనుసరిస్తారు.

మాంస పరిశ్రమ:

- రోజు రెండుసార్లు మేత పంపిణీని తగ్గించడానికి మేతను అధికంగా ఉపయోగించి రోజు ఎక్కువగా కోళ్లను అందించడం సరైన పద్ధతులలో పేర్కొన్నారు.
- పేడను తొలగించి మరియు తాజా ప్రదేశాలలో నిల్వ చేయాలి. పేడను ఎక్కువ కాలం పాటు నిల్వ చేయకూడదు మరియు దాని తడిగా ఉన్నట్లయితే మంచు ఎత్తైన పర్వతప్రాంత మార్గాలను పేర్చడం లేదా తడిపి చేయండి.
- రోజు రెండుసార్లు రోజు రాత్రి లేదా రోజు తరువాత రెండుసార్లు 2-3% ఉంటాయి.

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

तमिलनाडू एवं पाण्डिचेरी
TAMANDU AND PONDICHERRY

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

Gerana

- [illegible]

[illegible]

- இரவுகள்: [illegible] மற்றும் கலப்பின [illegible] [illegible] மற்றும் [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

இரசாயனி

- இரவுகள்: [illegible]

மகசூல்/செலவுகள்

- கலப்பின இரவுக் [illegible] மற்றும் [illegible]
- இரவுகளுக்கு [illegible] [illegible] மற்றும் கலப்பினங்களுக்கு [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

- விதைகளை 300 கிராம் அசோஸ்பைரம் கிருமி 10, பாஸ்போபாக்டீரியா மற்றும் பெஸிலோமைசஸ் லிலாசினஸ் (பாஸ்போ பாக்டீரியா) தலா 5 கிலோ அரிசி கஞ்சியில் கலந்து விதைநேர்த்தி செய்து நிழலில் உலர்த்தி விதைக்கவும். பயறு வகை மற்றும் எண்ணெய் முக்கியப்பயிர் உரம் போடு முன்பாகவும் 15 கிராம் பாஸ்பேட்டுடன் கலந்து விதைநேர்த்தி செய்து நிழலில் உலர்த்தி விதைக்கவும்.
- விதை விதைக்கும் கருவியை உபயோகிப்பதால் பயிர் எண்ணிக்கையை பராமரிக்கலாம்.
- நுண் தெளிப்பான் பயன்படுத்துதல் கனா முளைக்கும் முன் களைக்கொல்லி பயன்படுத்துதல், 30-35 நாட்களுக்கும் கைக்களை எடுத்தல், கலப்பெருக்கும் முக்கிய தருணத்தில் எக்டருக்கு 5 கிலோ தழைச்சத்து மட்டும் தெளித்தல். இயந்திர அறுவடை, சூரிய தொழில்நுட்பங்களை பின்பற்றலாம்.

கோதுமை

- இரகங்கள் அமுதா 2, சி.ஆர் ஜடி 1 ஆர் மற்றும் சி.ஆர் ஜடி 1 ஆர்

நிலக்கடலை

- இரகங்கள் டி.எம்.வி (பி) 13 மற்றும் ஏ.கே.ஜி 24, டி.எம்.வி 14, கோ 7, டி.எம்.வி 14, தரணி, பி.எம்.வி 3
- எக்டருக்கு 12.5 கிலோ தழைச்சத்து, 50 கிலோ பாஸ்பேட், 40 கிலோ பொட்டாஷ், 20 கிலோ சிங்கத்தில் தயாரித்து பயன்பட சாத்தில் ஏற்றுமதி வகைப்பிரிவுக்கு பயன்படுத்தவும்.
- கனா முளைக்கும் முன் எக்டருக்கு 1.0 லி பெண்டிமெத்தாலின் பயன்படுத்தவும்.
- எக்டருக்கு 400 கிலோ ஜிப்சம் 40 முதல் 50 நாள் தூவவும்.
- சிவப்பு கம்பளிப்புழுவினை கட்டுப்படுத்த தட்டைப்பயறு வரப்பில் செய்யவும்.
- பேன் அழுகலை கட்டுப்படுத்த விதைநேர்த்தி கிலோவிற்கு 2 கிராம் கார்பென்டாசிம் அல்லது 4 கிராம் ட்ரைகோடெர்மா ஆர்பிகுலாரம் அல்லது 10 கிராம் பேசிலஸ் சப்டிலிஸ் கொண்டு விதைநேர்த்தி செய்யவும்.
- விதைத்த 30-35 நாள் எக்டருக்கு 2.5 கிலோ பேசிலஸ் சப்டிலிஸை 50 கிலோ தொழு உரம் அல்லது மண்ணுடன் கலந்து இடவும்.
- முக்கிய மற்றும் மேற்று உருமாறும் பருவத்தில் எக்டருக்கு 5 கிலோ தழைச்சத்து நிலக்கடலை கிளி தெளிக்கவும்.

எள்

- இரகங்கள் வி.ம்.ஆர் எள்-1, டி.எம்.வி 1, வி.ம்.ஆர் 3
- ஒரு கிலோ விதைக்கு 4 கிராம் கார்பென்டாசிம் 2 கிராம் பேசிலஸ் சப்டிலிஸ் அல்லது 4 மில்லி லிட்டர் கொண்டு விதைநேர்த்தி செய்யவும்.
- சுழற்சி நிலை வருமானத்திற்கு மாற்றாக முளைகளை 0.1 சதவீத விதைநேர்த்தி செய்யவும்.
- எக்டருக்கு 20-25 கிலோ தழை, மணி மற்றும் சாம்பல் சத்துக்களுடன் 12.5 கிலோ தழைச்சத்து நுண்ணூட்டச்சத்து கலவையுடன் கொண்டு பெண்டிமெத்தாலின் 1.0 லி பயன்படுத்தவும்.

- அதிக அமிலத்தன்மை மற்றும் அதிகப்படியான நாற்றுகளை கலந்து விட வேண்டும்.

கடுகு

- தக்காளியுடன் அல்லது சணப்பை அடுப்பாக சாகுபடி செய்து மண்ணில் மடக்கி புதைக்கவும்.
- சாகுபடி செய்யாத குறுகிய கால சந்தைகள் இடத்தில், சோட்டோசெட்டம் மற்றும் கட்டுப் மற்றும் மண் தலைகீழாக இயந்திரங்களை பயன்படுத்தவும்.
- குறுகிய பூச்சியை கட்டுப்படுத்த சாறு ஒட்டாகும் பொடியும்.
- கடுகு பூச்சி தெளிக்கவும்.

வாழை

- கிழங்கினை ::: சதுர் மாற்றுவட்டத்தில் கலவையில் ::: திரிபுகளை வரையறுக்கவும் நட்ட. மற்ற நான் சணப்பை / சாமந்தி பயிர்செய்து ஒரு மாதத்திற்கு பிறகு மண்ணில் மடக்கி புதைக்கவும்.
- இன வளர்ப்பு வாழைக்கு நடவின்போது செடிக்கு :: கிராம் பொட்டாஷ் சத்துகளை இடவும். அதாவது சங்குக்கு :: கிலோ நீங்க சம்பேட் இடவும்.
- நாற்று பெருக்கத்தைக் குறைக்க நடவின்போது சங்குக்கு :: டன் கருப்பாக்கலைக்கூடிய குறிக்கு : கிலோ அல்லது :: டன் பேப்பர் புல்லைக்கு குறிக்கு :: கிலோ இட்டு நடவும்.
- நடவு செய்த ஏ வது மாதம் முதல் மாத்திற்கு :: கிராம் யூரியாவுடனை :: விட்ட தண்ணீரில் கலந்து மாதம் ஒருமுறையாக மாம் முழுவதும் நான்காம்பு குலை தள்ளும்வரை தெளிக்கவும். அதாவது இரண்டு முறை குலை தள்ளும்பு தெளிக்கவும்.

கொய்யா

- நாற்று மேலாண்மை பதியன் முறையில் நாற்று உற்பத்தி செய்து தரமானவற்றை வடிவங்களை பயன்படுத்தவும் நாற்றங்காலில் மண்ணற்ற கட்டங்களை வெர்மிகுலைட் மற்றும் தென்னை நார்க்கழிவு பயன்படுத்தவும் மாத்தலுக்கேற்ற சாமந்தி சாகுபடி செய்யவும் முன்று மாதங்களுக்கு ஒரு முறை மாத்திற்கு :: கிராம் மற்றுமிலிகான்கிலிகள் விகிதங்கள் : கிலோ தொழு உரத்தில் கலந்து அத்துடன் மாம் கிலோ வேப்பம்புண்ணாக்கும் சேர்த்து இடவும்.
- தென்னைக் கொசுவைக் கட்டுப்படுத்த புகையும் தழுவத்தில் விட்டமுக்கு : கிராம் விகிதத்தில் பிரேவிசோ மிளகாயை தெளிக்கவும்.

பப்பாளி

- பப்பாளி மாவுப்பூச்சி தொல்லைக் கட்டுப்படுத்த பூச்சிகள் பரவு வாய்க்குகளில் நாற்றங்கால் அமைத்து நடவுக்கு : நான் முன்பு அறுவடைப்பாடைப் பூச்சிகளைவிட வரத்தினை தெளித்தபின் நடவு செய்யவும்.
- வேரழுகல் அல்லது வாடல் தொல்லைக் கட்டுப்படுத்த :: நான் இடைவெளியில் : கிலோ பேஸ்டோ கலவை அல்லது ::: கிலோ பேப்பாண்டில் கலவையை : முறைக் : முறை மண்ணில் வேற்றி நனைக்கவும்.

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

நுண்ணூட்டக்கலவை தெளிக்கவும். முக்கிய தருணம் மற்றும் 10 நாள் கழித்து 0.1 சத வீதம் அளவில் தெளிக்கவும்.

- நாற்று வேளாண்மை: ஊட்டமிக்க சாகுபடியை 0.1 சதவீத விகிதத்ில் பயிர் செய்யவும். நடவின்போது அல்லது நட்ட 10 முதல் 20 வி நாள் எடுத்துக்கு 1 கிலோ பொஸ்பேட்டியா வீதி மற்றும் பஸ்யுடோமோனாஸ் விரைவில் + வேப்பம்புண்ணாக்கு அல்லது தொழு உரம் இடவும்.
- தக்காளி வளர் நுனியம்பாக வேளாண்மை: எடுத்துக்கு 40 இலைகளுக்கு மொரிகள் வைக்க வேண்டும். பயிருடைய பயிர்களை மறுபடியும் பயிரை வளர்த்து இடுங்கள் எதிர்காலங்களை அதிகரிக்க வேண்டும். டிஎஸ்பிஎன்பியா பிரிட்டியோரம் ஏட்டுக்கள்களை ஏக்கருக்கு 1000 எண்ணம் அளவில் ஒரு வார இடைவெளியில் விடவும். அமாவாசைக்கு 1,2,3 இரவு விட்டுக்கு 1 இரவி அல்லது இடைக்கிச்சேவைக்கு 4,5,6 மாலை விட்டுக்கு 1 இரவி அல்லது குடோஸ்ட்டாக்கிரேடோஸ் 1,2,3 மாலை விட்டுக்கு 1 இரவி அல்லது ஸ்பைனெக்டின் வேளைகளுக்கு 7 மாலை விட்டுக்கு 1 கிராம் அல்லது ஸ்பினோட்டோரம் 11,7 மாலை விட்டுக்கு 1.1 இரவி அல்லது ஸ்பினோசாட் 4 மாலை விட்டுக்கு 1.1 இரவி தெளிக்கவும்.
- இலை சுருட்டை மற்றும் புள்ளி வாடல் நோய் வேளாண்மை: நோய் பரப்பும் பூச்சிகளைக் கட்டுப்படுத்த திமெதொக்சாம் 25 டபிள்யூஜி விட்டுக்கு 0.5 இரவி அல்லது எஸிட்டாமிப்ரிட் 10.25 ஏடு விட்டுக்கு 0.5 இரவி அல்லது இடைக்கோஸ்ட் 17.1 டி. விட்டுக்கு 0.5 இரவி தெளிக்கவும்.
- நாட்டு அத்துப்புச்சேவை எடுக்க எடுத்துக்கு 10 மஞ்சள் நிற ஏட்டுக்கு பொறிகளை நிறுவவும். மாற்று உணவாக நுழுந் செடிகளை தவிர்க்க வேண்டும். எடுத்துக்கு 40 கிலோ கார்பாக்ஸிமாக் 3 சிறு அல்லது விட்டுக்கு 1 இரவி ஸைபெஸ்ஃபோட் 30 எஸி அல்லது விட்டுக்கு 0.5 இரவி மாலத்துயான் 30 எஸி அல்லது விட்டுக்கு 0.5 இரவி பெஸ்ஃபிக் டைபெட்டாக் 30 எஸி பைஸ்ஃபெந்தாயம் அல்லது தெளிக்கவும். இலை சுருட்டை மற்றும் புள்ளி வாடல் நோய்களுக்கான மாறும் அதன் ரகங்கள் மற்றும் அதன் சாம்பல் போன்ற இரகங்களைப் பயிரிடவும்.

எத்திலீன்:

- இரவில்: கோ 2: எச்.டி.ஏ 1, பி.பி.எம் 1, பி.எல்.ஆர் 1, பி.எல்.ஆர் பி 2: பி.பி.எம் 1, பி.கிரு 1, அஸோஸ்பைரா மற்றும் தழைச்சத்து எத்தில் பி.ஆர்.எம் 1, பி.ஆர்.எம் 2 ஸைட்டோகைனின் கோபி.எச் 1, கோபி.எச் 2, அதிகம் ஆரஞ்சு, அதிகம் அளவு
- ஏட்டு எத்திலீன்: முப்பது நாள் வயதான இரவி அல்லது ஸைட்டோ எத்தில் நாற்றுக்களை 30-40 நாள் வயதான கன்றுகளாகப் நாற்றுகள் பிரு பொரு ஏட்டுக்கு முறையில் ஏட்டுக்கட்டு பனி அளவில் 15 நாட்கள் மற்றும் இரவு வளரவில் 10 நாட்கள் வழங்கப்படுத்துவதற்கு எடுக்கவும்.
- மினுக்கான இரவெளிற்கு 4 கிராம் பொஸ்ஃபேட்டியா வீரிய அல்லது 10 கிராம் பிரிவியா எடுக்கவில் மற்றும் 400 கிராம் மினுக்கு, 40 கிராம் அரிசிவாடியில்லாத ஆகியவற்றை அரிசி கஞ்சியில் கலந்து மினுக்கேற்றி செய்யவும்.

- தொழுவரம் கட்டுப்படுத்த எக்டருக்கு 10 கிலோ தொழு உரத்துடன் 2.5 கிலோ பேசிலஸ் சப்டிலிஸ் கலந்து பயன்படுத்தவும்.
- பழம் மற்றும் தண்டு துளைப்பான் தாக்குதலை கட்டுப்படுத்த வயலில் எக்டருக்கு 250 கிலோ வேப்பம்புண்ணாக்கினை 5 மாத வேப்பெண்ணெய் கலந்து பயன்படுத்தவும்.
- நட்ட 30-35 ம் நாள் பழம் மற்றும் தண்டு துளைப்பான் தாக்குதலை கட்டுப்படுத்த இனக்கவர்ச்சி பொறி மற்றும் வேதியல் மாயக் கட்டுப்படுத்த மஞ்சள் ஒட்டும் பொறி ஒவ்வொன்றும் எக்டருக்கு 12 வீதம் அமைக்கவும்.

வெண்டை

- இரகங்கள்: அதிக அளவில், அதிக அடர் பச்சை நிறம், மஞ்சள் கலந்த மற்றும் அதிக நீளம் கலப்பினங்கள் கோ (வீஎச் எச்) 1, கோ (வீஎச் எச்) 10 மற்றும் பொன்னு கலப்பின கோ 4
- ஒரு ஹெக்டேர் விளைநிலத்து 4 கிலோ பேசில்லஸ் மிரிங்கி அல்லது 10 கிலோ பேசிலஸ் சப்டிலிஸ் கொண்டு விதை நேர்த்தி செய்யவும். அதனோடு 100 கிலோ அசோஸ்பைரில்லம் கலந்தோ கலந்து விதை நேர்த்தி செய்து 30 நிமிடம் நிழலில் உலர்த்தவும்.
- இரகவாரி வைப்பிடைத்து நட்ட 30 மற்றும் எல் நாள் 1கி ஹெக்டர் + 1கி ஹெக்டேரு வலம்பிளவுக்கு. நட்ட 30ம் நாள் முதல் 10 நாட்கள் இடைவெளியில் 1கி 10 10 கலப்பை மூன்று முறை தெளிக்கவும்.
- முளைக்கும்முன் களைக்கட்டுப்படுத்த விளைத்த மூன்றாம் நாளில் எக்டருக்கு 0.10 கிலோ ஆக்சிடையாசில் செயல் மூலப்பொருள் அல்லது 1.0 கிலோ பெண்டிமெதாலின் செயல் மூலப்பொருள் அல்லது 0.75 கிலோ ஹாலோசல்ஃபியூரான் செயல் மூலப்பொருள் தெளிக்க வேண்டும்.
- மஞ்சள் நரம்பு தேமல் நோய் பரப்பும் வெள்ளை ஈக்களைக் கட்டுப்படுத்த 10 விட்டருக்கு 5 கிராம் அசாடிராக்டின் 0.03 தூள் கலவை பொடி அல்லது விட்டருக்கு 10 மி.லி மெத்தில் பாரத்தியான் 25 ஈசி அல்லது விட்டருக்கு 2 கிராம் இமிடாக்ளோப்ரிட் 70 நனையும் தூளினை தெளிக்கவும்.

பயிர்ப் பாதுகாப்பு

- முள்ளி: கோ 1, கோ 2, அதிக தூர்வுறன் மற்றும் அதிக எந்துள்
- புடலை: கோ 1, கோ 2, பிகேஎம் 1, பிஎல்ஆர் 1 மற்றும் பிஎல்ஆர் 2, வலம்பிள புடலை கோஎச் 1
- சிக்கரண்டி: கோ 1, கோ 2 மற்றும் பிகேஎம் 1 உ வலம்பிள சிக்கரண்டி கோஎச் 1
- வாழைக்காய்: பூச்சி எச்சம் இல்லாமல் மாவு, பூச்சி எச்சம் இல்லாமல் பயிரிட, பூச்சி மஞ்சள், பூச்சி கொத்தை மற்றும் அதிக வருவாய் பிஎல்ஆர் 1, பிஎல்ஆர் 2 உ வலம்பிள குருகோடு வாழைக்காய் கோ 1
- பாகற்காய்: கோ 1, எல்ஆர் 1, அதிக தரமிக்க விதை 1, பிரியா மற்றும் பிரித்தி உ வலம்பிள கோ பிரித்தி எச் 1
- ஒரு ஹெக்டேர் விளைநிலத்து 4 கிராம் பேசில்லஸ் மிரிங்கி அல்லது 10 கிராம் பேசிலஸ் சப்டிலிஸ் கொண்டு விதைநேர்த்தி செய்யவும்.

- [illegible] 2 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 2.5 [illegible] [illegible] [illegible] 10 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] 10 [illegible] 10 [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] 100 [illegible] [illegible] 20 [illegible] [illegible] [illegible] 1 [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

- இரகங்கள்: Cer 1, Cer 2, Cer 3, Cer ஆடி 4, Cer ஆடி 5, எல்லிகா 1, எள் [illegible], எள் [illegible], ஸ்ரீ விநாயகா [illegible], ஸ்ரீ சுந்தரா [illegible], ஸ்ரீ சிறகாடு [illegible], [illegible], ஸ்ரீ விஜயா, ஸ்ரீ தேஜா, ஸ்ரீ மோக்ஷா, ஸ்ரீ அனுஷா, ஸ்ரீ ரஜனி [illegible] எதிர்ப்பு சக்தி கொண்டது. ஏக்தாப்பூர் 1 ஏக்டருக்கு 1 மற்றும் ஏக்டருக்கு 2.

[illegible]

- இரகங்கள்: Cer 1, Cer 2, Cer 3, Cer 4 மற்றும் எல்லிகா 1, Cer ஆடி 5 மற்றும் Cer 6 ஆகிய விதை உற்பத்திக்காகத் இரகம்.
- ஒரு கிலோ கொண்டைக்கடலைக்கு 3 கிராம் ட்ரைக்கோடெர்மா ஆர்பிஸெனியம் கொண்டு விதைநேர்த்தி செய்யவும்.
- அடுத்து தொழுவுக் கட்டுப்படுத்த ஏக்டருக்கு 20 கிலோ வீ. ஆர்பிஸெனியம் 100 கிலோ மேல்புழுதியை இடவும்.
- நட்ட 30, 40 & 50 நாள் கழித்து ஹெலிக் கம்பேட் 1 கி.மி மாங்கனீசு கம்பேட் இரசாயனம் தெளிக்கவும். இரசாயனங்கள் கட்டுப்படுத்த விரைந்த ஹெலிக் நட்டதுக்கும் மேல் வயலைச் சுற்றி 2 வரிசைகளில் மக்காச்சோளத்தை தடுப்பு பயிராக 1 அடி இடைவெளியில் விதைக்கவும்.

[illegible]

- ஏரிகொல்ல, வறுள் வெள்ளை 11, ஏக்டருக்கு 100 எண்ணிக்கை குவைடூரம் ஏட்டுகளை, ஏக்டருக்கு 5 ஆமணக்கு எண்ணெய் ப்ரம்பட்ட 1 அடி x 15 அடி மஞ்சள் ஒட்டும் பொறி இவற்றை எதிர்கொள்ள மாறுகால் ப்ரிக்கொலாவி தெளிக்கக் விற்றுப்பற்ற இடைவெளி.

[illegible]

- காய்ந்துடன் வாங்கும்போது முறையாக தரவிலைப்படுத்தி தொப் அரிவெட்டுகளை வங்கிகளிலிருந்தே பண்ணைவாரி செய்கையும்
- புதிய வாங்கிய சேமிக்குக்கு ஆரிய விரிவு தடுப்புச் சிறைவருவிலிருந்து பொடியும்
- தானிய வகையை தானிய கட்டு வெள்ளை கழிச்சல் தொடக்கமை தடுப்புச், நீலை விரைந்தன் மற்றும் பிற சேமமைக்குக் வேணாவை அறிவியல் சாயத்தை தொடர்பு கொள்ளவும்

[illegible]

- ஏழுமீன், கறுப்பாகைக் கறிவு மற்றும் [illegible] கையாகொலை செறிவுட்டு கொடுப்பதால் காய்ந்துடன் கறுக்கு செரிமானம் அதிகரித்து [illegible] பெறுவதும்
- பண்ணியம் [illegible] பொருட்டு விரைவாக முறையில் விரைவாத்த நீலைவிக்கான வாய்ப்பான இடங்களில் பயன்படுத்தவும்
- மழை காலத்திலிருந்து முன்பு காய்ந்துடன் கறுக்கு ஆட்பாடு தொற்று ஏற்படும் வண்ணம், காய்ந்துடன் வளரிக் சரான மாறுபாடு அறுவடை [illegible] தொப் பயன்பாடு ஆர்வமாக அல்லது பண்ணையைக் கழக வையத்திலிருந்து அளித்து பரிசோதனை செய்து கொள்ளவும்.

- பழுப்புநிலையை கட்டுப்படுத்த முட்டுகளை நீக்க வழுக்கை பயன்படுத்தவும்.
- 14 மாத வயதுடைய கன்றுகளுக்கு தாதுப்பு கட்டிகளை கொட்டகைகளில் கட்டி தொங்கவிடுவதால் தாதுப்பு குறைபாட்டை கட்டுப்படுத்தலாம்.
- பால் மாடுகளுக்கு தானியங்களுடன் தாதுப்பு 50 கிராம் தினமும் தீவனத்தில் அளிக்க வேண்டும்.
- வறுத்த கறவை மாடுகளுக்கு தானியங்களுடன் தாதுப்பு 25 கிராம் தினமும் தீவனத்தில் அளிக்க வேண்டும்.
- தினமும் தீவனத்துடன் சாதாரண உப்பு 30-50 கிராம் அளிப்பதால் பால் அளவு அதிகரிக்கும்.
- பாலில் கொழுப்பு சத்து அதிகரிக்க மற்றும் மந்த அதிக தோல் கட்டுப்படுத்த தினமும் தீவனத்தில் 30-50 கிராம் சமையல் சோடா உப்பை கலந்தும் வேண்டும்.
- நாள் முழுவதுக்கு குறைவான 1.5 கிலோ மற்றும் கறவை மாடுகளுக்கு அளிக்கலாம்.
- பி) பூச்சி கழிவுகளை தினமும் 25 சதம் வரை மாடுகளுக்கு கொடுக்கலாம்.
- தானியங்களை மாவாக, கரட் தெளிப்பானை பயன்படுத்தி மடி தோல் வரையில் பாதுகாக்கலாம்.
- விலைமாடுகள் முறையாக தோல் செய்யப்பட்ட பாலாடையை முன்கை மருத்துவ முறைகளை பயன்படுத்தலாம்.
- பூச்சிகள் பரவாத அமைப்பை தவிர்க்கவும்.
- பால் கறப்பதற்கு முன்னும் பின்னும் பொட்டாசியம் பெர்மாங்கனேட் கலந்த தண்ணீரில் மாட்டினுடைய காம்பு வேண்டும்.
- பால் கறந்தவுடன் மடிக்காம்பு துவாரங்கள் மூடும் வரை ஒரு மணி நேரம் காம்புகளை படுக்க விடாமலிருப்பதால் மண்ணிலுள்ள நுண்கிருமிகள் மடிக்காம்பு துவாரத்தில் முறையாக தடுத்துக் காக்கலாம்.
- மாடு மற்றும் இரவு தொழுவங்களை காம்புகளை கொட்டகைகளை பாதுகாக்கவும்.

ஆடுகள்

- உயிரணுவில் கிடைக்கும் தீவனங்களை முறையாக அளித்து ஆரோக்கியமாக செய்ய வேண்டும்.
- மண்ணீரல் புழுட்டோ போன்கிரிப் விலையை முறையில் விலைமாற்று தீவனங்களை வாய்ப்புள்ள இடங்களில் பயன்படுத்தவும்.
- மாடு காலத்திற்கு முன் சாண மாதிரியை அருகில் உள்ள தோல் புலனாய்வு ஆய்வகம் அல்லது பல்கலைக் கழக ஆய்வகத்தில் அளித்து பரிசோதனை செய்து தக்க குடற்புழு நீக்க மருந்தினை பயன்படுத்தவும்.
- பட்டியில் பதிவாக செய்கையும் ஆடுகளில் பெரிதும் அல்லது பிற தோல் தொற்று உள்ளதா என்று ஆய்வு செய்வதற்கு ஆடுகளை 21 நாட்கள் தனிமைப்படுத்த வேண்டும்.
- சினைப்பெற்ற ஆடுகளுக்கு 270 முதல் 300 கிராம் அடர் தீவனம் கொடுப்பதன் மூலம் கருச் சிதைவு அல்லது கட்டி சுத்து முதலான உள்ளாட்டுகளை தவிர்க்கலாம்.
- மாடு காலங்களில் தீவன மாற்றங்களை நடவு செய்து பாதுகாப்பான தீவனமாக கொடுக்கலாம்.

- நீலகிரி மற்றும்கிருஷ்ணகிரி உள்ள சமவெளிகளில் ஆடிமாதத்தில் பயிரிடும் கிழங்குகள், மரவள்ளி நீலகிரிமலைகளில் மரவள்ளி இலைகள், கொய்யாவில் பயிரிடும் கிழங்குகள், வாழை இலைகள் மற்றும் தண்டுகளை உணவாக அளிக்கலாம்.
- அரோரூட்டை ஆடிமாதத்தில் 30 முதல் 90 கிராம் வரை ஒரு நாளைக்கு பகுதி உணவாக அளிக்கலாம்.
- ஏட்டிலைகளிலிருந்து பாதிப்பிலிருந்து பாதுகாக்க ஏட்டிலைகள் கட்டுப்படுத்தும் மருந்துகளை தக்க நேரங்கள் பயன் தெளிக்க வேண்டும்.
- விலைபயிர்கள் முறையாக தேர்வு செய்யப்பட்ட பாரம்பரிய முறைகளை மாற்றாக முறையாக (Intercropping).
- உள்ளூர் காய்கறி மருத்துவர்களுடன் கலந்தாலோசித்து செம்பரி ஆடு மற்றும் செம்மறியாட்டுக் கிடாய் / ஆத்தாக்கிர் தடுப்பூசி போட வேண்டும்.

கோழி வளர்ப்பு நாட்டுக்கோழி

- கோழிகளுக்கான பாக்க காய்கறி, மருத்துவ பயன்கள் கழுத்தறுவோர் பல அலுவலர் மேற்கு கோழிகளுக்க பண்ணைகளிலோ வாங்க வேண்டும்.
- கோழிகளை கொள்ளைக் கழிக்கல் குஞ்சுகளிட் தோட் வரையில் தடுக்க 7வது நாள் கண்ணில் விட வேண்டும் 10வது நாள் காலெட்டா கண்ணில் விட வேண்டும் மற்றும் 14 வது நாள் ஆந்தாக்ஸ் தடுப்பூசி போட வேண்டும்.
- கோழிகளுக்கு அமர்க்கினை குறைக்க தொலி அல்லது மோர் வரைகல் அல்லது ஈரமிக்க சாறு போன்றவற்றை நல்ல சத்துமான குடிநீரில் கலந்து கொடுக்க வேண்டும்.
- கோழிகள் வளர்ச்சி விகிதத்தை அதிகரிக்க ஒரு சதவிகிதம் புரத அளவு (சோய அல்லது மீனவுணவு) தீவனத்தில் கலந்து கொடுக்கவும்.
- இருத்தகுதிக்கால் தோலைத் தடுக்க காய்கறி, மருத்துவரின் ஆலோசனை படி இருத்தகுதிக்கால் தடுப்பு மருந்தை தக்க அளவில் தீவனத்தில் தொடர்ச்சியாக கொடுக்க வேண்டும்.
- கோழிகளில் ஒழுங்கு முட்டை இடுவதை தடுக்க ஒரு நாளைக்கு 10 கிராம் வீதம் கலந்தால் கால்சியம் கலந்து தருவதாக அளிக்கவும்.
- கோழிகளை இடமாற்றுவது, ஒரிடத்திலிருந்து மற்றொரு இடத்திற்கு எடுத்து செல்வது, எடுத்து வருவது மற்றும் தடுப்பூசி போடுவது போன்ற வேளைகளை இரவு நேரங்களிலோ அல்லது பகலில் வெப்ப நிலை குறைவாக உள்ள நேரங்களிலோ செய்வது நல்லது.
- அரோரூட்டை தாங்கிறதுக்கு ஒரு கோழிக்கு 10 கிராம் என்ற விகிதத்தில் வழங்க வேண்டும்.
- விலைபயிர்கள் முறையாக தேர்வு செய்யப்பட்ட பாரம்பரிய முறைகளை மாற்றாக முறையாக பயன்படுத்தி கொள்ள வேண்டும்.
- பறவைகளில் கடல்வாழ்பூட்டி பயன்படுத்தவும். சாப்பிடுவதற்கு குறைக்க கண்ணாடியை வைக்கவும். சிச்சாக்க கண்ணாடிகளிலிருந்து இருத்தகுதிக்கால் தோலைக் கண்டறிந்து காய்கறி, மருத்துவரின் ஆலோசனை பெற்று உரிய சிகிச்சையளிக்கவும்.

கொண்டைக் கடலை பராமரிப்பு

- கொண்டைக் கடலை பயிரிடும் 30 முதல் 35 நாளுக்கு நீர்ப்பாசனம் மற்றும் 30 முதல் 35 நாளுக்கு ஆழ்துளைக் கிணறு அல்லது தண்ணீர் ஊற்றை நீர்ப்பாசனம் செய்ய வேண்டும்.
- ஏக்டேருக்கான இயல்பான அத்தியாவசிய ஊட்டச் சத்துக்கள் வழங்க வேண்டும்.
- மானாவாரி முறையாகவோ நீர்ப்பாசனம் குறித்த ஆலோசனை பெறவேண்டும்.
- அளவுக்கு அதிகமாக நீர்ப்பாசனம் செய்யாமல் தவிர்க்க வேண்டும்.
- ஏக்டேருக்கு மிகக்குறைந்த எண்ணிக்கையில் அல்லாமல் நீர்ப்பாசனம் அளிக்கப்பட வேண்டும்.
- ஆக்சிடெமாக்சில் ஒரு கிலோ ஆக்சி நீர்ப்பாசனத்துடன் 100 மில்லி லிட்டர் என்ற அளவில் செலுத்து 3 நாட்கள் செய்ய வேண்டும்.

இரசாயன பராமரிப்பு

- இரசாயன ஆக்சைன் ஆரம்பத்தில் விதைப்பதற்கு முன் கட்டாயமாக பி.சி.ஆர். ஆய்வு மேற்கொள்ள வேண்டும்.
- ஆரம்பத்தில் உள்ள நீண்ட ஆக்சைன் விதைப்பதற்கு முன்னால் கட்டாயம் சிகிச்சைக்கு செய்ய வேண்டும்.

விரிவு, நிலைப்படுத்த நீர்ப் பராமரிப்பு

- நீர்ப் உள்ள பிராந்தியங்களில் ஆழமுடையதாக இருக்க நீர்ப்பாசனம் மற்றும் ஆழ்துளைக் கிணறு நீர்ப்பாசனம் செய்ய வேண்டும்.
- ஆரம்பத்தில் உள்ள நீர் அதிக தரம் ஆழமுடையதாகவிருக்க, 5.5 மெகாபாஸ்கல் ஆழத்து மற்றும் அதுகளை, முதல் மிகக்குறைந்த ஏக்டேர் கொண்ட மண்டலம் ஆழமாக்க வேண்டும்.
- தொடர்ந்து அதிகமான நீர்ப்பாசனம் இருப்பதை தவிர்க்க அல்லாமல்போது நீர்ப்பாசனம் இருப்பதை முழுமையாக கவனமாக்க வேண்டும்.

அமைப்பாக்க நீர்ப் பராமரிப்பு

- பாக்டீரியா தொற்றைக் வராமல் தடுக்க, ஆக்சிடெமாக்சில் ஒரு கிலோ நீர்ப்பாசனத்துடன் 30 மில்லி லிட்டர் என்ற அளவில் செலுத்து ஒரு வாரம் செய்ய வேண்டும்.
- பாக்டீரியா தொற்றைக் கட்டுப்படுத்த ஸ்ட்ரெப்டோமைசின் சல்பேட் மற்றும் 2 சதவீதம் கரைசலில் தயாரிக்க வேண்டும்.

வயலுக்கான நீர்ப் பராமரிப்பு

- ஆரம்ப கட்டத்தில் அதாவது பிரித்தல் செய்யப்பட வேண்டும். நீர்ப்பாசனம் அளிப்பதில் பற்றாக்குறையைத் தவிர்க்கவும்.

Zone-XI

कर्नाटक (कन्नड़)
KARNATAKA (KANNADA)

[illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

ಬಿತ್ತನೆಯಿಂದ :

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

ಕೊಯ್ಲು

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

ಇತರೆ ಶಿಫಾರಸ್ಸು :

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

- [illegible] ಕ್ಕೆ ಸೇರಿದ ಸಿ.ಒ ಸಂಖ್ಯೆ ಹೊಂದಿದ ಪ್ರತಿ ಅಳತೆ ಸಿಂಗಾರ್ ಗೆ 10 ಗ್ರಾಂ ಸಿಂಗಾರ್ ಪುಡಿ ಮಣ್ಣುಗೆ ಪ್ರತಿ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಬೇಕು. ಈ ರೋಗಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳಬೇಕು.

ಕಡಲೆ :

- ಎರಡು ಸಿಂಪಡಣೆಗಳ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಕ್ಲೋರ್ಪೈರಿಫಾಸ್ (ಸಿ.ಒ 2) ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಮೂಲಕ ಸಿಂಪಡಣೆ ಕೈಗೊಂಡಿದ್ದರೆ ಅಂತರ-ಬೆಳೆ ಇದ್ದು ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಮೂಲಕ ಬೆಳೆ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 25 ಸಿಂಪಡಣೆಗಳ ಅಂತರ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು.
- ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಮೂಲಕ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ ಹೊಲ ಸೂಕ್ಷ್ಮಾಣುಗಳನ್ನು ಹರಡುವುದು ಅವಶ್ಯಕವಾದ್ದರಿಂದ ಪ್ರತಿಯೊಂದರಲ್ಲಿ 5 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಕಡಿಮೆ ಅಂತರಕ್ಕೆ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಸೂಕ್ಷ್ಮಾಣುಗಳ ಪ್ರತಿಯೊಂದರಲ್ಲಿ ಅಂದಾಜು ಸಂಖ್ಯೆ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು (500 ಗ್ರಾಂ / ಹೆ. ಸಂಖ್ಯೆ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು ಮಾಡಬೇಕು.
- ಈ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳನ್ನು ಒಟ್ಟು 5 ಮಿಲಿಗ್ರಾಂ ಎಷ್ಟು ಮೆಲ್ಲಮೆಲ್ಲವಾಗಿ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು (50 ಇ.ಸಿ. (0.25 ಲೀ / ಹೆ) ಅಳವಡಿಸಿ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಕಡಲೆ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಸಸ್ಯಗಳು ಹೂವಾಗುವುದಕ್ಕೆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಒಣಗಿ ಹೋಗದೆ ಇರುವಂತೆ ಸಂರಕ್ಷಣೆಗಾಗಿ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಹೂವಾಗುವುದು ಮುಂದಿನ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಎರಡು ಸಿಂಪಡಣೆಗಳನ್ನು ಸಲ್ಫರ್‌ನಿಂದ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಬೇಕು. ಪ್ರತಿಯೊಂದು 20 ದಿನದ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಹೂವಾಗುವುದು ಮುಂದಿನ ಪ್ರತಿ ಅಳತೆ ಸಿಂಗಾರ್ ಗೆ 5 ಗ್ರಾಂ ಪುಡಿ ಮಣ್ಣುಗೆ ಅಳವಡಿಸಬೇಕು. ಇದರಿಂದ ಕಾಯಿಗಳಿಗೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಮಾಡಿದ ಹೂವಾಗುವುದು.
- ಕಾಯಿಕೊರೆಯುವ ಎಲ್ಲ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡುವುದು ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 10 ಗ್ರಾಂ ಮೆಲ್ಲಮೆಲ್ಲ ಎಲೆಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಕಾಯಿಕೊರೆಯುವ ಹುಳುವನ್ನು ಕಾಯಿ ಮಾಡುವ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಚೆಲ್ಲಿದಂತೆ ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕು (8 : 1 ರಂತೆ ಚೆಲ್ಲಿದಂತೆ ಮಾಡಿ ಕೊಳ್ಳಬೇಕು). ಕಾಯಿಕೊರೆಯುವ ಸೂಕ್ಷ್ಮಾಣುಗಳನ್ನು 0.25 ಮಿಲಿ ಗ್ರಾಂ / ಅಳತೆ ಸಿಂಗಾರ್ ಅಳವಡಿಸಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಹೆಸರು :

- ಎರಡು ಸಿಂಪಡಣೆಗಳ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಮೊನೋಕ್ರೊಟೊಫಾಸ್ (ಸಿ.ಒ 2) ಕ್ಲೋರ್ಪೈರಿಫಾಸ್ ಅಳವಡಿಸಿ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಅಕ್ಕಡಿ ಬೆಳೆಯಾಗಿ 1 ಎಕರೆ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಸಾಲುಗಳಿಂದ ಸಾಲುಗಳಿಗೆ 100 ಕಡೆಗೆ ಹೆಸರಿಗೆ ಸೂಕ್ಷ್ಮಾಣುಗಳನ್ನು ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಹೆಚ್ಚಿಸಬೇಕು.
- ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಇಳುವರಿ ಹಾಗೂ ಎರಡು ಸಿಂಪಡಣೆಗಳಿಗೆ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿರುವಂತೆ ಪ್ರತಿಯೊಂದು 5 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಅಳತೆ ಸಿಂಗಾರ್ ಪ್ರತಿ 20 ಹೂವು ಕಂಡ ನಂತರ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.

ರೋಗಗಳು :

- ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸಕ್ಕರೆ ತಿಂಗಳ ಬೆಳೆಗಾರರು ಮೇಲ್ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ 30 ಸೆ.ಮೀ ಆಳದಲ್ಲಿ (2.25 ಅಡಿ) ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಸಕ್ಕರೆ ಗಡ್ಡೆಯನ್ನು ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 8 ಕಿಲೋ ಗಡ್ಡೆಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಗೆ ಹಾಗೂ ಕಳ್ಳು ಸಂಖ್ಯೆಗೆ (10 ಕಿಲೋ ಎರೆಹುಳು ಮೊಳಕೆ ಕೂಡಿಸಿ 10 ದಿನ ಬಳಸಬೇಕು) ಮೊಳಕೆಯಾಗಿಸಿ ಹಾಕಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಕ್ಕರೆ 60 000 TO ದಿನಾಚ್ಚು ಗಡ್ಡೆಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಗೆ 5 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿನ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಮಾಡಬೇಕು.

ಕೀಟಗಳಿಗೆಸಂಬಂಧಿಸಿದಂತೆ :

- ಗಡ್ಡೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿದ ನೀರಿನ ಪ್ರಮಾಣ 5 000 ಲೀ ಗಡ್ಡೆ ಮೇಲೆ ಅಥವಾ ಗಡ್ಡೆ ನೀರಿನ ಮೇಲೆಯಿರಬೇಕು. ಮೊದಲ ಸ್ಪ್ರೇಯಾಗಿದ್ದರೆ ಅಗಸ್ಟ್ ಎರಡನೆ ವಾರ, ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ಎರಡನೆ ವಾರ, ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ಎರಡನೆ ವಾರ ಗಳನ್ನು ಪ್ರತಿ ಸ್ಪ್ರೇಯಾಗಿ 3 ಕಡೆಯಲ್ಲಿಯಂತೆ ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಕು. ಅಕ್ಕಪಕ್ಕದ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ನೀರಿನಲ್ಲಿ 2 ಗ್ರಾ ಕ್ಯಾಲ್ಸಿಯಂ ಕ್ಲೋರೈಡ್ ಸ್ಪ್ರೇಯಾಗಿ ಸಿಂಪಡಿಸಿದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸಿ ಗಾಯಗಳು ಕಂಡು ಬರದಿರುವುದು.
- ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 3 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ, 30 ಕಿಲೋ ಸಾರಜನಕ, 30 ಕಿಲೋ ರಂಜಕ, 30 ಕಿಲೋ ಪೊಟ್ಯಾಶ್, 4 ಕಿಲೋ ಸಕ್ಕರೆಗೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಹಾಗೂ 8 ಕಿಲೋ ಪೊಟ್ಯಾಶ್ನ್ನು ಕೊಡಬೇಕು.
- ಸಾಲಾಗಿರುವ ಹಾಗೆಯೂ ನೀರಾವರಿ ಗೆ 20 ಅಂತರದಲ್ಲಿ ನಾಟಿಮಾಡಬೇಕು. ಕೃಷ್ಣಾಜಲ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಕೃಷ್ಣಾಕೃಷ್ಣಗೆಗಳು. ಅದರ ಒಳಭಾಗದಲ್ಲಿ ಹೊಲ ಸಿಗುವಂತೆ ಮೊಳಕೆಯನ್ನು ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಬಳಸಿರಿ.
- ಬಿತ್ತನೆ ಸೇವಾಗಾಗಿ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೊಮೈಸಿನ್ 0.5 ಗ್ರಾಂ ಅಥವಾ ಸೆಲೆಂಟೊಮೈಸಿನ್ 1 ಮಿಲಿ ಅಥವಾ ಪೆನ್ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೊಮೈಸಿನ್ 1 ಮಿಲಿ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿಗೆ ಬೆರೆಸಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು.

ಕೀಟಗಳು :

- ಜಾಲಿಯನ್ನು ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಗಡ್ಡೆಯಲ್ಲಿಯಂತೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಹಾಕಬೇಕು. (ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೊಮೈಸಿನ್ ಹಾಗೂ ಗಂಧಕ ಹಾಗೂ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ 500 ಗ್ರಾಂ / ಹೆ)
- ಅಕ್ಕಪಕ್ಕದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 200 ಕಿಲೋ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ ಕೊಡಬೇಕು. ಜಾಲಿಯನ್ನು ಕಾಯಿ ಕೊಳೆಯುವುದರಿಂದ 2 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಕಿಲೋ ಜಾಲಿಗೆ ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಕು. ಮಧ್ಯಕಾಲ ಬರೆದ ಕಾಯಾಗಿ ಬರೆದಿರುವುದು ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಜಾಲಿಯನ್ನು ಕೊಳೆಯದಿದ್ದರೆ 10 ಮಿ.ಲೀ. ಪ್ರತಿ ಕಿಲೋ ಜಾಲಿಗೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿ ಅಳವಡಿಸಿ.
- ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಕಳೆಗಳನ್ನು ಕಿತ್ತೆಸೆಯ ಮಾಡಿರು ಸಕ್ಕರೆ 3 ದಿನಗಳ ಒಳಗೆ ಮೇಲ್ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ 30 ಸೆ.ಮೀ. ಕಳೆಯಲ್ಲಿಯನ್ನು (2.25 ಅಡಿ ಹೆ) ಸಂಸ್ಕರಿಸಬೇಕು.

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]

- "ಸಂಯೋಜಿತ" ಎಂದು ಸಮ್ಮಿಶ್ರಗಳಿಗೆ ಹೆಸರಿಸಲಾಗಿದೆಯೆಂದು, ಪ್ರತಿ ಚಾಲಿ ಸಸಿಗೆ 2.5 ಮೂಲ ಗಡ್ಡೆಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಮಾರಬೇಕು.
- ಗೆಡ್ಡೆ ಹೊಲಗಳನ್ನು ಅಂತರಿಸುವ ಸಲುವಾಗಿ ಸಲ್ಲಿಸಲ್ಪಟ್ಟ (ಸಂಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ) ಹೊಲಗಳಿಂದ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟರ್ ಕಡಿಗೆ 5 ಗ್ರಾಂ ಸಲ್ಫರ್‌ನಂತೆ ಎಂದು ಎರಚಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮೇಲಾದರೂ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಕಂಬಳಿಹುಳ ಹಾವಳಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಣ ಮಾಡಲಿಕೆ ಹೊಲದ ಸುತ್ತಲೂ ಒಣಗಿ ಹೋದ ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳ ಬಳ್ಳಿ ಹಾಗೂ ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳ ಬೆಳೆಯನ್ನು ಬೆಳೆಯಬೇಕು.

ಕೊಯ್ಲು :

- ಕೊಯ್ಲು ಕಾರ್ಯವನ್ನು ಕೈಗಾಗಿದ ಹಾಲಿನಂತಾದಾಗ ರಸಗೆ, ಹಾಲಿನ ಮತ್ತು, ಹಾಲಿನ ಕಾಳು, ಹಾಲಿನ ಗೆಡ್ಡೆ ರಸಗೆ, ಕಾಳು ಸಿಹಿಯಾಗಿ, ಕಾಳು ಗೆಡ್ಡೆ, ಕಾಳು ಒಣಗಿದಾಗ, ಕಾಳು ಕಠಿಣವಾದಾಗ ಮತ್ತು ಕಾಳು ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಹಾಗೂ ಬಣ್ಣ ಕಳೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಕಾಲಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಲಿನ ಮತ್ತು, ಹಾಲಿನ ಗೆಡ್ಡೆ ಮತ್ತು ಹಾಲಿನ ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಕಾಳುಗಳನ್ನು ಒಂದಾದ ಮೇಲೊಂದು ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಲು ಕೈಗೊಳ್ಳಬೇಕಾಗುತ್ತದೆ.
- ಒಂದು ಪಕ್ವತೆಗೆ ಬಂದಿರುವ ಕಾಳಾಗಿದ್ದು, ಬೆಳೆಯಲು ಹೂಬಿಡುವ 5-7 ಕಡೆಯ ಹಾಲಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಈ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಒಣಗಿ ಕಳೆಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವುದು ಹೆ 0.5 ಗ ಮಾಡಿದಾಗಲೆಗೆ ಕಾಳು ಹಾಲಾಗಿದ್ದು ಒಕ್ಕಲಿಗರು ಹಾಲಿನ ಗಾಳಿ ಹಾಗೂ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹಾಲಾಗಿದ ಪ್ರದೇಶಗಳ ಸಂಗ್ರಹಣೆ ಮಾಡಬೇಕು.
- ಪ್ರತಿ ಒಂದು ಕಡೆಯ ಹಾಲಾಗಿದ್ದು, 2 ಗ್ರಾಂ ಪೈಪ್ರಾಲಿನ್‌ನಿಂದ ಅಚ್ಚೆಯಾಗಿದ್ದ ಹಾಲಾಗಿದ್ದರಿಂದ ಗಿಡ ಮಾಡಿದ್ದು ಗಿಡದ ಗಿಡ ಕೊಳೆ ರೋಗಗಳನ್ನು ಹಾಗೂ ಹೆ 2 ಗ 12 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಹಾಲಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿದ್ದ ಕಾಳು ಸಂಗ್ರಹಣೆ ಮಾಡಿದ್ದರಿಂದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿದ ಕಾಳುಗಳನ್ನು ಸಂರಕ್ಷಿಸಲಾಯಿತು. ಪ್ರತಿಶತ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಮಾಡಿದ್ದರಿಂದ ಹೆ 0.1 ಗ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಹಾಲಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ಕಾಳು ಸ್ವೀಕರಿಸಲಾಗಿದ್ದು, ಪೆಕ್ಕೆ ಸಂಗ್ರಹಣೆಗಳು. ಹಾಲಾಗಿದ್ದು ಒಕ್ಕಲಿಗರ +0 ರಿಂದ +5 ಪಾಲಿನಷ್ಟು ಕಾಳಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಣೆಯಲ್ಲಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದೆ.
- ಹಸಿ ಕಾಳಾದರೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಎಂದು ಹಾಲಾಗಿದ್ದ ಎಚ್ಚರಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದ್ದು, 30 ರಿಂದ 50 ಸೆಂಟಿಮೀಟರ್‌ನಷ್ಟು ಹಾಲಿನಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಗಾಳಿಯ 4 ಹಾಲಿನ ಕೆಳಗೆ ಎಚ್ಚರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಗಾಳಿಯ ಹೊಲ ಹೆಚ್ಚುವುದಾದರೆ. ಹಾಲಾಗಿದ ಕಾಳಾದರೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಲ್ಪಟ್ಟ 20 ರಿಂದ 25 ಗಾಳಿ ಸಂಗ್ರಹಣೆ ಸ್ವೀಕರಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಮೇಲೆ ಒಂದು ಸ್ವೀಕೃತ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಿಂದ ಇಡಿಸಲ್ಪಟ್ಟ ಸ್ವೀಕೃತ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ 6 ಸೆಂಟಿಮೀಟರ್‌ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಇದ್ದ ಗಾಳಿಗೆ ಬಿಸಿ ಹಾಲಾಗಿ ಕಾಳಾದ್ದು ಹೊಲ ಹೆಚ್ಚುವುದಾದರೆ.
- ಹಾಲಿ ಹಾಲಾಗಿದ ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ ಪಕ್ವತೆಗೆ +0 ಕಡೆಯ ಹಾಲಾಗಿದ, +0 ಕಡೆಯ ಗಾಳಿ, ಕಂ ಕಡೆಯ ಹೊಲಗಳಿಗೆ ಗಾಳಿಯನ್ನು ಕೊಡಲಿಕೆ. ಆದರೆ 70 ಕಡೆಯ ಹಾಲಾಗಿದ್ದನ್ನು ಹಸಿ ಕಾಳಾದರೆ ಮೊಳಕೆ ಬಂದ ಹಾಲಾಗಿದ್ದ ರೀತಿ ಹೊಲಗಳಿದ್ದರೆ ಒಕ್ಕಲು ಗಾಳಿ ಗಾಳಿಗಳನ್ನು ಕಾಳಿಯಬಹುದು.

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

<u>[illegible]</u> :

- [illegible]

- [illegible]

[illegible] :

- [illegible]
- [illegible]

[illegible] :

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible] :

- [illegible]
- [illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]

- ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಿದಂತೆ 100-50-50 ಕಿಲೋ ಸಾರಜನಕ, ರಂಜಕ ಮತ್ತು ಪೊಟ್ಯಾಷ್ ಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಸಸಿ ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗೆ 100 ಕಿಲೋ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ಮೇಲೆ ಕೊಡಬೇಕು.
- ಶಿಫಾರಸ್ಸಿನಂತೆ ಎರಡು ಮೇಲ್ಮೈಗಳನ್ನು ಕಡಿಮೆಯಾದರೂ 1 ಮೀ.ಅಂ. ಮೇಲ್ಮೈಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ 2 ಗ್ರಾಂ ಮೆಗ್ನೀಷಿಯಮ್ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಅಂಶ ಕೊಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಕಡಿಮೆ ಇರುವಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಕೊಡಬೇಕು.

ಕಡಲೆಕಾಯಿ

- ಸುಧಾರಿತ ಮತ್ತು ಪ್ರಮಾಣಿತ ಸಿಹಿಯಾದ ಕಡಲೆಕಾಯಿ ಜಾತಿಗಳನ್ನು ಬೆಳೆದುಕೊಳ್ಳುವುದರಿಂದ ಒಂದನೆ ಸುಗ್ಗಿಯ ನಂತರ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿಯನ್ನು ಪಡೆಯಬಹುದು ಮತ್ತು ಅದರ ಆರೈಕೆಯನ್ನು ಕೈಗೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಿದಂತೆ 100-50-50 ಕಿಲೋ ಸಾರಜನಕ, ರಂಜಕ ಮತ್ತು ಪೊಟ್ಯಾಷ್ ಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ.
- 100 ಕಿ.ಗ್ರಾಂ.ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರಿನಂತೆ 2 ಗ್ರಾಂ ಬೋರಾನ್ ಅಂಶ ಕೊಡಬೇಕು; ಮೇಲೆ ಕೊಡಬೇಕಿರುವುದು.
- ಶಿಫಾರಸ್ಸಿನಂತೆ ಎರಡು ಮೇಲ್ಮೈಗಳನ್ನು ಕಡಿಮೆಯಾದರೂ 1 ಮೀ.ಅಂ. ಮೇಲ್ಮೈಮಟ್ಟದಲ್ಲಿ ಕಡಿಮೆ 2 ಗ್ರಾಂ ಮೆಗ್ನೀಷಿಯಮ್ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಅಂಶ ಕೊಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಕಡಿಮೆ ಇರುವಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಕೊಡಬೇಕು.

ಭತ್ತದ

- ಹೆಚ್ಚಿನ ಮೇಲ್ಮೈ ಕಳೆಯಿರುವ ಮತ್ತು ಸಣ್ಣಗಿನ ಕಳೆಗಳಿರುವ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆ ಬರುವ ಮೊದಲೇ ಕಳೆನಾಶಕ ಉಪಯೋಗಿಸುವುದು ಮತ್ತು ಕೂಲಿಯನ್ನು, 2 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಕಿಲೋ ಕಳೆ ಬೀಜಗಳ ಮೇಲೆ ಹಾಕಿ ಕಲಸಿಕೆಯಿಂದ 2 ಮಿಲಿ ಮೆಥಿಲಿನ್ ಬ್ಲೂ ಮತ್ತು ಮೆಥಿಲಿನ್ ಬ್ಲೂ ಮತ್ತು ಕಳೆ ಬೀಜಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಕಳೆ ಬೀಜಗಳ ಮೊಳಕೆಯನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಬೇಕು.
- ಅರ್ಧ-ಕಾಲ್ಭಾಗ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ಮಾತ್ರ ಗಿಡಗಳ ಸಂಖ್ಯೆಯಾಗಿ ಚೆಲ್ಲಿದಂತೆ ಮೊಳಕೆಯಾಗುವ ಹೊಲಗಳಿಗೆ, ಹಾಗೂ ಮಧ್ಯದಲ್ಲಿ ಚೆಲ್ಲಿದಂತೆ 1 ಅಡಿಯ 2 ಸಸ್ಯದ ಹೊಲಗಳಿಗೆ, ಕೈಯಿಂದಲೇ ಗಿಡದ ಎಲ್ಲ ಮೊಳಕೆಗಳನ್ನು ಕಿತ್ತುಹಾಕಿ ಮೇಲೆ ಹಾಗೂ ಗಾಳಿಯಾಡುವಂತೆಯೂ ಅಡಿಕೆ ಮಣ್ಣಿನಿಂದ ಮುಚ್ಚಬೇಕು.
- ಪ್ರತಿ ಗಡಿ ಹಾಗೂ ಬದಿಯಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಒಳಗೂ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರದಂತೆಯೂ ಎಲ್ಲಾ ಕಳೆ ಗುಡ್ಡೆಗಳನ್ನು ಪ್ರತಿ ಗಿಡದ ಮೇಲೆಯೂ 4-5 ಮಿ.ಅಂ. ಇರಬಹುದು.
- ಹೆಚ್ಚಿನಷ್ಟು ಕಳೆ ಬರದಂತೆ ಹೊಲಗಳಿಗೆ ಕಳೆನಾಶಕ ಹೊಡೆಯುವುದು. ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲೇ ಕಳೆ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಕಳೆದಂತೆ 3 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿಯಂತೆ ಅಕ್ಟೆಷೆಟ್ಟಿಗಳನ್ನು ಒಂದರ ಮೇಲೆ ಕಳೆದ ಕೆಲವು ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕಳೆಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಬೇಕು.

ಗೆಣಸಿನಬಳ್ಳಿ / ಗೆಡ್ಡೆ :

- [illegible]

- [illegible]

ಕೀಟ ಮತ್ತು ಹತ್ತಿಕೆ ನಿರ್ವಹಣೆ :

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

ಕೀಟಗಳು :

- [illegible]

- [illegible]

- ೪ ಕಿಗ್ರಾಂ. ಅಥವಾ ಸೈಪರ್ಮೆಥ್ರಿನ್ ೫ಇಸಿ(೧ ಕಿಗ್ರಾಂ. ಸೈಪರ್ಮೆಥ್ರಿನ್ ಸಿಗುವ ಹಾಗೆ ೨೦೦ ಲೀ. ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ದರೆಯ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಸಿಂಪಡಣೆಗೆ ೨ ರಿಂದ ೩ ಸಲ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಬಳಿಕದ ಎಕರೆಗೆ ಅನುಸಾರ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಮೊಸರಿನಲ್ಲಿ ಎಕರೆಗಳನ್ನು ಕಣ್ಣು ಮುಚ್ಚಿಕೊಳ್ಳುವುದರಿಂದ ಮೊಸರಿನ ಹಾಳಾಗುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಬಹುದು.
- ಮೊಸರಿನ ಎರಡರ ಸಿಂಪಡಣೆಯಲ್ಲಿ ೨ ಮಿ.ಲೀ. ಸೈಪರ್ಮೆಥ್ರಿನ್ ಸಾಕ್ಷಿಯನ್ನು ೬೦೦ ಲೀ. ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ದರೆಯ ಎಕರೆಗೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಸಾಯಿಸಿ, ಸಂಜೆಗೆ ಮೊಸರಿನಲ್ಲಿರುವ ಕೀಟ ಹೊರಗೆ ಸೇರಿಸಲು ಕಡಿಮೆಯ ಮಾಡಬಹುದು.
- ಕಡಿಗೆ ಬಳಸುವಾಗ ಎಲ್ಲಾಮೆಲ್ಲಾದಲ್ಲಿ ಸಿಂಪಡಣೆಯ ಕಾಯಿಯಾಗ ಕೀಟಗಳ ಗುಣಕ್ಕೆ ಗಮನ ಕೊಡಬೇಕು. ಕಾಯಿ ೩ ಗ್ರಾಂ. ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಮತ್ತು ೩ ಗ್ರಾಂ. ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಮತ್ತು ೩ ಗ್ರಾಂ. ಸೈಪರ್ಮೆಥ್ರಿನ್ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಕಾಯಿಯಾಗ ಗಾಳಿ ಸಿಕ್ಕಿದಾಗಲೂ ಹಾಗೂ ಸಂಜೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು.
- ಮಳೆಗಾಲದ ಸಂದರ್ಭ ಎಕರೆಗಳ ಕಡೆಗೆ, ಬಿಸಿಲಿನ ಎಕರೆಯ ಮಳೆಗೆ ಹೊರಗೆಯಾದರೆ ಹಾಕಬೇಕು.
- ಮೊಸರಿನ ಹೊರಗಡೆ ಗಿಡದಲ್ಲಿ ಸಂಪೂರ್ಣ ಕಾಯಿಯಾಗಿರುವಾಗ ಮತ್ತು ಹಾಗೂ ಕಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಹೊಳೆಯುವಾಗ ಎಕರೆಗಳನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಿ ೧೦೦ ಲೀ. ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ೨ ಕಿಗ್ರಾಂ. ಸಲ್ಫರ್ ಅಥವಾ ೧ ಕಿಗ್ರಾಂ. ಕಾಯಿಯಾಗ ದರೆ ಎಕರೆ ಸಂಪೂರ್ಣ ಕಾಯಿಯಾಗಿರಬೇಕು.

ಕೀಟ:

- ಮಣ್ಣಿನ ಕೀಟಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಣ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕ್ಷೇತ್ರಗಳಿಗೆ ಹೊಲಗಳಿಗೆ ಹಾಗೂ ಮಣ್ಣಿನ ಕೀಟಗಳಿಗೆ ಹೊಲಗಳ ಹೊಲಗಳ ಸಂಯೋಜನೆಗೆ ಕಂಪೋಸ್ಟ್ ಸಂಯೋಜನೆಯನ್ನು ಕೊಡಬೇಕು.
- ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಬೆಳೆಯ ಹೊಲಗಳ ಮೇಲೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ ಹಾಗೂ ಕಳೆಗಳನ್ನು ತೆಗೆಯಬೇಕು.
- ಕಾಯಿ ಕೊರೆಯುವ ಹಾಗೂ ಹಾಗೂ ಕಾಯಿ ಕೊರೆಯುವ ಹಾಗೂ ಗಾಳಿಯನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸಲು ಮಾರ್ಗ ಎಕರೆಗಳ ಮೇಲೆ ಪ್ರತಿಗಳಿಗೆ ೭ ಮಿ.ಲೀ. ಕ್ಲೋರಿಪೈರಿಫಾಸ್ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಕರಗಿಸಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಹಾಗೂ ಎಕರೆಗೆ ೧೫ ಎಕರೆಗಳ ಬಳಕೆಯನ್ನು ಹಾಗೂ ಹಾಗೂ ಬಳಕೆಯನ್ನು ಹಾಕಬೇಕು.

- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]:

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

केरल (मलयालम)
KERALA (MALAYALAM)

[illegible]

[illegible]

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]

6. പോഷകങ്ങൾ: മുഖ്യവിള അളവും മാത്രമും പോട്ടാഷും പകുതി അളവും അടിവളമായി നൽകേണ്ടതാണ്. അതായത്, യൂറിയയിലെ 50 കിലോ ഫോസ്ഫേറ്റ് 14.4 കിലോ പോട്ടാഷ് എന്നിവയാണ് അടിവളമായി നൽകേണ്ടത്.

7. ഇടവിളകൾ: ആദിക്കും കുറ്റിക്കുള്ള സ്ഥലത്തിൽ മരിച്ചതിന് 150 കിലോ കൂടുതലും ഇടുക്കാവുന്നതും.

8. വള വിനിയോഗക്കുറവ് വർധിപ്പിക്കുന്നതിനായി കൂടുതൽ ഗോമൂത്രം പ്രയോഗത്തിൽ മറ്റു പരിഷ്കാരങ്ങളുടെ അടിസ്ഥാനത്തിലുള്ള വള പ്രയോഗം നടത്തുക. ഗുണമേന്മ വളപ്രയോഗവും കൂടുതൽ പ്രയോഗത്തിനായി ഗോമൂത്രവും ഉപയോഗിക്കാവുന്നതാണ്.

കൂടുതൽ കീടനിയന്ത്രണം

1. ഗോപുരപ്പുഴു: തണ്ടുതുരപ്പൻ പുഴുക്കൾക്കെതിരെ ഗന്ധക്കെണികൾ ഏക്കറിന് 2 എന്ന തോതിൽ പാടത്തിനു ചുറ്റും 15, 30, 45, 60 എന്നീ ദിവസങ്ങളിൽ പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്.
2. കുരുപ്പുഴു: വയലിലെ വെള്ളം വറ്റിച്ചതിനുശേഷം ഏക്കറൊന്നിന് അഞ്ചെന്നായി അളവിൽ ഇലകൾ ഒരു മീറ്റർ അകലത്തിലായി ചേർത്ത് പാടത്തു വിതറാവുന്നതാണ്.
3. ഗോപുരപ്പുഴു: ഗന്ധക്കോടാലി കാർഡുകൾ ഏക്കറൊന്നിന് 2 എന്ന തോതിൽ പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. കാർഡുകൾ ചെറിയ കഷണങ്ങളായി മുറിച്ചു പാടത്തു പല ഭാഗത്തായി വയ്ക്കാവുന്നതാണ്. ആകെയും മുക്കാലാണിൽ കിനാൽഫോസ് 2 മില്ലിലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് തളിക്കാവുന്നതാണ്.
4. പുഴുപ്പുഴു: 50 ശതമാനം പാടത്തു വെള്ളം കെട്ടിനിർത്തി നിലനിർത്താവുന്നതാണ്. ക്ലോറാന്ത്രനിലിപ്രോൾ 3 മില്ലി 20 മില്ലി വെള്ളത്തിൽ കലർത്തി പാടത്തും വരമ്പുകളിലും തളിക്കാവുന്നതാണ്. പുഴു നശിക്കുന്നതിന് മുമ്പ് ക്ലോറാന്ത്രനിലിപ്രോൾ തളിക്കൽ ഏക്കറൊന്നിന് 4 കി. ഗ്രാം വിതറ-

അടിവളത്തോടൊപ്പം നൽകാവുന്നതാണ്. വരമ്പുകളിലും പറമ്പുകളിലും കളനിയന്ത്രണം ഉറപ്പാക്കുക.

5. തവിട്ടുതുള്ളൻ: ഒരു ഹെക്ടറിലേക്കായി 2 ഗ്രാം പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി തളിക്കാവുന്നതാണ്.
6. നാക്കിലിരിയ്ക്കുന്ന തുമ്പുണക്കുന്ന കീടത്തിന് 4 ഗ്രാം വിഷപ്പിറ്റാക്കാനുള്ളിൽ 10 ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് തളിക്കാവുന്നതാണ്.
7. പോളകുരിപ്പിന് 4 ഗ്രാം ഡയക്ലോറിനിയിലോണിന് പത്തുകിലോഗ്രാമായി പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളവുമായി ചേർത്ത് തളിക്കാവുന്നതാണ്.

മത്തൻ

1. മണ്ണിനടിയിലുണ്ടാകുന്ന വണ്ടുകളെ നശിപ്പിക്കുന്നതിന് പച്ചിലവളപ്പയിറുകൾ മാറ്റി ഒരാഴ്ചയെങ്കിലും മുമ്പേ കിളച്ചു ചേർക്കുക.
2. വെള്ളരി, മത്തൻ, പടവലം പ്രദേശങ്ങളിൽ 2 ഗ്രാമിനും ഗ്രാമ്പൂവെണ്ണ ഒരിലയ്ക്കിനിടയിലും ഇലകളിലുണ്ടാകുന്ന മഞ്ഞനിറത്തിലുള്ള കുത്തുകളിലേക്കായി നടുന്നതിനു മുമ്പായുള്ള സമയത്തിൽ മെഷീറ്റിനെ ഒരിലയ്ക്കിനിടയിൽ മണ്ണ് കിളച്ചു കൂനകളാക്കുകയും നടുന്നതിനുശേഷം മാസത്തിൽ നിന്നുപ്രത്യേകിക്കുകയും ചെയ്യുന്നതാണ്.
3. മണ്ണിനടിയിലെ ഈർപ്പം നശിക്കുന്നതിനുള്ള പ്രധാനമായ മാർഗ്ഗമാണ് പുതയിടൽ. ആദ്യഘട്ടത്തിൽ ഇലകളിൽ നനയുന്നതിനുശേഷം മണ്ണിൽ നനഞ്ഞ പച്ച / ഉണങ്ങിയ ഇലകളോ പുതയിടുക.
4. ജൈവവളം നൽകുന്നതിനു ശേഷമുള്ള ഒരേക്കറിൽ ഒരേക്കറിൽ 10 ടണ്ണോ വളം പ്രദേശത്തേക്കായി 100 യൂറിയ, 100 ഗ്രാം രാജീഫോസ്, 100 ഗ്രാം പൊട്ടാഷ് എന്നിവ നൽകുക. മഴയെ ആശ്രയിച്ചു കൃഷി ചെയ്യുന്ന സമയത്തിൽ 100 ഗ്രാം യൂറിയ, 100 ഗ്രാം രാജീഫോസ്, ഒരു കിലോ പൊട്ടാഷ് എന്നിവ നൽകുക. അല്ലെങ്കിൽ ഒരേക്കറിനുള്ള പ്രത്യേക വളക്കൂട്ട് ശുപാർശ ടിക്കിയ്ക്ക് 20 : 5 : 20 ഒരേക്കറിന് എന്ന തോതിൽ അടിവളമിട്ട് 5 - 6 ആഴ്ച കഴിഞ്ഞ് ഇടുകയാവുന്നതാണ്.

5. ഒരു ഹെക്ടറിന് 150 ഗ്രാം എന്ന തോതിൽ മോണോക്രോട്ടോഫോസ് തളിക്കേണ്ടതാണ്.
6. തണ്ടിന് തുരപ്പൻ ഇലപ്പേൻ വാടൽ രോഗം മുതലായവയ്ക്ക് വാടാനുള്ള സാധ്യതയുണ്ടായിരിക്കുന്നതിനാൽ ഇത് പ്രയോജനകരമാണ്.
7. നിർദ്ദേശിച്ച വിത്തു നിരക്കിൽ, വളർച്ച കൂടിയിട്ടും, തളിക്കേണ്ടിയിട്ടും മാത്രം ചാലിലും കുത്തനെയുള്ള നിരക്കിൽ മുളപ്പിക്കുക.
8. ഉപരിതലത്തിൽ പുള്ളിയിട്ട തണ്ടുകൾ അടുത്തിട്ട് കുഴിച്ചിട്ട് ചാലിന്റെ ചാലിന്റെ ചേർത്ത് പുള്ളിയിടുന്നതിനു വേണ്ട ഗുണമേന്മ ഏറ്റവുമധികം ഉള്ളതിന്റെ അടിക്കണക്കിൽ നടുക. പിന്നീടുള്ളതിൽ ഒഴിച്ചു കൊടുക്കേണ്ട ഉപരിതല കിഴങ്ങ് ആവശ്യമില്ലാതെ ഉപരിതലം പിടിക്കുന്ന പുള്ളിക്കു വേണ്ടതായ കിഴങ്ങിലേക്ക് ഉപരോഗിച്ചു നടുക.
9. ഹെക്ടറിലേക്ക് 250 ഗ്രാം വെച്ചിട്ട് പിള്ളക്കൊപ്പം മണ്ണിട്ട് പിള്ളക്കൊപ്പം തുടച്ചു തണ്ടിന് ചേർത്ത് ചേർത്തിട്ടാണ് നടേണ്ടത്. 1 - 1 മീറ്ററിലുള്ളിൽ നിറയ്ക്കുക. ഇത് ഒരു തവണ പിടിച്ചിട്ട് ഒരാഴ്ച, രണ്ടാഴ്ച കഴിഞ്ഞാണ് ചെയ്യുന്നതാണ്.
10. വെള്ളീച്ച വൈറസ്സ് 5 മിനി 10 ഗ്രാം വെച്ചുകൊണ്ട് ചേർത്ത് ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി വേപ്പെണ്ണ അരിപ്പയിൽ തളിക്കുക.
11. ഹെക്ടറിന് 600 നിരക്കിലുള്ളതിന് കൂടുതലായുള്ളതും വൈറസിനെ തന്നെ ഹെക്ടറുമായും ചിത്രം മാറ്റാൻ ഏറ്റി ചുറ്റി ചെയ്തുകൊണ്ടാണ്. 5 ഗ്രാം 3 മിനി 300 മിനി വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് തളിക്കേണ്ടതാണ്. 250 ഗ്രാം വെച്ചിട്ട് പിള്ളക്കൊപ്പം തുടച്ചു തണ്ടിന് ചേർത്ത് ഹെക്ടറിലുള്ളിൽ നിറയ്ക്കുക.
12. ഹെക്ടറിന് 600 ഹെക്ടറിലുള്ള ചെടികളും പുഴുക്കളുള്ള ചെടികളും 1 % വിനുള്ളിൽ വേപ്പിലയോ മിശ്രിതം തളിക്കുകയും ഉപരിതലത്തിൽ തളിക്കുകയും വേണം.

വാഴ

1. വാഴക്കുല പൂർണ്ണമായി വിരിയുന്നതിനു മുമ്പ് സൂര്യൻ മുഖം മറയ്ക്കും 'വസ്ത്രം' ഇലകളിൽ തൂക്കി കൊടുക്കുക.
2. വാഴ കൃഷിക്കായി രണ്ട് മൂന്ന് മാസം പ്രായമുള്ള വൃക്ഷ കന്നുകൾ തിരഞ്ഞെടുക്കുക. 10 ചതുരശ്ര മീറ്ററിന് വലുപ്പമുള്ള കുഴിയിലാണ് വാഴക്കന്നുകൾ നടേണ്ട്. കന്നുകൾ തമ്മിലുള്ള അകലം കുഴിയാണിന് 10 മീറ്ററോ അതിലധികമോ ഉണ്ടായിരിക്കുക. ഒരേക്കറിന് കുഴിയാണിന് അനുയോജ്യമായിരിക്കുക.
3. കന്നുകൾ നടുന്നതിനു മുമ്പായി മാതൃ ചെടിയും മാതാവും ചേർത്ത് കുഴിയിൽ മുക്കി മൂന്നു നാല് തിവസം വെയിലത്ത് വച്ചിട്ടുണ്ടാകുക.
4. ജൈവാംശം കാറ്റുള്ള സ്ഥലത്തിൽ കന്നുകൾ നടുന്നതു പോകാതിരിക്കാൻ താങ്ങുകൊടുക്കേണ്ടതാണ്.
5. തണ്ടിലെ കാർബൺഡൈഓക്സൈഡ് അളവ് പരിഹരിക്കുന്നതിനായി ചെടിയാണിന് 20 ഗ്രാം വീതം കുമ്മായം തണ്ടിൽ ചേർത്ത് കൊടുക്കേണ്ടതാണ്. വാഴ കായാകുമ്പോൾ ഓരോന്നിനും അളവ് ഉണ്ടാകുന്നത് ഇത് പരിഹരിക്കുന്നതിനായി 'വസ്ത്രം' 5 ഗ്രാം വെച്ച് വിറ്റത് വെള്ളത്തിൽ കലക്കി തളിക്കുന്നതാണ്.
6. ഇടയ്ക്കിടെ ചുറ്റും വാഴ കായാകുമ്പോൾ വിറ്റാമിനുകൾ തിരിയിൽ നിന്ന് നമ്പറ് ക്രമീകരിക്കുക.
7. വെള്ളക്കെട്ട് ഉണ്ടാകാതെ നിർവാർച്ച ക്രമീകരിക്കുക.
8. ഇലകളിൽ പുഴുക്കൾ : പുഴുക്കളുടെയോ പുഴുക്കൾ തിന്ന ഇലകളും നശിപ്പിക്കുക.
9. മാണവണ്ട് : വാഴയിൽ പിള്ളവണ്ട് 20 ഗ്രാം വീതം കുഴിയാണിന് എന്ന തോതിൽ ചേർക്കാവുന്നതാണ്.
10. നിമാവിരകൾ: ചെറിയ കുറുന്ന പുഴുക്കൾ വേരുകളിൽ കാണപ്പെടുന്നു തുടർന്ന് വേരുകൾ മിനുക്കലും വാഴകൾ വിളറലും സംഭവിക്കുന്നു

വാഴകന്നുകളിലെ മിനുക്കലും പഴയ വേരുകളും ചേർത്തിളക്കുന്നതിനു മുമ്പ് ഒരു കിലോഗ്രാം വേപ്പിൻ പിണ്ണാക്ക് മണ്ണ് വരിന് എന്ന തോതിൽ ചേർത്ത് നടാവുന്നതാണ്.

ബാക്കിയുള്ള മാകാരിനുപിന്നിലുള്ളതാണ് ബൈലാനിനെ 1 ഗ്രാം വീതം കന്നുകൾ പരിചരണം നടത്തി നടാം. തുടർന്ന് 10 ഗ്രാം

വിത്ത് കുഴിയാണിത് എന്ന തോതിൽ തുടർന്നു 4 മീറ്ററിൽ മാർക്ക് നൽകാവുന്നതാണ്.

11. തൈയുടെ വലുപ്പം : കൂടുതൽ വിളവ് ഉള്ള സമയത്തിൽ പുഷ്പിക്കുന്ന ഉണക്കിയ പോളകൾ മാറ്റിയതിനു ശേഷം മുള്ളുകൾക്കും നിറഭേദമില്ലാത്തതും എന്നതിലും മീതെയിലേക്ക് മുറിക്കാവുന്നതാണ് മീതെയിലേക്ക് മാറ്റേണ്ടതിലും മറ്റുള്ള തണ്ടിലും കുതിർത്തു കൊടുക്കുന്നതാണെങ്കിൽ മുഴുവൻ വാഴത്തണ്ടിലും തുടക്കം മുതലുള്ള താഴത്തെയിലും നിലത്ത് മണ്ണിലേക്ക് ഉപയോഗിച്ച് വെയ്ക്കുക. കിഴക്കോട്ടാണ് 0.01 ശതമാനം സ്യൂഡോമോണാസ് 0.01 ശതമാനം എന്ന തോതിൽ പ്രയോഗിക്കുക. തുടക്കം നിലനിൽക്കുകയാണെങ്കിൽ മീതെയിൽ പ്രയോഗം : ആഴ്ചയിലൊരു തവണ ആവർത്തിക്കുക.

12. ഇലപ്പുള്ളി രോഗം : രോഗം രൂക്ഷമായ ഇലകൾ മുറിച്ചു മാറ്റി നശിപ്പിച്ചതിന് ശേഷം 1 % വീര്യമുള്ള ബോർഡോ മിശ്രിതം പത്ത് ലിറ്ററിന് നാലോ അഞ്ചോ തുള്ളി എന്ന തോതിൽ തളിക്കുക.

13. പനാമ വാട്ടം പിടിപെട്ട കുലകൾ ഇലകൾ കൊണ്ടു കവിയുന്നതിനു 1 മാസം 1 മിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി മണ്ണിൽ കുതിർത്തുകൊടുക്കുക.

കുറുപ്പുകൾ

1. നിലവിലുള്ള കുന്നുകൾ തൊഴിൽ ഉണക്കിയ ഇലകൾ ഉപയോഗിച്ച് പുതയിടുക. കഴിഞ്ഞ വർഷം നട്ട കുന്നുകൾ വളർച്ചയ്ക്ക് തടസ്സമായ ഇല ഉപയോഗിച്ച് തന്നെ നിർമ്മാണം ആഴ്ചയിൽ രണ്ടുതവണ വളർച്ചയ്ക്ക് നനയ്ക്കുക. കുന്നുകൾ ഉണക്കിയിലധികം വളർച്ചയിൽ പൊട്ടി പോയി മിശ്രിതം എന്ന വളക്കൂട്ടോ 19 : 19 : 19 എന്ന വളമോ 5 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്ററിന് വെള്ളത്തിൽ എന്ന തോതിൽ തളിച്ചു കൊടുക്കേണ്ടതാണ്.

2. കുന്നുകളിലെ ഗുണിതം തൈയുടെയിനമായി 1 ശതമാനം വീര്യമുള്ള ബോർഡോ മിശ്രിതം അടുത്തിൽ കൊച്ചുട്ടി മാർക്കിൽ ഒന്നോരണ്ട് 4

ഗ്രാം / ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി മാറ്റത്തിലൊഴികെ മണ്ണിൽ കൂടിനനച്ചുകൊടുക്കുക.

3. വണ്ടുകൾ : മിശ്രിതത്തോടൊപ്പം അല്ലെങ്കിൽ കീടനാശിനി ലായനി വിത്തുകളിൽ തളിക്കാവുന്നതാണ്. ഒപ്പിഡെസ് കർഷകൾ മാറ്റത്തിൽ കുറവുള്ള തണ്ടിക്ക് രൂപപ്പെടുത്തുന്നതും പ്രയോജനപ്രദമാണ്.

മണ്ണും ഇലകളും

1. കർഷകൾ മാറ്റത്തിൽ മാറ്റവുള്ളതിനെ അല്ലെങ്കിൽ അവസ്ഥയെന്ന് പ്രയോഗിക്കുന്നത് ഒരേ കാര്യം ഇലകൾക്കുള്ളിലുള്ള മണ്ണ് കൂടിക്കലരുകയാണ്.
2. ഇലകൾ മണ്ണിൽ ചേർന്ന് വിളകളിൽ പോഷകങ്ങൾ കുറവ് പ്രകടിപ്പിക്കുമ്പോൾ ഇലകളിൽ 1 ഗ്രാം മൾട്ടി സ്ട്രൈക്കിന് മിക്സ് 1 ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ എന്ന തോതിൽ ഇലകളിൽ തളിച്ചു കൊടുക്കാവുന്നതാണ്.
3. ചൂട് കിട്ടാൻ മാറ്റത്തിനടിയിൽ മാർക്കാണ് 0.1 ശതമാനം അല്ലെങ്കിൽ സുഡോമോണാസ് 20 ഗ്രാം 10 ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി മണ്ണിൽ കൂടിനനച്ചുകൊടുക്കാവുന്നതാണ്.

ശ്രദ്ധിക്കുക

1. പോർക്കിംഗ് (മുളയ്ക്കുക) : കഠിനമായ മണ്ണിൽ ഇത് ആവശ്യമാണ്. ഇത് കർഷകൾ-സംഘങ്ങൾ മാറ്റത്തിൽ നടത്തണം.
2. വിളവെടുപ്പ് ആയി കഴിഞ്ഞ് കർഷകൾ വലയാണ് വിളവെടുപ്പിനെ ഏറ്റവും ഉത്തമം കാലമായി.
3. അടുക്കൽ മാറ്റത്തിനടിയിൽ കർഷകൾ ജൈവ പദാർത്ഥം കൂടുതലായതോടെയും പോഷകങ്ങൾ ഇലയിൽ തളിച്ചു കൊടുക്കേണ്ടതാണ്.
4. കളനാശം ബാധിച്ച ചെടികൾ നശിപ്പിക്കുക.

പുതുക്കിയത്

1. തീരകാല പച്ചക്കറികൾ ഉൾപ്പെടെ എല്ലാ പച്ചക്കറി വിളകളും തുറസായ സ്ഥലങ്ങളിലും ഗ്രോബാഗുകളിലും കൃഷി ചെയ്യാവുന്നതാണ്.
2. തുറസായ സ്ഥലങ്ങളിൽ പച്ചക്കറി കൃഷി ചെയ്യുമ്പോൾ മണിക്കൂറിന് മുന്ന് കിലോഗ്രാം എന്ന തോതിൽ നീരം ലഭ്യമുള്ള സ്ഥലത്തു മണ്ണിൽ ബോട്ടോക്കെറ്റ് പ്രയോഗിക്കുക.
3. ഗ്രോബാഗുകളിൽ പച്ചക്കറി കൃഷി ചെയ്യുമ്പോൾ നല്ല അനുപാതത്തിൽ മണ്ണ്, ചാണകപ്പൊടി, ചകിരിപ്പൊടി കലർത്തി എന്നിവ കൂട്ടിയോജിപ്പിച്ച് ഗ്രോബാഗുകൾ നിറയ്ക്കുക. ഗ്രോബാഗ് മണിക്കൂറിന് ഒന്ന് എന്ന തോതിൽ ബോട്ടോക്കെറ്റ് പ്രയോഗിക്കുക.
4. കൃഷി ആരംഭിക്കുന്ന സ്ഥലത്തു മണ്ണിൽ സൂക്ഷ്മാണുക്കൾ കിട്ടി പ്രയോഗിക്കുന്നത് കൂടിയ അളവിൽ കുറയ്ക്കുന്നതിന് സഹായിക്കും.
5. സൂക്ഷ്മ മൂലകങ്ങളുടെ കുറവ് കാണുകയാണെങ്കിൽ ഇലകളിൽ 'നാനോമിക്സ്' സൂക്ഷ്മ മൂലക മിശ്രിതം പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്.
6. മുരട്ട : പയറിൽ മുരട്ടകളുടെ ആക്രമണം സാധ്യത കൂടുതലാണ്. 2 % വീര്യമുള്ള വേപ്പെണ്ണ എമൽഷൻ അല്ലെങ്കിൽ 20 ഗ്രാം വെർട്ടിസീലിയം ലക്കാനി ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് പത്തു ദിവസം ഇടവേളകളിൽ പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ആക്രമണം രൂക്ഷമാകുകയാണെങ്കിൽ ഇതിലോ ക്ലോറിപ്പിഡ് 3 മില്ലി അല്ലെങ്കിൽ അസാഡിറാക്റ്റിൻ 2 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്.
7. വെള്ളീച്ച : 2 % വീര്യമുള്ള വേപ്പെണ്ണ വെളുത്തുള്ളി എമൽഷൻ അല്ലെങ്കിൽ 20 ഗ്രാം വെർട്ടിസീലിയം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിലായി ചേർത്ത് പത്തു ദിവസം ഇടവേളകളിൽ മുളക്, വഴുതന, തക്കാളി എന്നിവയിൽ പ്രയോഗിക്കുന്നത് വഴി വെള്ളീച്ചകളെ നിയന്ത്രിക്കാവുന്നതാണ്.
8. ഇലപ്പേൻ : നുള്ളിൽ ഇലപ്പേൻ ആക്രമണത്തിന് സാധ്യതകൾ ഉണ്ട്. 2 % വീര്യമുള്ള വേപ്പെണ്ണ വെളുത്തുള്ളി എമൽഷൻ അല്ലെങ്കിൽ അസാഡിറാക്റ്റിൻ 3 ഗ്രാം പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിലായി ചേർത്ത് തളിക്കാവുന്നതാണ്.

9. ഇലതീറ്റപ്രയോഗം: ആകെമാനംകണ്ടിൽ കൂടുതലുള്ള കൊഴിഞ്ഞുവീണ ചെടികളുടെ പ്രയോഗം തീറ്റ ഇലകളായോ തുടർന്ന് പ്രയോഗം ചിതറിക്കലായോ നടത്തുക.

10. 5 % വീര്യമുള്ള വേപ്പിന് കുരുസത്തു തളിക്കുന്നതാണ്. ആകെമാനം നൂറ്റമ്പതുലിറ്ററാണെങ്കിൽ ഫ്ലൂബെൻഡയാമൈഡ് 2 മില്ലി പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ അലിയിച്ച് ഫ്ലോണിക്കാമിഡ് 1 മില്ലി പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളവുമായി ചേർത്ത് തളിക്കാവുന്നതാണ്.

11. കാലിയുടെയും പന്നിയുടെ കാഷ്ഠത്തിന്റെ പ്രയോഗത്തിലൂടെ 5 % വീര്യമുള്ള വേപ്പിന് കുരു സത്തു ആകെമാനത്തിൽ പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ഫ്ലൂബെൻഡയാമൈഡ് 2 മില്ലി 10 ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ അലിയിച്ച് ഫ്ലോണിക്കാമിഡ് 3 മില്ലി 10 ലിറ്റർ വെള്ളവുമായി ചേർത്തു ആകെമാന തുണ്ടമായ ചെടികളിൽ തളിക്കാവുന്നതാണ്.

12. ഇലപ്പേനിക്ക് : വെണ്ടയിൽ പച്ചത്തുള്ളൻ ആകെമാനം ഉണ്ടാകാനുള്ള സാധ്യതയുണ്ട്. 2 ഗ്രാം അസാഡിറാക്ടിൻ പത്തു ലിറ്റർ വെള്ളവുമായി ചേർത്തു തളിക്കാവുന്നതാണ്.

13. പച്ചത്തുള്ളൻ : അതിനിശിത കീടമായ കുറുന്നത് അനുസരിച്ച് പച്ചത്തുള്ളൻ ആക്രമണം കൂടാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. 2 % വീര്യമുള്ള വേപ്പിന് കുരു സത്തു ഇടവിട്ടടവിട്ടത് തളിക്കാവുന്നതാണ്. അല്ലെങ്കിൽ ഡൈഫെന്തിയൂറോൺ 20 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി തളിക്കാവുന്നതാണ്.

14. ആണാലിനാണ് രോഗം : മുരിങ്ങയ്ക്ക് പ്രധാനമായി സ്യൂഡോമോണാസ് രോഗം കാണാറുണ്ട്. മുൻകരുതൽ എന്ന നിലയിൽ 1 % വീര്യമുള്ള ബോർഡോ മിശ്രിതം അല്ലെങ്കിൽ 3 ഗ്രാം കോപ്പർ ഓക്സി ക്ലോറൈഡ് ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് പ്രയോഗിക്കാവുന്നതാണ്.

15. മുഖരോഗ പൂപ്പൽ രോഗം : അതിനിശിത സാന്നിധ്യം കുറുന്നത് അനുസരിച്ചു മുഖരോഗ പൂപ്പൽ പ്രധാനമായി വളരെ സ്യൂഡോമോണാസ് കാണപ്പെടുന്നു. മുൻകരുതൽ നടപടിയായി സ്യൂഡോമോണാസ് 20 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി ഇലകളുടെ അടിഭാഗത്തു വിശദമായി തളിക്കാവുന്നതാണ്.

നുരി

1. നിലിയുടെ വിസ്തീർണ്ണത്തിൽ നുരി കൊടുക്കുന്നതിന് മുമ്പ് പാടി വെള്ളം ഉണ്ടാക്കുക.
2. കൂടിയ അളവിലുള്ള യൂറിയ പാടത്തുള്ളിൽ ഇടുമ്പോൾ 100 ഗ്രാം വീതം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ചേർത്ത് തളിക്കുക.
3. നെല്ല് ഇനങ്ങളുടെ കൂടിയിനം തുടക്കത്തിൽ ഇല കരിച്ചിൽ അടുത്തതിലായി കൊടുത്ത് ഒരിക്കൽ മുക്കാനായി 5 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലക്കി തളിക്കുക.

മണ്ണിലെ വളർത്തൽ

1. ആദ്യമായി മണ്ണിലെ വളർത്തൽ തുടങ്ങുന്നതിന് ആദ്യമിടുന്നവർ മണ്ണിലെ കോളിഫോർ കൂടാതെ നടക്കാൻ മാത്രമുള്ളിൽ ഉപയോഗിക്കുന്നതാണ്.
2. മണ്ണിലെ സൂക്ഷ്മജീവി കോളിഫോർ പിടിക്കുന്നതിന് അവസരമുണ്ടാക്കുന്നതാണ്.
3. കോളിഫോർ നിന്നും മണ്ണിലെ പിടിക്കുന്നു പോകുന്നത് വിസർജ്ജ്യവും മിശ്രമല്ലാതും മാത്രമല്ലാതും നിലനിർത്തുന്നു കോളിഫോർ പതിവ് പരിപാലനം ആവശ്യമാണ്.

ജൈവ മാലിന്യ സംസ്കരണം

ഇ എം ലായനിയോ (EM Solution) മറ്റു ജൈവ മാലിന്യ സംസ്കരണ മാർഗ്ഗങ്ങളോ ഉപയോഗിച്ച് ചുറ്റുമുള്ള പിണ്ണാക്കും, കാലിവളവുമായി നിലത്തിലേക്കും, തൊഴുത്തിലേക്കും ജൈവ മാലിന്യങ്ങൾ സംസ്കരിക്കുന്നതാണ്.

ശ്രദ്ധയ്ക്കുക

1. നിലമൊരുക്കുമ്പോൾ ചുവടെ നിന്ന് കുഴിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ളതും ചെടികൾക്കും, അതോടൊപ്പം കൂടെ നിലനിൽക്കുന്ന കളകൾക്കും വിത്തിനുള്ളതും നശിക്കുന്നതാണ്.

2. [illegible]

3. [illegible] കൃഷികൾക്കു മുൻഗണന നൽകുന്നതിൽ ശ്രദ്ധിക്കുക.
4. കൃഷിയിടങ്ങളിലെയോ, കുടുംബത്തിലെയോ ആവശ്യങ്ങൾക്കുള്ള പരിമിതമായ കൃഷിയിറക്കി കൃഷി നടത്തുക.
5. ഭാവി പദ്ധതികൾക്കായുള്ള പരിമിതമായ സമ്പത്തുകൾ സൂക്ഷിക്കുക. പണി, വിത്ത്, ഇടുന്ന കളിക്കുള്ള തൂൺ, വിരിപ്പിളവിൽ എന്നിവ ലഭ്യമായിട്ടുള്ളത് ഉപയോഗിച്ചുള്ള കൃഷി നടത്തുക.
6. [illegible]
7. [illegible] കൃഷിയിലേയ്ക്കു തിരിയുന്നതിനായി കൃഷിക്കുള്ള പുതിയ പുതുക്കിയ [illegible] ചെയ്യുക.

लक्षद्वीप (मलयालम)
LAKSHADWEEP ISLANDS (MALAYALAM)

- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

[illegible]

- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]
- [illegible]

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
Krishi Bhawan, New Delhi